हर हर महादेव

RNI No.: MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए
वर्ष 03, अंक 12 मासिक पत्रिका
10 दिसम्बर 2024

हमारा देश हमारा अभिमान

ISO 9001:2015 CERTIFIED

टेक्नोलॉजी न बन जाए जान की दुश्मन

आज के डिजिटल युग में हम सब के लिए स्क्रीन टाइम एक अहम चुनौती बन चुका है। स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ रहा है। ये डिवाइस बच्चों के लिए जानकारी देने वाले और मनोरंजक हो सकते हैं, परंतु उनका अधिक इस्तेमाल बच्चों की सेहत पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। स्क्रीन पर अधिक समय बिताने से बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

ओंकारेश्वर मंदिर: पृथ्वी का एकमात्र ज्योतिर्लिंग जहां हर रात को सोने के लिए आते हैं महादेव

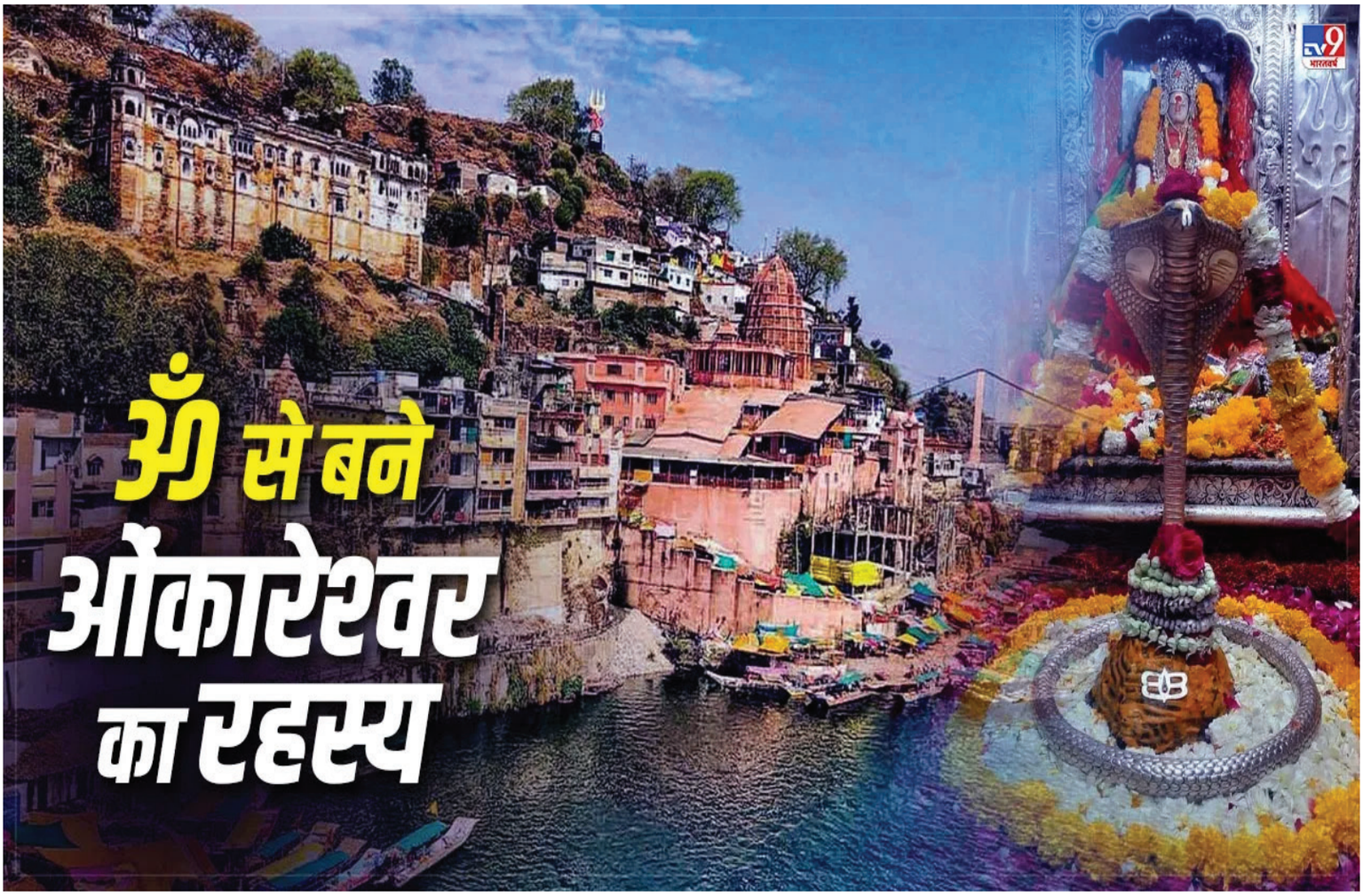

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के इंदौर शहर से लगभग 78 किमी की दूरी पर नर्मदा नदी के किनारे स्थित है. यह एकमात्र मंदिर है जो नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित है. यहां पर भगवान शिव नदी के दोनो तट पर स्थित हैं. महादेव को यहां पर ममलेश्वर व अमलेश्वर के रूप में पूजा जाता है

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग : मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में ॐ के आकार में बने द्वीप पर स्थित ओंकारेश्वर मंदिर का क्या धार्मिक महत्व है और महाशिवरात्रि पर यहां पर पूजा करने पर क्या फल मिलता है, जानने के लिए जरूर पढ़ें ये लेख.

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग : भगवान शिव से जुड़े द्वादश ज्योतिर्लिंगों में मध्य प्रदेश स्थित ओंकारेश्वर का चौथा स्थान आता है. यहां पर भगवान शिव नर्मदा नदी के किनारे ॐ के आकार वाली पहाड़ पर विराजमान हैं. हिंदू धर्म में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग को लेकर कई मान्यताएं हैं. जिसमें सबसे बड़ी मान्यता ये है कि भगवान भोलेनाथ तीनों लोक का भ्रमण करके प्रतिदिन इसी मंदिर में रात को सोने के लिए आते हैं. महादेव के इस चमत्कारी और रहस्यमयी ज्योतिर्लिंग को लेकर यह भी मानना है कि इस पावन तीर्थ पर जल चढ़ाए बगैर व्यक्ति की सारी तीर्थ यात्राएं अधूरी मानी जाती है. आइए महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महादेव के इस दिव्य ज्योतिर्लिंग की पूजा का धार्मिक महत्व और लाभ के बारे में विस्तार से जानते हैं.

33 करोड़ देवताओं संग विराजते हैं भगवान शिव

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के इंदौर शहर से लगभग 78 किमी की दूरी पर नर्मदा नदी के किनारे स्थित है. यह एकमात्र मंदिर है जो नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित है. यहां पर भगवान शिव नदी के दोनो तट पर स्थित हैं. महादेव को यहां पर ममलेश्वर व अमलेश्वर के रूप में पूजा जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के आस-पास कुल 68 तीर्थ स्थित हैं और यहां भगवान शिव 33 करोड़ देवताओं के साथ विराजमान हैं. महाशिवरात्रि के अवसर पर इस मंदिर में शिवभक्तों की भारी भीड़ दर्शन और पूजन के लिए उमड़ती है. इसी को ध्यान रखते हुए इस साल महाशिवरात्रि के अवसर भगवान शिव का यह ज्योतिर्लिंग 24 घंटे दर्शन के लिए खुला रहेगा. ओंकारेश्वर मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां पर दर्शन एवं पूजन करने पर व्यक्ति के सारे पाप दूर हो जाते हैं.

महादेव के मंदिर का बड़ा रहस्य

उज्जैन स्थिति महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की भस्म आरती की तरह ओंकारेश्वर मंदिर की शयन आरती विश्व प्रसिद्ध है. हालांकि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भगवान शिव की सुबह मध्य और शाम को तीन प्रहरों की आरती होती है. मान्यता है कि रात्रि के समय भगवान शिव यहां पर प्रतिदिन सोने के लिए लिए आते हैं. मान्यता यह भी है कि इस मंदिर में महादेव माता पार्वती के साथ चौसर खेलते हैं. यही कारण है कि रात्रि के समय यहां पर चौपड़ बिछाई जाती है और आश्चर्यजनक तरीके से जिस मंदिर के भीतर रात के समय परिंदा भी पर नहीं मार पाता है, उसमें सुबह चौसर और उसके पासे कुछ इस तरह से बिखरे मिलते हैं,जैसे रात्रि के समय उसे किसी ने खेला हो.ओंकारेश्वर मांधाता नर्मदा नदी के मध्य द्वीप पर स्थित है। दक्षिणी तट पर ममलेश्वर (प्राचीन नाम अमरेश्वर) मंदिर स्थित है । ओंकारेश्वर में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ ही ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग भी है। इन दोनों शिवलिंगों को एक ही ज्योतिर्लिंग माना जाता है। खंडवा से 75 कि.मी. इंदौर-खंडवा हाईवे पर । यह हिंदुओं का एक पवित्र स्थान है। ओंकार ममलेश्वर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक और जैन संप्रदाय के सिद्धवरकूट इस स्थान पर स्थित हैं।

हमारा देश
हमारा अभिमान

10 दिसम्बर 2024

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार
- डॉ सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- प्रदीप यादव
- निरंजन शर्मा
- विनीत गोयल
- डॉ. सुधीर राजौरिया, हड्डी रोग विशेषज्ञ
- आशीष त्रिवेदी
- डॉक्टर अशोक राजौरिया
- डॉक्टर कमल कटारिया
- यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- अमित जैन इंदौर
- सुरजीत परमार
- संजू जादौन
- डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- रागिनी चतुर्वेदी
- प्रवेंद्र चतुर्वेदी
- प्रखर सिंह

शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
विजय शर्मा
हेमाटोलाजिस्ट और बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट

सह सलाहकार
रुचि चतुर्वेदी, सोनीष वशिष्ठ, कमल वर्मा, अनिल शर्मा, मंगला चतुर्वेदी , अजय चतुर्वेदी, संजू मिश्रा ,चंचल शर्मा

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

सुविचार

सफलता के लिए सिर्फ़ कल्पना ही नहीं,
सार्थक कर्म भी ज़रूरी है.

विवरणिका

संपादकीय	04-05
ग्वालियर	06-11
मध्य प्रदेश	12-29
देश	30
बच्चो के लिए घातक मोबाईल	31
पर्यटन	32
ऑटोमोबाइल	33
देश-प्रदेश	27
अंतराष्ट्रीय	28-29
महाराष्ट्र-झारखण्ड चुनाव	30
पर्यटन	32
ऑटोमोबाईल	33
सायबर अवेयरनेस	34
ऑनलाईन शॉपिंग	35
शिक्षा	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वस्तु	40
स्वास्थ्य	41-44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
अंतराष्ट्रीय	47
फैशन	48
बॉलिवुड	49
रेसिपी	50
रोजगार	51

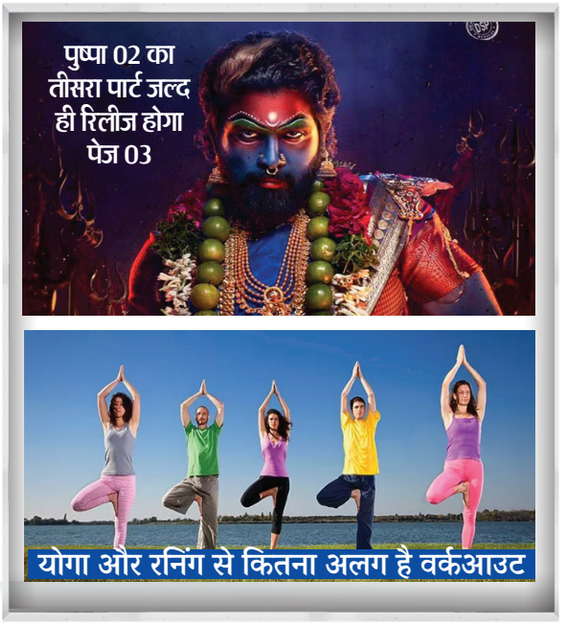

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

कार्यस्थलो पर महिला सुरक्षा एक चुनोती

महिला साक्षरता में वृद्धि एवं सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती संख्या के साथ कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न एक समस्या के रूप में आज भी मौजूद है। इस समस्या से निपटने के लिए आज से लगभग 10 वर्ष पहले प्रीवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट एक्ट"पाश" कानून लागू किया गया था। इसके लागू होने के इतने समय बाद भी कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं में कोई विशेष कमी देखने में नहीं आई है। उपरोक्त एक्ट के अंतर्गत स्थापित आंतरिक परिवार समितियां केवल कागजों में ही कार्य कर रही है।सुप्रीम कोर्ट में "पाश" एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 25 मार्च 2025 तक की समयावधि नियत की है। आशा की जानी चाहिए कि इसकी प्रभावी क्रियांवयन सकेगा। इसके अतिरिक्त महिलाओं के कार्य स्थल पर स्वच्छ शौचालय तथा सुरक्षित परिवहन की सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी .

लोकतंत्र के मंदिर "संसद" में मर्यादित आचरण आवश्यक'

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

वर्तमान में संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। पहले तीन दिनों में सिर्फ 50 मिनिट की कार्यवाही हो पायी है। विपक्ष ने अडानी मणिपुर औद संभल की घटनाओं की लेकर संसदीय कार्यवाहियों को अवरुद्ध किया है। विगत कई वर्षों से संसदीय कार्यवाहियो में बाधा डालना विपक्ष का हथियार बन गया है। चाहे कोई भी पार्टी विपक्ष में हो यह महत्वपूर्ण नहीं है।जनता चुने हुए प्रतिनिधियों से यह आशा रखती है कि, वे उनके क्षेत्र के मुद्दों को प्रभारी ढंग से संसद में रखकर उनके क्षेत्र के विकास में पूर्ण सहयोग करे। लेकिन विकास के हंगामा की वजह से वह सब व्यर्थ हो जाता है। जो निश्चित तौर पर देश के विकास में बाधक है।संसदीय कार्यवाही में करोड़ों रुपए का खर्च होता है जो जनता की जेब पर भार के रुप में पड़ता है। इस प्रकार से संसद स्थगित होने से यह सारा व्यय पानी में जाता है। आवश्यकता यह है कि पक्ष एवं विपक्ष परस्पर आपस में बात कर ऐसी सुचारु व्यवस्था बनाए की संसदीय कार्यवाही नियमित रुप से चल सके और विधेयको पर सार्थक चर्चा हो सके और आम जनता के धन का सदुपयोग हो सके।

बड़ और बड़ी

नंदिता शर्मा , ग्वालियर

मेरे आंगन मे बड़ का पेड़
और उससे गिरी
बिखरी और सहमी वो बड़ियों का ढेर
न जाने क्या कहती हैं
क्या यह वेदना है
जननी से बिछुड़ने की
या कि रोमांच मिश्रित भय
गुदगुदी.
नव-जीवन के खोज की
हवा के झोंको की
बरसात के बूंदों की
अनुग्रह कहूं या मार
कुछ मिट्टी में मिल गई
कुछ बीज बन हुईं तैयार
नए पौधों के जन्म का
कर रहीं इंतजार
फिर जन्मी
फिर बड़ी हुईं
फिर बरगद
बन हुई तैयार
जीवन चक्र
का प्रतीक
मेरा बरगद
करता है उपकार
अपने ही अंश बिखराकर
दे धरा को उपहार
बाँहें अपनी फैलाकर
मेरा आंगन रखे छायादार
धन्य यह पेड़ यह प्रकृति
नमन बारम्बार ।।

24 जिलों की 1295 पीवीटीजी बसाहटों में बनेंगी 1284.29 किमी लम्बी 1035 सड़कें

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) में केन्द्र सरकार प्रदेश के 24 जिलों में निवासरत 3 विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सभी बसाहटों तक एप्रोच रोड तैयार कर रही हैं। केन्द्र सरकार द्वारा पीएम जन-मन में प्रदेश की चिन्हित कुल 1295 पीवीटीजी बसाहटों में कुल 1284.29 किलोमीटर लम्बाई वाली 1035 सड़कें मंजूर की गई है। गांव-गांव तक कुल 1050 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाली इन सम्पर्क सड़कों का निर्माण कार्य 5 चरणों में पूरा किया जायेगा। पहला चरण जून 2025 तक पूरा कर लेने का लक्ष्य तय किया गया है।पहले चरण में 235 करोड़ रूपये की लागत से 295 किमी लम्बी 125 सड़कें बनाई जा रही है। इन पर काम तेजी से जारी है। पहले चरण के ही दूसरे भाग में 150.72 करोड़ रूपये की लागत से 180.29 किमी लम्बी 40 सड़कें बनाई जानीं है। इनके लिये निर्माण एजेंसी तय कर दी गई हैं। दूसरे चरण में 112.69 करोड़ रूपये लागत से 152 किमी लम्बी 60 सड़कें बनाई जायेंगी। तीसरे चरण 162 करोड़ रूपये की लागत से 216 किमी लम्बी 86 सड़कें निर्मित की जायेंगी। चौथे चरण में 187.74 करोड़ रूपये से 254 किमी लम्बी 97 सड़कें तथा 5वें चरण में 801 करोड़ रूपये लागत से 1187 किमी लम्बाई वाली 627 सड़कें तैयार की जायेंगी।पीएम जन-मन अभियान में सभी गांव-गांव पहुंच सड़कें प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ।भागके अधीन निर्माण एजेंसी मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (एमपी आरआरडीए) द्वारा बनाई जायेंगी। निर्माण एजेंसी एमपी आरआरडीए द्वारा पहले चरण में मंजूर हुईं।

हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के वरिष्ठ संरक्षक डॉ श्रीमन नारायण मिश्रा के साथ मनोज चतुर्वेदी ,संपादक हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका ने की विशेष चर्चा साथ मै पत्रिका के विशेष संवाद दाता रवि परिहार ओर सह मार्केटिंग ब्यूरो सुनीता कुशवाह

थाना प्रभारी पड़ाव ग्वालियर एस एस भदौरिया

निरंजन शर्मा एडिशनल एस पी ग्वालियर ग्रामीण एवं मनोज कुमार चतुर्वेदी संपादक हमारा देश हमारा अभिमान साथ मै डबरा एस डी ओ पी विवेक शर्मा और डबरा टीआई यशवंत गोयल

उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ का ग्वालियर विमानतल पर आत्मीय स्वागत

ग्वालियर उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ रविवार को वायुसेना के विमान से ग्वालियर एयरबेस पर प्रातः लगभग 10.45 पधारे। उप राष्ट्रपति के साथ केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर आए। विमानतल पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर उप राष्ट्रपति का आत्मीय स्वागत किया। उप राष्ट्रपति के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ भी आईं। ग्वालियर एयरबेस पर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, श्रीमती इमरती देवी, विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल, श्री रमेश अग्रवाल व श्री रामबरन सिंह गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ का स्वागत किया। इस अवसर पर ग्वालियर संभाग के आयुक्त श्री मनोज खत्री, आईजी श्री अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, संचालक जनसंपर्क श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह एवं वायुसेना के अधिकारीगण उपस्थित थे।

पिछोर नगर परिषद की अध्यक्ष राम जानकी राजेश पंडा ने हैदराबाद में AMRUT 2.0 प्रशिक्षण में भाग लिया

गंदे पानी के शोधन के लिए 5 करोड़ रुपये स्वीकृत

संवाददाताः भरत रावत

डबरा। हैदराबाद में आयोजित एएमआरयूटी 2.0 मिशन के तहत एकीकृत क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्वालियर संभाग की नगर परिषदों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण 28 से 29 नवंबर 2024 तक इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ESCI) में आयोजित किया गया। ग्वालियर जिले की नगर परिषद पिछोर की अध्यक्ष श्रीमती राम जानकी राजेश पंडा ने भी इस दो दिवसीय कार्यशाला में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान पिछोर नगर की एक महत्वपूर्ण समस्या का समाधान हुआ। पिछोर में गंदे पानी के शोधन और उसे सिंध नदी में सुरक्षित रूप से छोड़े जाने के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई। इस पहल से पिछोर में जल प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी और स्थानीय निवासियों को स्वच्छ पर्यावरण का लाभ मिलेगा। श्रीमती राम जानकी राजेश पंडा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, "यह राशि पिछोर के विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए मील का पत्थर साबित होगी। हम प्रयास करेंगे कि गंदे पानी के शोधन का कार्य शीघ्र पूरा हो और जनता को इसका लाभ मिले।" कार्यक्रम में प्रदेशभर की नगर परिषदों के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों ने शहरी विकास के लिए नवीन तकनीकों और योजनाओं पर चर्चा की। AMRUT 2.0 मिशन के तहत यह प्रशिक्षण शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही टिकाऊ विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। ग्वालियर संभाग की ओर से पिछोर के लिए मिली इस विशेष स्वीकृति को क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

डबरा से उखाड़ी गई एटीएम मशीन दतिया के लरायटा में मिली, चोरों ने तोड़कर निकाल लिए 9 लाख रुपये

बैंक अधिकारियों के अनुसार एटीएम में 9 लाख रुपये कैश रखे थे। दतिया पुलिस ने एटीएम जब्त कर डबरा पुलिस के हवाले किया है।

डबरा से उखाड़ी गई एसबीआई एटीएम की मशीन शुक्रवार को दतिया जिले के चिरुला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लरायटा में लावारिस हालत में पड़ी हुई पुलिस ने बरामद की है। चिरुला थाना प्रभारी नितिन भार्गव ने बताया कि मशीन को डबरा पुलिस टीम द्वारा बरामद कर लिया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि ग्राम लरायटा स्थित गैस गोदाम के पास रोड किनारे बने खेत में मशीन पड़े होने की सूचना ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को दी गई थी। यह जगह दतिया से 10 किलोमीटर आगे चिरूला थाना क्षेत्र में आती है। मशीन के लावारिस हालत में पड़े मिलने की सूचना के बाद डबरा पुलिस को सूचना दी गई। डबरा पुलिस ने मौके से पहुंचकर एटीएम मशीन को जब्त कर लिया है।

यहां बता दें कि ग्वालियर जिले की डबरा तहसील में बुधवार-गुरुवार की रात बदमाश भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम (आटोमेटिक टेलर मशीन) कटर का उपयोग करके उखाड़ कर ले गए। बताया जा रहा है कि एटीएम में करीब नौ लाख रुपये रखे थे। गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचे ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह ने जांच-पड़ताल शुरू की, लेकिन शाम तक पुलिस बदमाशों का पता भी नहीं लगा सकी थी। डबरा पुलिस ने बताया कि देर रात एटीएम दतिया में चिरूला टोल के पास मिला है। जिसे काटने की कोशिश की गई थी, लेकिन काट नहीं पाए।रुपये सही सलामत है इसका पता सुबह चल पाएगा। डबरा सिटी थाना क्षेत्र के पिछोर तिराहा पर भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम बूथ है। यहां गुरुवार की सुबह कुछ लोग एटीएम से रुपये लेने पहुंचे तो उन्हें मशीन नजर ही नहीं आई। इसके बाद एटीएम चोरी होने की सूचना बैंक प्रबंधन द्वारा पुलिस को दी गई। डबरा एसडीओपी विवेक शर्मा, थाना प्रभारी यशवंत गोयल मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने ग्वालियर से फोरेंसिक एक्सपर्ट्स को भी बुलाया। बदमाशा कटर मशीन के माध्यम से एटीएम को उखाड़ कर ले गए। यशवंत गोयल, प्रभारी, डबरा सिटी थाना प्रभारी यशवंत गोयल का कहना है कि एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे और सायरन एवं आटोमेटिक सूचना सिस्टम खराब था। हर में मेवाती गैंग एटीएम काटने की वारदात कर चुकी है, जो कि सर्दियों में ही सक्रिय होती है। एक बार तो एकसाथ शहर के पांच एटीएम काटकर लाखों रुपये लूटे थे।

उस समय ग्वालियर पुलिस की टीम हरियाणा के नूह से आरोपित को पकड़कर लाई थी। यहां पूरे गांव ने पुलिस को घेर लिया था और गोलियां चलाई थी। सर्दी के समय सक्रिय होता है गिरोहः मेवाती गैंग दूसरी गाड़ियों की नंबर प्लेट लगाकर शहर में एंट्री करती है। इसके बाद एटीएम काटती है और रुपये लूटकर भाग जाती है।

मध्य प्रदेश में युवा वकीलों के लिए राहत भरी खबर, सप्ताहभर में जारी होगी अस्थायी सनद

इंदौर। मध्य प्रदेश के छह हजार से ज्यादा युवा वकीलों को बुधवार को मप्र हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली। हाई कोर्ट ने राज्य अधिवक्ता परिषद से कहा है कि वह एक सप्ताह के भीतर इन्हें अस्थायी सनद जारी कर दे।

हाई कोर्ट ने यह आदेश हाई कोर्ट बार

एसोसिएशन इंदौर के पूर्व सह सचिव राकेशसिंह भदौरिया द्वारा दायर याचिका का निराकरण करते हुए दिया है। याचिका में भदौरिया ने कहा था कि राज्य अधिवक्ता परिषद की नामांकन समिति की बैठक चार माह से अधिक समय से नहीं हुई है। इस वजह से कानून की पढ़ाई पूरी कर चुके युवा न्यायालयों में प्रैक्टिस नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि नामांकन के अभाव में उन्हें अस्थायी सनद जारी नहीं हो पा रही है। प्रैक्टिस के अधिकार से वंचित होने के साथ ये युवा न्यायिक सेवाओं के लिए भी पात्रता हासिल नहीं कर पा रहे हैं। नामांकन समिति की अंतिम बैठक 29 जुलाई को हुई थी। इसके बाद से कोई बैठक नहीं हुई। एडवोकेट भदौरिया ने बताया राज्य अधिवक्ता परिषद ने याचिका में प्रस्तुत जवाब में कहा था कि अंकसूची का सत्यापन नहीं होने की वजह से

लाड़ली बहना योजना किस्त के 7.59 लाख रुपये यूपी के अकाउंट में भेजे, बैंक ने वापस लौटाए

एनपीसीआई सिस्टम के जरिए 1250 रुपये को अकाउंट में भेजते हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की सिद्धार्थनगर ब्रांच के खाते में गए थे रुपये।

मध्य प्रदेश में संचालित 'लाड़ली बहना' योजना के 7.59 लाख रुपये सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश) के बैंक खातों में तकनीकी त्रुटि (टेक्निकल ग्लिट्ज) के कारण जमा हो गए थे।बैंक के उप महाप्रबंधक प्रमोद मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत सभी लाभार्थियों को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) भुगतान प्रणाली के माध्यम से राशि उनके खाते में डाली जाती है।इसमें व्यक्तिगत हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। ऐसे में गलत डेटा फीडिंग की आशंका निराधार है। उधर, भोपाल के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की संबंधित शाखा के प्रयास से गुरुवार को यह राशि वापस भी मिल गई है। विभाग ने लिखा था पत्र उल्लेखनीय है कि नवदुनिया ने 26 नवंबर को 'लाड़ली बहना योजना के 7.59 लाख सिद्धार्थनगर पहुंचे' , शीर्षक से समाचार प्रकाशित

किया था। इसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के उप संचालक हरीश कुमार खरे ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को पत्र लिखकर वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए कहा था।

दो खातों में पहुंची थी राशि

सिद्धार्थनगर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक सुनील कुमार ने बताया कि गुरुवार को बैंक के मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय ने यह रकम मध्य प्रदेश सरकार को लौटा दी। इसके बाद खातों को बहाल कर दिया गया।यहां के जोगिया विकास क्षेत्र के हरैया गांव की गीता व उदयपुर कस्बे के आशुतोष कर पाठक का बचत खाता सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की उदयपुर शाखा में है। शनिवार को गीता के खाते में 6.92 लाख व आशुतोष के खाते में 67 हजार रुपये आ गए थे। खाताधारकों की शिकायत पर बैंक ने छानबीन कराई तो पता चला कि यह रकम मध्य सरकार के लाड़ली बहना योजना की है।

राज्यपाल श्री पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया व श्री दुबे एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण कार्यक्रम में हुए शामिल

उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने ग्वालियर में किया देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम का उदघाटन

पृथ्वी एवं मानव जाति की उत्पत्ति व विकास की अनूठी जानकारियां उपलब्ध हैं म्यूजियम में , डायनासोर का अण्डा भी देखा जा सकता है म्यूजियम में

ग्वालियर उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने ग्वालियर में देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम (भू-विज्ञान संग्रहालय) का रविवार को उदघाटन किया। ग्वालियर के ऐतिहासिक महाराज बाड़ा पर हैरीटेज बिल्डिंग विक्टोरिया मार्केट में स्थापित अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम के उदघाटन अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार व पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय कोयला व खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ग्वालियर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट एवं सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह भी मौजूद थे।

उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने पट्टिका का अनावरण कर एवं म्यूजियम के प्रवेश द्वार पर फीता काटकर देश के पहले अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम का उदघाटन किया। साथ ही ग्वालियरवासियों को इस अनूठी सौगात की बधाई एवं शुभकामनायें दीं। उन्होंने सभी अतिथियों के साथ म्यूजियम की विभिन्न गैलरियों में दर्शाए गए भू-विज्ञान से संबंधित चित्रों, कलाकृतियों एवं जानकारियों को देखा एवं म्यूजियम की सराहना की। म्यूजियम के उदघाटन के बाद उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने महाराज बाड़ा पर स्थित वास्तु शिल्प के उत्कृष्ट नमूनों के रूप में खड़ीं ऐतिहासिक इमारतों को भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने उप राष्ट्रपति को महाराज बाड़े की इमारतों के शिल्प एवं शैलियों से अवगत कराया। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद द्वारा ग्वालियर नगर निगम के सहयोग से तैयार किए गए देश के इस पहले अत्याधुनिक एवं अद्भुत जियो साइंस म्यूजियम में पृथ्वी की उत्पत्ति, मानव जाति व मानव सभ्यता का विकास व ब्रम्हाण्ड से जुड़ीं अनूठी जानकारियाँ समाहित हैं। म्यूजियम में डायनासोर का अण्डा सहित कीमती वस्तुएँ पर्यटकों को देखने के लिये उपलब्ध हैं। यह म्यूजियम भू-विज्ञान से संबंधित बच्चों से लेकर बड़ों तक की जिज्ञासाओं का समाधान उपलब्ध है। साथ ही वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह संग्रहालय ज्ञानवर्धक है। पृथ्वी विज्ञान से संबंधित दुर्लभ भू-वैज्ञानिक नमूनों को मल्टीमीडिया डिस्प्ले के जरिए म्यूजियम में दिखाया गया है।

संग्रहालय में दो गैलरियाँ, एक गैलरी में पृथ्वी की उत्पत्ति व विकास की जानकारी

जियो साइंस म्यूजियम में दो गैलरियों के माध्यम से भू-विज्ञान के बारे में लाइट इफेक्ट के साथ आकर्षक ढंग से जानकारी संजोई गई है। एक गैलरी में पृथ्वी के विकास को दर्शाया गया है, जिसमें उल्लेख है कि पृथ्वी अपने मूल स्वरूप में किस प्रकार आई और कौन-कौन सी चीजों से मिलकर पृथ्वी बनी है। वर्तमान में जो पृथ्वी है, असल में वह कैसी दिखती है। पृथ्वी के भीतर लावा किस तरह से तैयार होता है और ज्वालामुखी फूटने से किस तरह पर्वतों का निर्माण होता है। यह सब जानकारियां बखूबी ढंग से संग्रहालय में दर्शायी गई हैं। यहाँ आने वाले पर्यटन भूकम्प का अनुभव भी कर सकेंगे। इसके अलावा वायु मण्डल और महासागर के बारे में भी वर्णन है। लाइट इफेक्ट और अत्याधुनिक मशीनी तकनीक से बड़े बखूबी ढंग से यह सब प्रदर्शित किया गया है।

मानव सभ्यता के विकास की गाथा बयां कर रही है दूसरी गैलरी

जियो साइंस म्यूजियम की दूसरी गैलरी में मानव जाति और मानव सभ्यता के विकास को बड़े बखूबी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इसमें यह भी दर्शाया गया है कि धरती पर डायनासोर की उत्पत्ति व विलुप्ति हुई। साथ ही मानव की उत्पत्ति कैसे हुई और कैसे उसका जीवनक्रम आगे बढ़ा। मानव सभ्यता की जीवन शैली में आए बदलाव का यह वर्णन भी दर्शनीय है।

कार्यक्रम में इनकी भी रही मौजूदगी

जियो साइंस म्यूजियम के उदघाटन कार्यक्रम में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री असित साहा, संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री, पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव एवं जियो लॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अधिकारीगण भी मौजूद थे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड संगीत सम्राट तानसेन को सच्ची आदरांजलि - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

536 कला साधकों में 9 वाद्ययंत्रों का समवेत वादन कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड,ग्वालियर के दुर्ग पर छेड़ा राग मल्हार, मियां की तोड़ी एवं दरबारी कान्हड़ा का नाद,तानसेन संगीत समारोह का 100वाँ उत्सव स्मरणीय बना, संगीत नगरी में स्वर सम्राट रचित रागों की गूंज

ग्वालियर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुई संगीत साधकों की समवेत प्रस्तुति संगीत सम्राट तानसेन को सच्ची आदरांजलि है। यूनेस्को सिटी ऑफ म्यूजिक ग्वालियर में संगीत विरासत को सहेजने का यह अद्भुत प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 536 कला साधकों में 9 वाद्ययंत्रों पर राग मल्हार, मियां की तोड़ी एवं दरबारी कान्हड़ा का समवेत वादन कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में संगीत का विशेष महत्व है। महर्षि पतंजलि ने मानव शरीर में पाँच प्राण - प्राण, अपान, उदान, व्यान और समान - और पाँच उप-प्राण - नाग, कूर्म, देवदत्त, कृकला और धनंजय बताए है। संगीत इन सभी प्राणों में चेतना का जागरण करती है। भारतीय संगीत की साधना शरीर के रोम रोम को पुलकित कर देती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रकृति के साथ संगीत का संबंध नैसर्गिक होकर हमारी संस्कृति की पहचान है। हमारे भगवान भी किसी न किसी वाद्य यंत्र को धारण करते है। सबसे पहला वाद्ययंत्र डमरू जिसे भगवान शिव धारण करते है। उसी तरह भगवान श्री कृष्ण के साथ बांसुरी जुड़ी है। बांसुरी को श्री कृष्ण ने हमेशा अपने पास रखा और एक तरह से बांसुरी ही भगवान श्री कृष्ण की पहचान बन गई। संगीत सम्राट तानसेन ने शास्त्रीय संगीत की साधना करते हुए अपने जीवन सार्थक किया। उनकी नगरी ग्वालियर में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्माण से प्रदेश के कला साधकों का मनोबल बढ़ेगा और संगीत की परम्परा को आगे बढ़ाने की प्रेरणा भी मिलेगी।

सुरों की साधना को समर्पित 9 मिनट तक शास्त्रीय वाद्यों का वादन

सुरों की साधना को समर्पित समवेत प्रस्तुति में देश और प्रदेश के 536 कलाकारों में 9 शास्त्रीय वाद्ययंत्रों का वादन एक साथ किया। इसमें, 347 पुरुष एवं 189 महिला कलाकार सम्मिलित थीं। समवेत प्रस्तुति के माध्यम से स्वर सम्राट तानसेन को स्वरांजली अर्पित की गई। यह प्रस्तुति तानसेन रचित तीन राग जिनमें मल्हार, मियां की तोड़ी एवं दरबारी कान्हड़ा में निबद्ध थी। इस प्रस्तुति का संयोजन सुप्रसिद्ध बांसुरी वादक पंडित रोनू मजूमदार ने किया। समवेत प्रस्तुति में वाद्ययंत्रों के साथ ही गायन भी शामिल था। निरन्तर 9 मिनट तक वाद्यों का वादन करने पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड रचा गया।

किस वाद्य पर कितने प्रतिभागी

गायन	—	1
तबला	—	76
बांसुरी	—	56
वायलिन	—	80
वोकल	—	166
संतूर		—3
सरोद	—	13
सारंगी	—	11
सितार		—93
सितार—बैंजो	—	1
हारमोनियम	—	34
सहायक	—	1
सहायक दल प्रमुख	—	1

इस अवसर पर केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, जल संसाधन मंत्री और ग्वालियर के प्रभारी मंत्री श्री तुलसी सिलावट, संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी, सांसद ग्वालियर श्री भरत सिंह कुशवाह, प्रमुख सचिव संस्कृति और पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला सहित स्थानीय अधिकारी और बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित रहें। समस्त भारतीय कलाओं को सम्मान प्रदान करने के लिए संकल्पित संस्कृति विभाग द्वारा एक और कीर्तिमान रचा गया। तानसेन संगीत समारोह के 100वें उत्सव को स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से ग्वालियर किला पर रविवार को वृहद समवेत प्रस्तुति का आयोजन किया गया।

विगत वर्ष ताल दरबार से रचा था इतिहास

विगत वर्ष संगीत सम्राट तानसेन की नगरी ग्वालियर में अपराजेय भारतीयता के विश्वगान राष्ट्रगीत वंदे मातरम की धुन पर "ताल दरबार" ने मध्यप्रदेश के संगीत को एक वैश्विक पहचान दिलाई थी। यूनेस्को द्वारा चयनित संगीत नगरी में राष्ट्रीयता का उद्घोष करते हुए 1500 से अधिक संगीत साधकों ने प्रदेश की ऐतिहासिकता, सांस्कृतिकता और संगीत की त्रिवेणी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया था।

सूर्य उदय के समय सुबह उठ जाना ओर सूर्य दर्शन स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक यह बात ग्वालियर डी आई जी अमित सांघी से विशेष चर्चा में आई । पूर्ण चर्चाअगले अंक मै

स्वर्ण आभूषण की शुद्धता ही हमारी पहचान , ग्वालियर ही नहीं कई जिलों में अपनी पहचान बनाए हुए गहना ज्वेलर्स के संचालक एवं हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के सलाहकार सदस्य शरद मंगल से विशेष चर्चा संपादक मनोज चतुर्वेदी के साथ मै कही। **पूर्ण चर्चा अगले अंक**

डबरा का विकाश ही मेरी प्राथमिकता है डबरा के लिए मै विधायक नहीं बल्कि डबरा की जनता का भाई ,बेटा हूं। यह बात डबरा विधायक सुरेश राजे ने हमारा देश हमारा अभियान पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी तथा पत्रिका की सह मार्केटिंग सदस्य ओर सह संवाददाता सुनीता कुशवाह से विशेष चर्चा मै यह कहा तथा पत्रिका की कार्य कार्य शैली की तारीफ की। **पूर्ण चर्चा अगले अंक**

घरेलू गैस का दुरुपयोग रोकने के लिये जिले में विशेष मुहिम जारी

ग्वालियर घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरुपयोग रोकने के लिये जिले में विशेष मुहिम जारी है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई खाद्य विभाग की टीम ने बुधवार को पिंटो पार्क तिराहा क्षेत्र में छापामार कार्रवाई कर विभिन्न प्रतिष्ठानों से घरेलू गैस के 21 सिलेण्डर जब्त किए हैं। जिन प्रतिष्ठानों से यह सिलेण्डर जब्त किए हैं उनके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण बनाए गए हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन श्रीवास्तव ने बताया कि खाद्य विभाग की टीम ने पिंटो पार्क तिराहा क्षेत्र में स्थित श्री नारायण कृपा रीफिलिंग सेंटर व नागरिक सुविधा केन्द्र रीफिलिंग सेंटर से घरेलू गैस के 10 -10 सिलेण्डर जब्त किए। एक सिलेण्डर वृंदावन स्वीट्स से जब्त किया गया है। जब्त किए गए घरेलू गैस के सभी 21 सिलेण्डर गणेश एजेंसी मुरार की सुपुर्दगी में रखवाए गए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने रसोई गैस का बेजा इस्तेमाल रोकने के लिये ग्वालियर शहर सहित जिले के सभी कस्बों में लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इस कड़ी में बुधवार को कार्रवाई के लिये गई टीम में प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन श्रीवास्तव, सहायक खाद्य अधिकारी श्री अरविंद सिंह भदौरिया, श्री महावीर सिंह राठौर व श्री सौरभ जैन शामिल थे।

हम होंगे कामयाब अभियान के तहत विविध गतिविधियाँ जारी

ग्वालियर | ग्वालियर जिले में भी महिला एवं बाल विकास विभाग क द्वारा जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान ''हम होंगे कामयाब'' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशानुसार प्रतिदिन गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में बुधवार को बाल विवाह निषेध जागरूकता विषय पर सम्पूर्ण जिले में कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस अभियान अंतर्गत 27 नवम्बर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुए 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान उदघाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी ग्वालियर के कार्यक्रम में हुआ। साथ ही इस मौके पर

महिला एवं बाल विकास विभाग ग्वालियर एवं सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ने बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया और प्रतिभागियों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई।

कलेक्ट्रेट में महिला एवं बाल विकास विभाग ग्वालियर के सभागार मे यह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग धीरेन्द्र सिंह जादोन ने कहा की विभाग द्वारा बाल विवाह को रोकने के पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है एवं सरकार की इस पहल से निश्चित ही हम 2030 से पहले ही बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान और जमीन पर इसके असर की चर्चा करते हुए एवं सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट के अध्यक्ष उमेश वशिष्ठ ने कहा बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है। लड़कियों का बाल विवाह होता है जो न सिर्फ जीवनसाथी चुनने के उनके अधिकार का हनन है बल्कि इससे लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ रोजगार और आर्थिक निर्भरता की उनकी संभावनाओं पर भी बेहद बुरा असर होता है।

कार्यशाला में सहायक संचालक राहुल पाठक ने उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह की कुरीति को रोकने के लिए किशोरी बालिकाओं के साथ सतत रूप से सम्पर्क किया जाए और उन्हें इससे होने वाले नुकसान के बारे लगातार जानकारी दी जाए।

इस अभियान के अंतर्गत विकास खण्ड भितरवार और विकास खण्ड घाटीगांव में खण्ड स्तरीय बाल विवाह मुक्त अभियान भारत का शुभारम्भ एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। विभिन्न आंगनवाड़ी केन्द्र पर बाल विवाह के विरूद्ध शपथ ली गई और रैलियों का आयोजन किया गया ।

शासकीय उत्कृष्ठ उच्चत्तर माध्यमिक विध्यालय क्रमांक 1 मुरार ग्वालियर मे जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य रूप से बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सोमेश महंत, जिला विधिक सेवा अधिकारी दीपक शर्मा, सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट के अध्यक्ष उमेश वशिष्ठ, मानसेवी सचिव डॉ विजय गुप्ता, राजेन्द्र सोनी, यूसुफ खान, अरविन्द कुशवाह, स्कूल के अध्यापक समेत 250 बच्चों ने भाग लिया एवं बाल विवाह के विषय मे जानकारी दी एवं बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक शपथ ली।

दिवंगत दो पटवारियों व एक मानचित्रकार के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति

जिले में पदस्थ रहे दो पटवारियों एवं एक मानचित्रकार के दिवंगत होने पर उनके आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा दिवंगत इन कर्मचारियों के आश्रितों को पटवारी पद पर नियुक्ति के लिए अलग-अलग आदेश जारी किए गए हैं। अधीक्षक भू-अभिलेख श्री रविनंदन तिवारी ने बताया कि ग्वालियर कलेक्ट्रेट की भू-अभिलेख शाखा में पदस्थ रहे पटवारी स्व. सुरेन्द्र तिमोथी पॉल के आश्रित सेबिसटीना टी पॉल की पटवारी पद पर अनुकम्पा नियुक्ति की गई है। इसी तरह कलेक्ट्रेट की भू-अभिलेख शाखा में मानचित्रकार पद पर पदस्थ रहे स्व. सोबरन सिंह सगर के आश्रित नरेन्द्र बाबू सगर को भी पटवारी पद पर अनुकम्पा नियुक्ति मिली है। इसके अलावा कलेक्ट्रेट की भू-अभिलेख शाखा में ही पदस्थ रहकर शासकीय सेवा के दौरान मृत्यु होने पर श्री करतार सिंह की पत्नी श्रीमती रेखा को भी पटवारी पद पर अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है।

मणिकर्णिका फिल्म फेस्टिवल का आयोजन, आधा दर्जन से अधिक भाषाओं की दिखाई जाएगी फिल्में

देश की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी फिल्म जगत के लिए भी हमेशा से ही पसंदीदा शहरों में से एक रही है. आज के दौर में तो वाराणसी के प्राचीन घाट गलियों शिक्षण संस्थाओं में पहले से भी अधिक तुलना में फिल्में बनाई जा रही है. अब वाराणसी में दिसंबर के दूसरे सप्ताह में मणिकर्णिका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है. इस फिल्म फेस्टिवल में दर्शकों को दिखाने के लिए 150 फिल्में आई थी जिनमें 60 फिल्मों का चयन हुआ है. पर्यटन के साथ-साथ अब फिल्म जगत के लिए भी वाराणसी शहर एक केंद्र बनता जा रहा है. यहां के प्राचीन विरासत मुंबई ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने कोने से लोगों को खींच लाती है. एबीपी लाइव को मिली जानकारी के अनुसार 13 से 15 दिसंबर तक वाराणसी में मणिकर्णिका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 60 फिल्में दिखाई जाएगी. यहां पर दर्शकों को दिखाने के लिए 150 फिल्में आई थी लेकिन उसमें 60 फिल्मों का चयन हुआ है. यह सभी फिल्में समाज से जुड़े मुद्दों पर आधारित होंगे. साथ ही भोजपुरी, बांग्ला, हिंदी, तमिल, असमी, मराठी सहित अन्य भाषाओं में यह फिल्में दर्शकों के समक्ष रखी जाएंगी .

बीते वर्षों में भी हुआ है फिल्म फेस्टिवल का आयोजन

बीते कुछ वर्षों से वाराणसी में फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाता रहा है जिसमें शॉर्ट फिल्म और ऐसे विभिन्न भाषाओं पर बनी सामाजिक मुद्दों से जुड़ी फिल्मों को दिखाया गया था. इसमें वाराणसी सहित आसपास के जनपद के फिल्म जगत से जुड़े कलाकार इकट्ठा होते हैं. ऐसे में वाराणसी में 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित होने वाले मणिकर्णिका अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल को लेकर लोग काफी उत्साहित हैं. इधर, विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास का कार्यकाल दिसंबर महीने के दूसरे सप्ताह में समाप्त हो रहा है. इसके साथ ही नए अध्यक्ष व सदस्यों के चयन की प्रक्रिया धर्मार्थ कार्य विभाग शुरू करेगा.

प्रभारी मंत्री ग्राम इंदरगढ़ में हुई घटना में मृतक के परिजनों से मिलने ग्राम दौरार पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की

शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर देर रात सुभाषपुरा थाना अंतर्गत ग्राम इंदरगढ़ में हुई मारपीट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मृतक नारद जाटव के परिजनों से मिलने उनके ग्राम दौरार पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों से कहा कि असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दु:खद और हृदयविदारक है। इस घटना के संज्ञान में आते ही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तत्काल निर्देश दिए।प्रभारी मंत्री ने परिवार को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 4 लाख की सहायता राशि का चेक प्रदान किया और कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार ऐसी घटनाओं को लेकर पूरी तरह गंभीर है। इस मामले में 8 लोगों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

अभियान चलाकर बनाएं आयुष्मान कार्ड यदि होगी लापरवाही तो की जाएगी कार्रवाई - कलेक्टर

शिवपुरी|आयुष्मान भारत योजना के तहत हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं और अब शासन के निर्देशानुसार 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के भी आयुष्मान कार्ड बन रहे हैं। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी द्वारा लगातार इस अभियान की समीक्षा की जा रही है। गत दिवस बुधवार को खनियाधाना निरीक्षण के लिए पहुंचे और सी एच ओ और आशा कार्यकर्ता से आयुष्मान कार्ड की समीक्षा की।खनियाधाना में आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी एवं जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन ने कम प्रगति देखकर नाराजगी व्यक्त की।खनियाधाना में जन मन योजना में सहरिया आदिवासी समुदाय के और 70 वर्ष से अधिक उम्र के हितग्राहियों के लिए 13081 आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य है, लेकिन अभी तक केवल 3177 कार्ड ही बनाए गए हैं। उन्होंने सख्त निर्देश दिए हैं कि अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। जिसके द्वारा लापरवाही की जाएगी उसे पर कार्यवाही होगी। यह भी बताया गया कि 397 आशा कार्यकर्ताएं खनियाधाना में काम कर रही हैं। जो कार्यकर्ता काम नहीं करेंगे उन्हें बर्खास्त किया जाएगा। सामुदायिक स्वास्थ्य

कार्यकर्ता शकुंतला मौर्य की कार्य को देखते हुए कलेक्टर चौधरी ने प्रशंसा की। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता बनोटा के दोहरे को नोटिस देने के निर्देश दिए। इस समीक्षा के दौरान एसडीएम शिवदयाल धाकड़, डॉ संजय ऋषिश्वर, जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र सुंदरियाल, तहसीलदार शिवम उपाध्याय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी एवं आशा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

वित्तीय नवाचार के दौर में अपराध रोकने की तकनीक को औजार बनाए, यूरेशियन ग्रुप मीटिंग में बोले विशेषज्ञ

जापान के प्रतिनिधि सोशी काजे कवाका ने कहा कि नई तकनीकों का उपयोग पैसे के स्त्रोत को छिपाने के लिए हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद विश्व के लिए खतरा है। आजकल आतंकवादी फंडिंग के लिए क्रिप्टो करेंसी का उपयोग कर रहे हैं। इन अपराधियों को रोकने के लिए सदस्य देशों को मिलकर वैश्विक नेटवर्क और मॉडल विकसित करना होंगे। मीटिंग के अलग अलग सत्रों में प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। बता दें कि इंदौर में हो रही यूरेशियन ग्रुप की अंतर्राष्ट्रीय बैठक में 25 देशों के 200 से ज्यादा प्रतिनिधि आए हुए हैं। इस बैठक में आतंकवाद के लिए होने वाली फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों की रोकथाम को लेकर सभी सदस्य देशों की कारगर रणनीति बनाई जा रही है। बुधवार को एक फिनटेक प्रदर्शनी का शुभारंभ भी हुआ।

जिला चिकित्सालय में संचालित 108 एंबुलेंस के औचक निरीक्षण के दौरान

दतिया सीएमएचओ डॉ. वर्मा ने पर्याप्त दवाऐं ना मिलने पर चिकित्सकीय स्टाफ को लगाई फटकार दतिया 28 नवम्बर 2024/ जिला चिकित्सालय में रोगियों को लाने-ले जाने के लिए मौजूद एंबुलेंस का गुरूवार को प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.के. वर्मा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिली कई अनियमितताओं के बाद सीएमएचओ डॉ. वर्मा ने एंबुलेंस स्टाफ को जमकर फटकार लगाई। इस मौके पर प्रियांशु 108 एंबुलेंस जिला समन्वयक भी उपस्थित रहे। सीएमएचओ डॉ. वर्मा ने गुरूवार को 02 बीएलएस 01 एलएस और एक जननी एंबुलेंस को अचानक चैक किया गया। जिनमें जीवन रक्षक दवाओं के साथ ही अन्य दवाऐं प्रोटोकॉल के मुताबिक नहीं पाई गई। इस बात से नाराज प्रभारी सीएमएचओ डॉ. वर्मा ने एंबुलेंस वाहन चिकित्सकीय स्टाफ को जमकर फटकार लगाते हुए दवाओं की मात्रा तय प्रोटोकॉल के हिसाब से रखने के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय से संचालित होने वाले 108 वाहनों के संबंध में लगातार शिकायतें मिल रही थी। जिले में कुल 27 एंबुलेंस संचालित हैं। इनमें बीएलएस के लिए 10 वाहन, एलएस 02 और जननी परिवहन के लिए 15 एंबुलेंस वाहन उपलब्ध हैं।

बैंक ने खाते से रुपये काटे, ज़िला उपभोक्ता आयोग ने माना सेवा में कमी

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) द्वारा खाते से अनुचित राशि काटे जाने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने पीड़ित के पक्ष में आदेश जारी किए हैं। आयोग ने बैंक को निर्देश दिया है कि वह अनुचित तरीके से काटी गई राशि को दो महीने के भीतर उपभोक्ता को लौटाए। साथ ही, मानसिक पीड़ा के एवज में 2,000 रुपये और मुकदमे के खर्च के रूप में 2,000 रुपये अतिरिक्त भुगतान करने का आदेश भी दिया गया है। जानकारी के अनुसार, ओल्ड कंचनपुर निवासी परिवादी निशांत ताम्रकार ने आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि उन्होंने बजाज फाइनेंस के माध्यम से वाशिंग मशीन खरीदी थी। इसकी किस्त राशि उनके बैंक खाते से काटी जानी थी। परिवादी का आरोप था कि खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के बाद भी बैंक ने किस्त की कटौती नहीं की। इसके बजाय, बैंक ने खाते से अनुचित तरीके से 295 रुपये काट लिए। परिवादी ने बैंक से इस बारे में जानकारी ली तो बैंक ने बताया कि यह राशि फाइनेंस कंपनी ने काटी है। दूसरी ओर, फाइनेंस कंपनी का कहना था कि यह कटौती बैंक द्वारा की गई है। बैंक और फाइनेंस कंपनी के परस्पर विरोधी बयानों के कारण परिवादी ने मामला उपभोक्ता आयोग में दायर किया।

प्रकृति परीक्षण अभियान से, आयुर्वेद के प्रति आएगी जन जागृति- आयुष मंत्री श्री परमार

आयुर्वेद से होगी "निरोगी काया एवं स्वस्थ जीवन शैली" की संकल्पना साकार,पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान में, "देश का प्रकृति परीक्षण अभियान" का संवेदीकरण कार्यक्रम संपन्न

आयुर्वेद से "निरोगी काया एवं स्वस्थ जीवन शैली" की संकल्पना साकार होगी। आयुर्वेद को विश्वमंच पर सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी बनाने के लिए संकल्प के साथ, परिश्रम की आवश्यकता है। इसके लिए समाज में भारतीय विधा आयुर्वेद के प्रति विश्वास का भाव जागृत करना होगा। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल के पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान में, "देश का प्रकृति परीक्षण अभियान" के प्रदेश में संवेदीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ कर कही।

आयुष मंत्री श्री परमार ने कहा कि समाज में विश्वास का भाव जागृत करने का माध्यम यह प्रकृति परीक्षण बनेगा। आयुर्वेद, हमारी जीवन पद्धति और श्रेष्ठ पैथी है, इसे विश्वमंच पर पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है। कोविड के संकटकाल में, हम सभी ने आयुर्वेद के महत्व को अनुभव किया है। आयुर्वेद ऐसी पैथी है, जो रोग होने से बचाव और निदान दोनों के लिए कारगर है। श्री परमार ने बताया कि प्रत्येक मनुष्य की एक विशिष्ट प्रकृति होती है, जो गर्भाधान से मृत्यु पर्यंत नियत रहती है। यह आयुर्वेद का मौलिक सिद्धांत है और प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य रक्षण एवं चिकित्सा के लिए महत्वपूर्ण एवं अत्यावश्यक होता है। प्रकृति के ज्ञान के आधार पर दिनचर्या को आयुर्वेदिक परामर्श के साथ समाहित कर, स्वस्थ जीवन शैली निर्धारित की जा सकती है। श्री परमार ने कहा कि प्रकृति परीक्षण के इस अभियान को संकल्प के साथ तीव्र गति से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आयुर्वेद चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों के परिश्रम एवं जनसामान्य की सहभागिता से यह अभियान प्रदेश में समग्र, सर्वस्पर्शी एवं सर्वव्यापी होगा और हमारा प्रदेश इस अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी होगा।

मंत्री श्री परमार ने इस राष्ट्रव्यापी अभियान के अन्तर्गत स्वयं का प्रकृति परीक्षण करवाकर "संकल्प स्वास्थ्य का, आधार आयुर्वेद का" स्लोगन का वाचन कर आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य का संकल्प लिया।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य श्री अशोक वार्ष्णेय ने देश का प्रकृति परीक्षण अभियान द्वारा आयुर्वेद को जन-जन तक स्थापित करने के लिए तथा आयुर्वेद की स्वीकारोक्ति को बढ़ावा देने के उददेश्य को स्पष्ट किया। साथ ही नेशनल सेम्पल सर्वे आर्गेनाइजेशन (NSSO) के आंकड़ों के माध्यम से भारत में आयुर्वेद के प्रति लोगों का विश्वास तथा स्वास्थ्य सेवाओं में आयुर्वेद के बढ़ते योगदान को प्रकाशित किया।मध्यप्रदेश सहित सम्पूर्ण देश भर में यह अभियान अगले एक माह दिसम्बर तक निरंतर चलेगा। कार्यक्रम में प्रकृति परीक्षण अभियान के महत्व को प्रकाशित कर इसके विधि-विधान, इसमें भागीदारी को स्पष्ट कर बताया गया कि इस अभियान के द्वारा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के माध्यम से कुछ विश्व कीर्तिमान स्थापित करने का भी संकल्प लिया गया है, जिससे विश्व में भी आयुर्वेद के प्रति जनजागृति बढेगी।अभियान के राज्य समन्वयक एवं संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. उमेश शुक्ला एवं सह-समन्वयक डॉ. एस.एन. पांडे सहित विविध आयुर्वेदाचार्य, आयुष चिकित्सक, विभागीय अधिकारीगण, संस्थान के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शुचि दुबे ने इस अभियान के संबंध में संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की और कार्यक्रम का संचालन डॉ. अलीशा प्रकाश ने किया।

ज्ञातव्य है कि नवम् राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर, भारतीय विधा आयुर्वेद को सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी बनाने के लिए, प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में "देश का प्रकृति परीक्षण अभियान" का सृजन हुआ। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का शुभारंभ 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मु के प्रकृति परीक्षण के साथ हुआ। यह अभियान 26 नवम्बर 2024 संविधान दिवस से 25 दिसम्बर 2024 सुशासन दिवस तक चलेगा।

प्रसन्नता है कि 60 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुयेः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंजीनियरिंग की ग्लोबल बेस्ट प्रेक्टिसेस का प्रदेश में होगा क्रियान्वयन

लंदन के वार्विक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप का लिया जाएगा सहयोग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का वार्विक विश्वविद्यालय पहुंचने पर हुआ आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री ने डबल्यूएमपी ग्रुप के विषय-विशेषज्ञों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूके दौरे के समापन पर कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमारे लिए कई अर्थों में बहुत महत्वपूर्ण रहा है। सभी प्रकार के अलग-अलग क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश आए। आज बदलते दौर में मध्यप्रदेश में जो संभावनाएं हैं, उनको देखते हुये बड़े पैमाने पर नए निवेशकों ने रुचि दिखाई है, मुझे इस बात का संतोष है कि हमें 60 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव हुये हैं। इसमें सभी प्रकार के सेक्टर जैसे चिकित्सा, उद्योग, माइनिंग और सर्विस सेक्टर शामिल है। एग्रीकल्चर में भी लोगों ने रुचि दिखाई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वार्विक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप के भ्रमण में कहा कि विश्वविद्यालयों और अकादमिक संस्थानों द्वारा किए जाने वाले शोध और अध्ययन की सार्थकता तभी है, जब वे समाज हित में हों। विश्व के कई देशों में शिक्षा के क्षेत्र में इस दिशा में पहल हो रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने भी नई शिक्षा नीति के माध्यम से इस ओर कदम बढ़ाए हैं। आने वाली चुनौतियों का सामना करने में विद्यार्थियों को सक्षम और समर्थ बनाना वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की प्राथमिक आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को लंदन की वार्विक यूनिवर्सिटी पहुंचे और विशेष-विशेषज्ञों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि यह भट्टाचार्य जी के द्वारा स्थापित किया हुआ कैम्पस है, इसमें 30 हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। यहाँ रिसर्च की मूल कल्पना है कि रिसर्च के साथ में इनोवशन भी करें, जिसका लाभ उद्योगों के साथ समाज को भी मिले। इससे हम बदलते दौर में स्वयं के विकास के साथ मानवता की सेवा भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में ऑटोमोटिव क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्य जारी है, अभी भी अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि संभावनाएँ तलाशी जायेंगी कि मध्यप्रदेश के युवा यूके के वार्विक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप में आकर दक्षता अर्जित करें और ग्रुप के विशेषज्ञ भी मध्यप्रदेश आकर प्रशिक्षण उपलब्ध कराएं। साथ ही विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों से डबल्यूएमपी ग्रुप को संबद्ध करने की दिशा में भी पहल होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यूके में वे अपने देश के अन्य प्रदेश के साथ मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों से भी मिले। उनसे आत्मीय संवाद हुआ। इस कैम्पस में पूरी दुनिया से विद्यार्थी पढ़ने के लिये आ रहे हैं। इस मॉडल को हम मध्यप्रदेश में भी लागू कर सकते हैं। इसके लिये यहाँ के विश्वविद्यालयों का मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू करायें। हम प्रयास करेंगे कि हमारे इंडस्ट्री के कैम्पस में भी ऐसे रिसर्च सेन्टर बने, जिनका लाभ सभी को मिले।

विश्वविद्यालय और औद्योगिक समूह समन्वित रूप से करें शोध को प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कई औद्योगिक समूह शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय को आत्म-निर्भर बनाने की दिशा में कार्य करते हुए उपयुक्त समूहों से समन्वय कर अपने परिसरों में शोध केंद्र स्थापित करने की दिशा में भी पहल करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कौशल विकास और शिक्षा के क्षेत्र में जारी बेस्ट प्रैक्टिसेज का मध्यप्रदेश में क्रियान्वयन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएमजी और मध्यप्रदेश का परस्पर संपर्क और विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों का आवागमन बना रहेगा।

दुनिया में अच्छाइयों को बांटते रहने से ही सबका होगा भला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं यहां सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक के रूप में आया हूं। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय सरस्वती देवी के समान हैं। इनका लाभ समूची मानवता को मिलना चाहिए। वर्तमान यांत्रिक युग में यंत्र का अपना महत्व है, परंतु यंत्र के पीछे तंत्र और तंत्र के पीछे मंत्र है। मन की सात्विकता यंत्रों को नियंत्रित करती है। मानव मात्र के कल्याण का संस्कार ही हमारा मूल भाव होना चाहिए। वैश्विक रूप से हम बहुत छोटी दुनिया में जी रहे हैं, ऐसे में यदि सभी देश अपनी अच्छाइयों को बांटते रहेंगे तो सबका भला होगा।

वार्विक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप, इंजीनियरिग में नवाचारों को प्रोत्साहित करने का श्रेष्ठ वैश्विक मॉडल

वार्विक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप, पब्लिक-प्राइवेट सेक्टर के मध्य परस्पर सहयोग से विज्ञान - इंजीनियरिंग में नवाचार को प्रोत्साहित करने और अकादमिक गतिविधियों को विस्तार देने का श्रेष्ठ वैश्विक मॉडल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह यात्रा भविष्य के युवा नेतृत्व को सशक्त करने और नवाचार एवं शिक्षा के क्षेत्र को विस्तार देने के राज्य सरकार के दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप से क्रियान्वित करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का डबल्यूएमपी पहुंचने पर डीन द्वारा पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ग्रुप की ओर से स्मृति-चिन्ह भी भेंट किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रुप के प्रो. रॉबिन क्लार्क को चंदेरी का अंगवस्त्रम भेंट कर उनका अभिवादन किया।

स्वामी नारायण संप्रदाय और इस्कॉन करेंगे प्रदेश में नये केंद्र निर्मित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लंदन यात्रा के दौरान भगवान स्वामी नारायण मंदिर जाने और स्वामी नारायण सम्प्रदाय तथा इस्कॉन के सदस्यों से भेंट का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मध्यप्रदेश में दो प्रमुख ज्योतिर्लिंग हैं, साथ ही प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में विभिन्न लोकों का निर्माण हो रहा है। स्वामी नारायण संप्रदाय और इस्कॉन भी मध्यप्रदेश में अपने नये केंद्र निर्मित करेंगे। उनकी धार्मिक मान्यताओं के आधार पर देव स्थानों की स्थापना से मंदिर संस्कृति और आध्यात्मिक संस्कारों का विस्तार होगा और प्रदेशवासियों को इन सम्प्रदायों से जुड़कर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

आईटी के क्षेत्र में आत्म-निर्भर हो रहा है मध्यप्रदेश”

आईटी पार्क: तकनीकी विकास और रोजगार के नये केन्द्र

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आईटी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। राज्य सरकार ने आईटी क्षेत्र में विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिये प्रमुख शहरों- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में आईटी पार्क की स्थापना की है। इन पार्कों में अत्याधनिक सुविधाओं और कंपनियों को प्रोत्साहन देकर रोजगार के नये अवसर पैदा किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में 5 आईटी स्पेशल इकॉनॉमिक जोन स्थापित हैं और 15 से ज्यादा आईटी पार्क बनाये गये हैं। इससे 1.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

आईटी पार्क, भोपाल

भोपाल के ग्राम बड़वई में 204 एकड़ भूमि पर आईटी पार्क स्थापित है जिसमें 78 कंपनियों को 109 भूखंड आवंटित किए गए हैं। इनमें से 12 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है और 48 कंपनियों ने निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। अब तक लगभग 1200 रोजगार सृजित हुए हैं।

आईटी पार्क, परदेशीपुरा (इंदौर)*

इंदौर के परदेशीपुरा में 5 एकड़ भूमि पर निर्मित 2 भवनों में 16 कंपनियां कार्यरत हैं, जिससे 600 नागरिकों को रोजगार मिला है। यहां इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा 48 करोड़ रुपये की लागत से आईटी भवन का विस्तार किया गया, जिससे 2500 नागरिकों को रोजगार मिला है। इससे भविष्य में 1000 और रोजगार के अवसर बनने की संभावना है।

आईटी पार्क, सिंहासा (इंदौर)

सिंहासा, इंदौर में 112 एकड़ भूमि पर विकसित आईटी पार्क में 32 कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है। यहां 5 एकड़ भूखंड पर निर्मित 80 हजार वर्गफीट भवन से 2000 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

आईटी पार्क, ग्वालियर*

ग्वालियर के मालनपुर में 20.76 एकड़ भूमि पर विकसित आईटी पार्क में 73 हजार वर्गफीट भवन बनाया गया है, जिसमें 250 लोगों को रोजगार मिला है। साथ ही, 75 एकड़ भूमि पर एक नए आईटी पार्क के विकास का प्रस्ताव है।

आईटी पार्क, जबलपुर

जबलपुर के ग्राम पुरवा में 63 एकड़ भूमि पर विकसित आईटी पार्क में 87 कंपनियों को 101 भूखंड आवंटित किए गए हैं। यहां 22 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है, जिससे लगभग 1700 नागरिकों को रोजगार मिला है।

इन आईटी पार्कों के जरिए मध्यप्रदेश तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ ही रोजगार सृजन और निवेश को प्रोत्साहन देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आयुष महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम के लिए, स्ट्रे वैकेन्सी राउण्ड-III काउंसिलिंग(स्टेट कोटा) की समय सारणी जारी

आयुष विभाग ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग एवं आयुष विभाग से प्रवेशानुमति प्राप्त शासकीय स्वशासी एवं निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी/प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम के लिए, स्ट्रे वैकेन्सी राउण्ड-III काउंसिलिंग(स्टेट कोटा) की समय सारणी जारी की है। शिक्षण सत्र 2024-25 की प्रवेश काउंसिलिंग के लिए भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग एवं राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग नई दिल्ली द्वारा समस्त प्रवर्ग/संवर्ग में न्यूनतम पर्सेंटाइल सीमा 15 प्रतिशत तक कम की गई है। नवीन न्यूनतम पर्सेंटाइल सीमा के आधार पर, रिक्त सीटों पर प्रवेश के अवसर प्रदान करने के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 1 अतिरिक्त चरण (स्ट्रे वैकेन्सी राउण्ड-III) के लिए समय सारणी जारी की गई है।

समस्त प्रवर्ग/संवर्ग में न्यूनतम पर्सेंटाइल सीमा के लिए वर्गवार नवीन पर्सेंटाइल सीमा निर्धारित की गई है। इसके अनुसार अनारक्षित एवं EWS वर्ग के लिए न्यूनतम 35 पर्सेंटाइल और अनारक्षित (दिव्यांग) एवं EWS (दिव्यांग) वर्ग के लिए न्यूनतम 30 पर्सेंटाइल निर्धारित किए गए है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रवेशार्थियों के लिए न्यूनतम 25 पर्सेंटाइल और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के दिव्यांग प्रवेशार्थियों के लिए भी न्यूनतम 25 पर्सेंटाइल निर्धारित किए गए हैं। उक्त न्यूनतम पर्सेंटाइल के आधार पर प्रवेशार्थियों को रिक्त सीटों पर पंजीयन का अवसर दिया जाएगा।

जारी समय सारणी के अनुसार NEET UG-2024 के पात्र उम्मीदवार 27 नवम्बर तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकेंगे। आवेदक अपने ऑनलाइन पंजीयन फॉर्म में 28 नवम्बर सायं 5 बजे तक संशोधन कर सकेंगे। आवेदक को अपने दस्तावेजों का सत्यापन 28 नवम्बर सायं 5 बजे तक संबंधित हेल्प सेंटर्स पर कराना होगा। स्नातक पाठ्यक्रम बीएएमएस/ बीएचएमएस/ बीयूएमएस/बीएनवायएस के लिए स्टेट कोटा के अंतर्गत रिक्त सीटों की स्थिति, पात्रताधारी अभ्यर्थियों की सूची एवं मेरिट सूची 29 नवम्बर को प्रकाशित होगी। अभ्यर्थी, महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (चॉइस फिलिंग) 2 से 3 दिसंबर तक कर सकेंगे। साथ ही चॉइस फिलिंग, लॉकिंग एवं एडिटिंग (संशोधन) की सुविधा भी 2 से 3 दिसंबर तक उपलब्ध रहेगी। अभ्यर्थियों की महाविद्यालयवार मेरिट सूची (1x10 के आधार पर) का प्रकाशन 4 दिसंबर को होगा। मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को 6 दिसंबर को प्रातः 9 बजे से अपराह्न 1.30 बजे तक महाविद्यालय में उपस्थिति दर्ज (रिपोर्टिंग) करनी होगी। महाविद्यालय में रिपोर्टेड अभ्यर्थियों की मेरिट सूची 6 दिसंबर को अपराह्न 2 बजे प्रकाशित होगी। अभ्यर्थी 6 दिसम्बर को अपरान्ह 2.30 बजे से सायं 7 बजे तक महाविद्यालय में अस्थाई प्रवेश ले सकेंगे।

पूर्व चरणों के प्रवेशित अभ्यर्थियों को छोड़कर शेष सभी पंजीकृत/सत्यापित अभ्यर्थी स्ट्रे वैकेन्सी राउण्ड-III के लिए पात्र होंगे। महाविद्यालय में रिपोर्टिंग के लिए निर्धारित समयावधि में उपस्थिति दर्ज न कराने की स्थिति में, प्रवेश के लिए कोई दावा स्वीकार्य नहीं होगा। महाविद्यालय में निर्धारित समयावधि में रिपोर्टेड अभ्यर्थियों की महाविद्यालय में पर्यवेक्षक की उपस्थिति में पुनः मेरिट जारी की जायेगी, जिसके आधार पर अभ्यर्थियों को ऑनलाइन प्रवेश प्रदान किया जायेगा। स्ट्रे वैकेन्सी राउण्ड-II की समाप्ति के पश्चात् आयुष महाविद्यालयों में सीटें रिक्त रहने अथवा अभ्यर्थी उपलब्ध होने की स्थिति में ही, स्ट्रे वैकेन्सी राउण्ड-III संपादित किया जाएगा। अभ्यर्थी काउंसलिंग के नियम/निर्देशों के लिए विभागीय वेबसाईट https://ayush.mp.gov.in एवं एमपी ऑनलाइन पोर्टल https://ayush.mponline.gov.in का सतत अवलोकन कर सकते हैं।

बहरीन पैरा ताइक्वांडो टीम में इंदौर की पिंकी दुबे ने भारत के लिए जीता कांस्य पदक

वर्ल्ड ताइक्वांडो के तत्वाधान में प्रथम विश्व पैरा ताइक्वांडो पुमसे चैम्पियनशिप के लिए भारतीय पैरा ताइक्वांडों की 16 सदस्यों की टीम बहरीन पहुंच गई है। इंदौर की पिंकी दुबे एवं सपना शर्मा टीम में शामिल है और पिंकी ने कांस्य मेडल जीता है। टीम के कोच इंदौर के ही मिथिलेश कैमरे है दिव्यांगों की विश्व पैरा ताइक्वांडों चैम्पियनशिप में ईरान, इराक, ब्राजील, पोलैंड, कजाकिस्तान सहित अन्य 14 देशों के पैरा कैटेगरी मूक बधिर, शारीरिक दिव्यांग, बोनापन, सेरेब्रल पाल्सी के 256 दिव्यांग खिलाड़ी भाग ले रहे है। 10 दिव्यांग भारतीय टीम में पी40, शारीरिक दिव्यांगता में 8 खिलाड़ी पी50, तथा व्हीलचेयर केटेगरी में मुख्य रूप से सपना शर्मा, पिंकी दुबे भाग ले रहे है। भारतीय टीम चिकित्सक डॉ. शांता पूर्णपत्री, मैनेजर प्रवीण एस, इंडिया टीम कोच मिथिलेश कैमरे, सुजीत बघेल, बीना बरोडा टीम के साथ है। मध्यप्रदेश टीम को इस प्रतियोगिता में सम्मिलित होने में वित्तीय सहायता कलेक्टर इंदौर श्री आशीष सिंह द्वारा प्राप्त हुई है। गौरतलब है मध्य प्रदेश में पहली बार इंडिया टीम के कोच के रूप में मिथिलेश कैमरे को नियुक्त किया गया। श्री कैमरे ने राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाते हुए इंदौर सहित प्रदेश के सैकड़ों खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए तैयार किया है। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई दिए।

यूरेशियन समूह आभासी परिसंपत्तियों के मुद्दे पर दे रहा है विशेष ध्यान

ईएजी के चेयरमेन तथा एफआईयू रशिया के डायरेक्टर श्री यूरी चिखानचिन

ईएजी के चेयरमेन तथा एफआईयू रशिया के डायरेक्टर श्री यूरी चिखानचिन ने इंदौर में चल रही मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए यूरेशियन समूह की 41वीं प्लेनरी बैठक और कार्यकारी समूह की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यूरेशियन समूह द्वारा आभासी परिसंपत्तियों के मुद्दे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निरंतर वित्तीय नवाचार धोखाधड़ी, धन शोधन, आतंकवाद के वित्तपोषण और बाजार में हेरफेर की नई संभावनाएं पैदा कर रहा है, इसलिए सरकारों को ऐसे अपराधों की पहचान करने और उनका मुकाबला करने के लिए नए उपकरणों की आवश्यकता है। रोकथाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि आतंकवादी खतरा बढ़ रहा है तथा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद समाजों और उनकी सुरक्षा के लिए एक प्रमुख चुनौती बना हुआ है।

श्री यूरी चिखानचिन ने कहा कि हम डिजिटल-संचालित नवाचार प्रौद्योगिकी की दुनिया में रहते हैं। बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग आधुनिक वित्तीय क्षेत्र का अभिन्न अंग बन गए हैं। साथ ही ये कारक एक बहुत ही विशेष और गतिशील जोखिम परिदृश्य बनाते हैं। उदाहरण के लिए आधुनिक सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को मादक पदार्थों के तस्करों द्वारा लालच से अपनाया जाता है क्योंकि वे अपने माल को बेचने के लिए डार्कनेट और मैसेजिंग ऐप चैनलों का उपयोग करते हैं और अपने पैसे को इधर-उधर करने के लिए क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करते हैं। आधुनिक वित्तीय पिरामिड धोखाधड़ी भी ज्यादातर ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर आधारित है जो उभरती हुई तकनीक को पारगमन श्रृंखलाओं को तोड़कर गलत तरीके से अर्जित लाभ की वास्तविक प्रकृति को छिपाने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल आतंकवादी हमलों और भ्रष्ट अधिकारियों की साजिशों के वित्तपोषण में तेजी से किया जा रहा है। यही कारण है कि यूरेशियन समूह आभासी परिसंपत्तियों के मुद्दे पर विशेष ध्यान दे रहा है। इस वर्ष, हमारे पर्यवेक्षी मंच और अंतर्राष्ट्रीय अनुपालन परिषद ने आभासी परिसंपत्ति पर विचार किया है, संबंधित विषयों पर चर्चा की गई तथा पिछले पूर्ण अधिवेशन के दौरान हमने ईएजी सदस्य देशों के संसदीय फोरम में अपने सांसदों के समक्ष नवाचार और उभरती वित्तीय प्रौद्योगिकी से उत्पन्न जोखिमों के कानूनी विनियमन का मुद्दा उठाया था। उन्होंने एशिया-प्रशांत समूह के सहयोगियों को इन प्रारूपों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि इससे सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जा सकेगा और इन जोखिमों से निपटने के लिए सामूहिक रूप से शमन उपायों को अपनाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि निरंतर वित्तीय नवाचार धोखाधड़ी, धन शोधन, आतंकवाद के वित्तपोषण और बाजार में हेरफेर की नई संभावनाएं पैदा कर रहा है, इसलिए सरकारों को ऐसे अपराधों की पहचान करने और उनका मुकाबला करने के लिए नए उपकरणों की आवश्यकता है। रोकथाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि आतंकवादी खतरा बढ़ रहा है तथा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद समाजों और उनकी सुरक्षा के लिए एक प्रमुख चुनौती बना हुआ है। न्यूरल नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डाटा माइनिंग में नवीनतम प्रगति वित्तीय निगरानी में रोजमर्रा की बात बन गई है, इसलिए एफआईयू, लेन-देन करने वालों के वित्तीय व्यवहार में विसंगतियों की पहचान करके, विशेष रूप से आतंकवाद के संदर्भ में अपने जोखिमों का आकलन करने के एक नए स्तर पर पहुंच गए हैं। बड़े डेटा के स्वचालित प्रसंस्करण के लिए अधिक समाधान पर्यवेक्षी और कानून प्रवर्तन प्राधिकरणों के साथ-साथ वित्तीय खुफिया इकाइयों और निजी क्षेत्र में भी अपना रास्ता तलाश रहे हैं। इस संदर्भ में मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि इस चर्चा ने विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के एक विविध समूह को एक साथ लाया है। बैंक, गैर-बैंकिंग संस्थान, फिनटेक, नियामक और एफआईयूएस एक साझा सूचना स्थान के माध्यम से ज्ञान संवर्धन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने इस आयोजन के लिये श्री विवेक अग्रवाल के प्रयासों की प्रशंसा की।

मुख्य सचिव से आईपीएस अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की

मंत्रालय में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन से मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में प्रशिक्षणरत वर्ष 2022 एवं 2023 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के 11 अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। मुख्य सचिव श्री जैन ने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त करने के बाद उनसे भविष्य में पुलिस अधिकारी के रूप में कार्य करने की योजनाएं पूछीं। श्री जैन ने आमजन की शासन से अपेक्षाएं और अधिकारियों द्वारा ईमानदारी से उन्हें पूर्ण किए जाने, नई तकनीकों से हमेशा अपडेट रहने के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्य सचिव ने सभी पुलिस अधिकारियों को एक अच्छे और लगनशील अधिकारी के रूप में अलग पहचान स्थापित करने के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, मप्र पुलिस अकादमी श्री मलय जैन एवं कोर्स समन्वयक श्री अनिल सिंह, उप पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित थें।

ग्वालियर में सिकंदर कम्पू पर बनेगा 132/33 केव्ही विद्युत वितरण उप केन्द्र : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री ने विद्युत उपभोक्ताओं से किया सोलर पैनल लगवाने का आव्हान

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर में विद्युत वितरण व्यवस्था तथा वोल्टेज की समस्या को दूर करने के लिए 132/33 केव्ही के नवीन विद्युत वितरण केन्द्र की मंजूरी का ऐलान किया। उन्होंने प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं से पीएम सूर्य घर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि 3 किलोवाट के सोलर पैनल से हम सालाना 2500 से 3000 रुपए की बचत कर सकते हैं। उन्होंने गुजरात दौरे के अनुभव साझा किया। श्री तोमर ने कहा गुजरात के लोगों में बिजली के सदुपयोग और समय पर बिजली के बिलों को जमा करने की आदत है। ऐसी ही आदत हम मध्यप्रदेश में भी विकसित करें, ताकि बिजली कंपनियों की योजनाओं का लाभ ले सकें। समय पर बिजली बिल जमा करने से बिजली व्यवस्था सुदृढ़ होगी और सरकारी योजनाओं का लाभ हर परिवार तक पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि गुजरात की विद्युत वितरण कम्पनी ने 1200 करोड रुपए की छूट का लाभ समय पर बिजली खरीदी का बिल अदा कर हासिल किया। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना में सोलर पैनल लगवाने पर 3 किलोवाट तक के लिए डेढ़ लाख तक का खर्च आता है। इस पर 70 हजार रुपए शासन सब्सिडी देता है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता ढाई साल की अवधि में ही इस पर खर्च होने वाली धनराशि की भरपाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल आर्थिक बचत करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी आपकी भागीदारी सुनिश्चित करेगी। उन्होंने दोहराया कि आपका सुरक्षित भविष्य, हमारी प्राथमिकता है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा ग्वालियर शहर में वोल्टेज की समस्या को दूर करने के लिए 132/33 केव्ही विद्युत वितरण उप-केन्द्र बनाया जाएगा, जिसके लिए भूमि चयन की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि बिलौआ में विद्युत वितरण उप-केन्द्र के लिए टेंडर मांगे गए हैं। सिकंदर कम्पू में 132/33 केव्ही विद्युत वितरण उप-केन्द्र को मंजूरी दे दी गई है। इसी तरह आने वाले दिनों में शताब्दीपुरम में 132/33 केव्ही का विद्युत वितरण उप-केन्द्र भी बनाया जाएगा। जिसमें 15 किमी लंबी ट्रांसमिशन लाइन और फीडर वे का निर्माण भी शामिल है। यह कदम क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को मजबूत बनाते हुए, निर्बाध और विश्वसनीय ऊर्जा सेवाएं सुनिश्चित करेगा।

प्रदेश के विकास में उद्यानिकी का भी महत्वपूर्ण योगदान

देश और प्रदेश की उन्नति सर्वोपरि है। इसके लिए किसानों को आर्थिक दृष्टि से सशक्त करना आवश्यक है, जिससे किसान संपन्न हो सकें और देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा सकें। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि किसी भी देश या प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक विकास की गति किसानों के उत्थान से ही संभव हो सकती है। इसके लिए प्रदेश के विकास में उद्यानिकी भी महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। इसके लिये नवाचार और तकनीकी सुधार किये जा रहे है। देश के 10% क्षेत्रफल वाले राज्य मध्यप्रदेश में देश की लगभग 7% आबादी निवास करती है। यहां 11 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों का उत्पादन किया जाता है। राज्य की कृषि उपज में विविधता मुख्यतः नर्मदा नदी और उसकी सहायक नदियों पर निर्भर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में वर्तमान सरकार परिणाम देने वाली नीतियों के माध्यम से उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में नवाचार और प्रगति के नए अध्याय लिख रही है।

मध्यप्रदेश में उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, उद्यानिकी फसलें किसानों की आय को आसानी से दोगुना करने में सहायक होती हैं। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा खाद्य प्र-संस्करण की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। किसानों को उद्यानिकी फसलों की खेती और खाद्य प्र-संस्करण के नए तरीकों से अवगत कराया जा रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में देश में अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। प्रदेश संतरा, धनिया मसाले तथा औषधीय एवं सुगंधीय पौधे उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। इसके अतिरिक्त प्रदेश टमाटर, लहसुन, हरी मटर, अमरूद ,फूल गोभी, मिर्च एवं प्याज उत्पादन में दूसरे तथा नीबू वर्गीय फल, लाल मिर्च, बंद गोभी एवं फूल उत्पादन में तीसरे स्थान पर है ।

राज्य में उद्यानिकी का रकबा बढ़कर लगभग 27 लाख हेक्टेयर हो गया है। राज्य सरकार की नीतियों से प्रदेश में उद्यानिकी के प्रति किसानों का रुझान बढ़ा है। इस कारण रकबा 2019-20 में 21.75 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 2023-24 में 26.51 लाख हेक्टेयर हो गया है। लगभग 23.72 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्पादन भी लगभग 27 फीसदी बढ़ा है। वर्ष 2019-20 में जो उत्पादन 317.36 लाख मी. टन था, जो बढ़कर अब 404.24 लाख मी. टन हो गया है।

किसानों को उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग द्वारा फूड प्रोसेसिंग इकाईयाँ स्थापित करने के लिए अनुदान दिया जाता है। सरकार से अनुदान लेकर किसान फूड प्रोसेसिंग इकाईयाँ स्थापित कर सकते हैं। साथ ही अनुदान के आधार पर किसान छोटे, मध्यम और बड़े कोल्ड स्टोर भी स्थापित कर सकते हैं। खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अपने समृद्ध कृषि संसाधन और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति का उपयोग कर, 8.3% की औसत /वार्षिक दर से बढ़ रहा है, जो देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है. उद्यानिकी उत्पादों के सुरक्षित भंडारण के लिए 21530.26 लाख रुपए की अनुदान सहायता से 183 कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कर 8.05 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता विकसित की गई है। वहीं प्याज भंडारण के लिए 23667.71 लाख रुपए का अनुदान देकर 66500 मीट्रिक टन भंडारण क्षमता किसानों के खेतों पर निर्मित की गई है।प्रदेश में बागवानी को शिखर पर ले जाने के प्रयासों में राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (पी. एम.एफ.एम.सी.) पर ड्रॉप मोर क्रॉप (पी.पी.एम. सी), एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एम. आई.डी.एच.) एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाय.) के तहत वर्ष 2024-25 में 528 करोड़ 91 लाख रुपए की कार्ययोजना मंजूर की गई है। राज्य में उद्यानिकी उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए 16 विभिन्न बागवानी उत्पादों को जी.आई. टैग के लिए पंजीयन कराया गया है।

सूक्ष्म सिंचाई द्वारा राज्य में 14 हजार 900 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर लगाए गए हैं, जिसमें लगभग 12 हजार 790 हितग्राहियों को 114 करोड़ 76 लाख रुपए का अनुदान दिया गया है। इजराइल तकनीक के समन्वय से प्रदेश में मुरैना में उच्च गुणवत्ता वाली सब्जी के लिए, छिंदवाड़ा में नींबूवर्गीय फसलों के लिए तथा हरदा में निर्यात करने लायक आम एवं सब्जी सेन्टर की स्थापना की जाएगी, जिसके लिए 14 करोड़ 74 लाख की योजना का अनुमोदन किया गया है।

प्रदेश सरकार की नई पहल ई-नर्सरी पोर्टल से घर, गार्डन या खेतों में उत्तम गुणवत्ता के पौधे लगाने के लिये, अच्छे और स्वस्थ पौध के लिये अब नर्सरी के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। उद्यानिकी विभाग द्वारा ई-नर्सरी पोर्टल पर 300 से अधिक नर्सरियों की जानकारी ऑनलाईन उपलब्ध करवाई गई है। इससे पौधों का क्रय-विक्रय आसानी से किया जा सकता है।

24 बागवानी उत्पाद जिनकी खेती आमतौर पर राज्य भर में की जाती है, जिनमें कोदो-कुटकी, बाजरा, संतरा/नींबू, सीताफल, आम, टमाटर, अमरूद, केला, पान, आलू, प्याज, हरी मटर, मिर्च, लहसुन अदरक, धनिया, सरसों, गन्ना, आंवला और हल्दी शामिल हैं। छिंदवाड़ा, आगर-मालवा, शाजापुर, राजगढ़, मंदसौर, बैतूल और सीहोर जैसे जिले संतरे के उत्पादन के लिए जाने जाते हैं जो संतरे के प्र-संस्करण उद्योग स्थापित करने के लिए आदर्श हैं। इसी तरह बैतूल, कटनी, अनूपपुर, रीवा, सिंगरौली और रायसेन जिले जो आम की खेती के लिए प्रसिद्ध हैं, वहां कई आम आधारित खाद्य प्र-संस्करण उद्योग हैं जो स्थापित होने के विभिन्न चरणों में हैं।

मध्यप्रदेश उद्यानिकी विभाग को उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार एवं प्रशंसा-पत्र भी प्राप्त हुए हैं। जुलाई 2024 को प्रगति मैदान नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एग्री एवं हार्टी एक्सपो-2024 में उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग मध्यप्रदेश को सर्वोत्तम बागवानी पद्धतियों और सब्जियों एवं ताजे फलों को बढ़ावा देने के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। एमपीएफएसटीएस पोर्टल के संचालन के लिए वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर स्कॉच पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय कृषि तथा उद्यानिकी एक्सपो-2023 में 'एक्सीलेंस अवॉर्ड, नेशनल ओडीओपी अवॉर्ड सेरेमनी-2023 में प्रदेश के बुरहानपुर जिले को केला उत्पादन तथा प्र-संस्करण में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। वहीं वर्ष 2022-23 में 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के तहत बेहतर क्रियान्वयन के लिए उद्यानिकी विभाग को स्कॉच अवार्ड प्राप्त हुआ।प्रदेश में फसल क्षेत्र का विस्तार और उत्पादन में सुधार के लिए उच्च गुणवत्ता वाले पौधों और उन्नत बीजों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। उत्पादन के पहले और बाद में प्रबंधन तकनीकों के जरिए फसल की गुणवत्ता और उत्पादन को बेहतर बनाना, फसल के उचित मूल्य के लिए खाद्य प्र-संस्करण और विपणन के साधनों में सुधार, अत्याधुनिक कृषि तकनीकों के जरिए संरक्षित खेती को बढ़ावा देना, किसानों को तकनीकी और वित्तीय समर्थन एवं कृषि और संबंधित क्षेत्रों में सार्वजनिक और निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए समन्वय करना आदि चहुँमुखी प्रयासों से उद्यानिकी विभाग द्वारा कृषकों को अधिकतम लाभ पहुँचाने और आमदनी दोगुनी करने का कम कर रही है।

गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये,गत वर्ष से 150 रूपये अधिक

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिये गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2425 रूपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपये अधिक है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने किसान भाईयों से आग्रह किया है कि अधिकाधिक क्षेत्र में गेहूं की बुवाई करें और बढ़ी हुई एमएसपी से अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करें।रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिये अब किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये विभाग द्वारा तैयारी प्रारम्भ कर दी गई है। इसके अंतर्गत गेहूं उपार्जन के लिए बारदाना, भंडारण, परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही भारत सरकार द्वारा निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड के गेहूं उपार्जन के लिए केन्द्रों पर मैकेनाइज्ड क्लीनिंग व्यवस्था की जाएगी। गेहूं की गुणवत्ता के परीक्षण के लिये सर्वेयर को सघन प्रशिक्षण दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विगत वर्ष 6 लाख 16 हजार किसानों द्वारा 48 लाख 38 हजार मीट्रिक टन गेहूं का विक्रय समर्थन मूल्य पर किया गया। गेहूं उपार्जन के लिये किसानों की सुविधानुसार कुल 3694 उपार्जन केन्द्र स्थापित किए गए। उपार्जित गेहूं के परिवहन, हैण्डलिंग एवं किसानों के शीघ्र भुगतान के लिये 2199 उपार्जन केन्द्र गोदाम स्तर पर स्थापित किए गए। शेष 1495 उपार्जन केन्द्र समिति स्तर पर स्थापित किए गए। किसानों के आधार लिंक बैंक खाते में समर्थन मूल्य राशि के सीधे भुगतान की व्यवस्था की गई थी।

दिव्यांग प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री श्री कुशवाह

ग्वालियर सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने मंगलवार को ग्वालियर में इंटर स्टेट वुमन ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट का उदघाटन किया। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांग प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है। सरकार द्वारा दिव्यांग खिलाड़ियों को हर संभव खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। मंत्री श्री कुशवाह ने टूर्नामेंट में भाग ले रहीं क्रिकेट टीम के सदस्यों से परिचय प्राप्त कर उन्हें प्रोत्साहित किया। ग्वालियर के एलएनआईपीई क्रिकेट मैदान पर मध्यप्रदेश की क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित प्रतियोगिता 03 दिसंबर तक चलेगी। इसमें गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की टीमें हिस्सा ले रहीं हैं। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर अध्यक्ष क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा, श्री अतुल अतरौली, श्री एस.के. अग्रवाल सहित अतिथियों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया एवं मैच का आनंद लिया।

अब किसान फसल की जानकारी MPKISAN App के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे

"मेरी गिरदावरी- मेरा अधिकार" में अब किसान निश्चिंत होकर अपनी फसल की जानकारी MPKISAN App के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे।

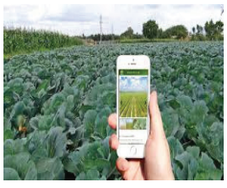

इस जानकारी का उपयोग फसल हानि, न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना, भावांतर योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि ऋण में किया जायेगा। किसान की इस जानकारी का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं पटवारी से सत्यापन होगा। मेरी गिरदावरी-मेरा अधिकार में किसान को यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई है कि वे अपने खेत से ही स्वयं फसल की जानकारी एमपीकिसान एप पर दर्ज कर अपने आप को रजिस्टर सकते हैं। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान एप पर लॉगिन कर फसल स्व-घोषणा, दावा आपत्ति ऑप्शन पर क्लिक कर अपने खेत को जोड़ सकते हैं। खाता जोड़ने के लिये प्लस ऑप्शन पर क्लिक कर जिला/तहसील/ग्राम/खसरा आदि का चयन कर एक या अधिक खातों को जोड़ा जा सकता है। खाता जोड़ने के बाद खाते के समस्त खसरा की जानकारी एप में उपलब्ध होगी। उपलब्ध खसरा की जानकारी में से किसी भी खसरे पर क्लिक करने पर ए आई के माध्यम से जानकारी उपलब्ध होगी। किसान के सहमत होने पर एक क्लिक से फसल की जानकारी को दर्ज किया जा सकेगा। संभावित फसल की जानकारी से असहमत होने पर खेत में बोयी गई फसल की जानकारी खेत में

अब तक 5 लाख 10 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने कराई ई-केवायसी

अब "उपाय" ऐप के जरिए भी करा सकेंगे केवायसी

राज्य शासन की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेने के लिए बिजली उपभोक्ताओं को ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के "उपाय" ऐप के जरिए भी ईकेवायसी करा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप डाउनलोड कर बिजली उपभोक्ता समग्र केवायसी में अपना उपभोक्ता क्रमांक एवं समग्र क्रमांक दर्ज करके बाद लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज कर केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। अब तक 05 लाख 10 हजार 360 उपभोक्ताओं ने सफलतापूर्वक केवायसी करा ली है। कंपनी ने बताया है कि नर्मदापुरम ग्रामीण में 65 हजार 335, बैतूल ग्रामीण में 75 हजार 961, राजगढ़ ग्रामीण में 31 हजार 099, शहर वृत्त भोपाल में 38 हजार 747, भोपाल ग्रामीण में 34 हजार 181, गुना ग्रामीण में 29 हजार 602, विदिशा ग्रामीण में 37 हजार 157, सीहोर ग्रामीण में 19 हजार 752, ग्वालियर ग्रामीण में 19 हजार 513, शहर वृत्त ग्वालियर में 25 हजार 835, अशोकनगर ग्रामीण में 13 हजार 591, दतिया ग्रामीण में 18 हजार 574, रायसेन ग्रामीण में 36 हजार 384, शिवपुरी ग्रामीण में 18 हजार 477, हरदा ग्रामीण में 15 हजार 257, श्योपुर ग्रामीण में 08 हजार 313, मुरैना ग्रामीण में 14 हजार 889 एवं भिण्ड ग्रामीण में 07 हजार 693 बिजली उपभोक्ताओं की केवायसी की गई है।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी

कार्यक्षेत्र के जिलों के बिजली उपभोक्ताओं के बिजली संबंधी व्यक्तिगत विवरण को कंपनी के रिकार्ड में अपडेट करने के लिए नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया शुरू की है। कंपनी द्वारा नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया के तहत बिजली उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे समग्र आईडी, मोबाइल नंबर एवं बैंक खाता इत्यादि की जानकारी को अपडेट किया जा रहा है। नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया से बिजली उपभोक्ताओं को जहां राज्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकेगा वहीं दूसरी ओर प्रणाली में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही केवायसी से वास्तविक उपभोक्ताओं के विद्युत संयोजन एवं उनके भार की स्थिति का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे कंपनी कार्यक्षेत्र में विद्युत संरचनाओं के भविष्य में विस्तार की योजना बनाने में आसानी होगी तथा कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की सही पहचान और मोबाइल नंबर को सटीक रूप से टैग करने में मदद मिलेगी। इससे कंपनी की सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

विधानसभा भवन के आसपास के क्षेत्रों में 7 से 19 फरवरी तक लागू रहेगी धारा 144

पुलिस आयुक्त, भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्रा ने मध्यप्रदेश विधानसभा सत्र द्वितीय सत्र 07 फरवरी से 19 फरवरी 2024 के दौरान दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए विधानसभा भवन के आसपास के क्षेत्रों में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

1/- किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पांच या इससे अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे। इस प्रकार एकत्रित भीड़ गैर कानूनी भीड़ समझी जाएगी।1.1/ कोई व्यक्ति किसी जुलूस/प्रदर्शन का न तो निर्देशन करेगा और न उसमें भाग लेगा और न ही कोई सभा आयोजित करेगा। 1.2/ कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर शस्त्र, लाठी, डण्डा, भाला, पत्थर, चाकू, अन्य धारदार हथियार या आग्नेय शस्त्र साथ लेकर नहीं चलेगा।1.3/ सत्रावधि के दौरान विधानसभा परिसर के 5.00 किलोमीटर की परिधि में भारी वाहन जैसे- ट्रक, ट्रेक्टर-ट्राली, डम्फर एवं धीमी गति से चल यातायात बाधित करने वाले तांगा, बैल-गाड़ी इत्यादि के आवागमन पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।1.4/ कोई व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जिसके फलस्वरूप शिक्षण संस्थाओं, होटल, दुकान, उद्योग एवं निजी अथवा सार्वजनिक सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हो । 1.5/ यह आदेश ड्यूटी पर कार्यरत शासकीय कर्मचारियों/अधिकारियों पर लागू नहीं होगा।2/- यह आदेश 07 फरवरी, 2024 से 19 फरवरी, 2024 तक प्रातः काल 06:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक अथवा विधानसभा सत्र का सत्रावसान/स्थगित होने तक, जो पहले हो, निम्नलिखित मार्ग/क्षेत्रों में प्रभावशील रहेगा :-2.

1/ लिली टॉकीज से 7 बटालियन के सामने वाला मार्ग, एम.

व्ही. एम. कॉलेज, एयरटेल तिराह से रोशनपुरा पहुंचने वाला मार्ग ।

2.2/ बाणगंगा चौराहा से जनसंपर्क कार्यालय से लोअर लेक मार्ग से राजभवन से ओल्ड विधानसभा चौराहा की ओर जाने वाला मार्ग।2.3/ जिंसी चौराहा से पुराना सी. आई.डी. रेल अधीक्षक कार्यालय से शब्बन चौराहा होते हुए पुरानी जेल की ओर जाने वाला मार्ग।2.4/ स्लाटर हाउस रोड, मैदामिल से बोर्ड ऑफिस चौराहा ।

.5/ झरनेश्वर मंदिर चौराहे से ठण्डी सड़क, ठण्डी सड़क से 74 बंगले के सबसे ऊपर वाली सड़क से होते हुए रोशनपुरा चौराहा ।2.6/ पॉलिटेकनिक रोड/दूरदर्शन रोड भारत भवन रोड से माननीय मुख्यमंत्री निवास तक ।2.7/ नवीन विधानसभा क्षेत्र से राजभवन क्षेत्र, मुख्यमंत्री निवास क्षेत्र, रोशनपुरा चौराहा से पत्रकार भवन एवं राजभवन की ओर जाने वाले समस्त मार्ग, विधायक विश्राम गृह के सामने वाला रोड, मैदा मिल सड़क के उपर का समस्त क्षेत्र, बोर्ड ऑफिस चौराहा, 74 बंगला, ओमनगर, वल्लभ नगर का समस्त झग्गी क्षेत्र, पत्रकार भवन, नवीन विधानसभा की ओर पहुंचने वाली सड़क, सतपुडा भवन,विन्ध्यांचल भवन, बल्लभ भवन एवं अरेरा एक्सचेंज का क्षेत्र नीलम पार्क थाना जहांगीराबाद, शाहजहाँनी पार्क थाना तलैया, अम्बेडकर पार्क थाना टी टी नगर, चिनार पार्क थाना एम० पी० नगर। 3/- इस आदेश के प्रभावशील रहने की अवधि के दौरान कोई भी व्यक्ति प्रतिबंधित क्षेत्रों में आम सभा, पुतला दहन, धरना प्रदर्शन, आंदोलन, रैली नहीं करेगा। 4/- यह आदेश विवाह समारोह, बारात तथा शवयात्रा पर प्रभावशील नहीं रहेगा।

5/- इस आदेश का उल्लंघन करने वाला व्यक्ति भा० द० वि० की धारा 188 के अंतर्गत दण्ड के भागी होंगे।

6/- यह आदेश सर्वसाधारण को संबोधित है और चूंकि वर्तमान परिस्थितियों में जन-साधारण को इसकी सूचना समयाभाव के कारण देना संभव नहीं है। अतः द०प्र०स० की धारा 144 (2) के अंतर्गत एक पक्षीय आदेश पारित किया जाता है। आदेश से व्यक्ति व्यक्ति दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत अधोहस्ताक्षरकर्ता के संतुष्ट होने पर आवेदक को किसी भी लागू शर्तों से छूट दे सकेगा।

जींद और सोनीपत के बीच चलेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, RDSO ने जारी की पहली तस्वीर

अब तक सिर्फ जर्मनी, स्विट्जरलैंड और चीन में हाइड्रोजन फ्यूल वाली ट्रेन बनी है, लेकिन कहीं भी बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो पाई. सिर्फ जर्मनी में यह ट्रेन चल रही है जिसमें सिर्फ दो कोच लगे हैं. अब तक सिर्फ जर्मनी, स्विट्जरलैंड और चीन में हाइड्रोजन फ्यूल वाली ट्रेन बनी है, लेकिन कहीं भी बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो पाई. सिर्फ जर्मनी में यह ट्रेन चल रही है जिसमें सिर्फ दो कोच लगे हैं.

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन बनकर तैयार हो चुकी है. इसका ट्रायल भी किया जा चुका है और जल्दी ही यह ट्रेन आम यात्रियों के लिए चलाई जाएगी. यह जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी. उन्होंने बताया कि हाइड्रोजन ट्रेन की पहली तस्वीर आरडीएसओ ने जारी कर दी है. इस ट्रेन को आरडीएसओ ने ही डिजाइन किया है, जिसे इंटिग्रल कोच फैक्ट्री चेन्नई में बनाया गया.

110 किलोमीटर की रफ्तार से चलेगी हाइड्रोजन ट्रेन

RDSO के निदेशक उदय भोरवनकर ने बताया कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच चलेगी. उम्मीद है कि यह ट्रेन मार्च-अप्रैल 2025 तक चलने लगेगी. इस ट्रेन में आठ कोच होंगे, जो 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी.

कैसा होगा इंटरनल तकनीकी स्ट्रक्चर?

हाइड्रोजन ट्रेन में हाइड्रोजन के लिए कंपार्टमेंट लगे होंगे और इसे फ़्यूल में कन्वर्ट करने के लिए 4 बैटरियां भी लगी होंगी. खास बात है कि दुनिया के कई देशों में रोड ट्रांसपोर्ट में तो हाइड्रोजन फ्यूल सफल है, लेकिन रेल ट्रांसपोर्ट में इसका सफल प्रयोग नहीं हो पाया है. हाइड्रोजन ट्रेन के इंटरनल डिजाइन की बात करें तो ड्राइवर डेस्क के पीछे कंट्रोल पैनल होगा, जिसके पीछे 210 किलोवॉट की बैटरी लगी होगी. इसके बाद फ्यूल सेल और उसके पीछे हाइड्रोजन सिलेंडर कास्केड-1, 2 और 3 होगा. इसके बाद फिर फ़्यूल सेल होगा. आखिर में 120 किलोवॉट की बैटरी लगी होगी.

दुनिया में अपनी तरह की पहली ट्रेन

गौर करने वाली बात यह है कि अब तक सिर्फ जर्मनी, स्विट्जरलैंड और चीन में हाइड्रोजन फ्यूल वाली ट्रेन बनी है, लेकिन कहीं भी बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो पाई. सिर्फ जर्मनी में यह ट्रेन चल रही है जिसमें सिर्फ दो कोच लगे हैं. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बड़ी बात यह है कि हम इस टेक्नोलॉजी पर मास्टरी करना चाहते हैं, क्योंकि अब तक दुनिया में यह कहीं भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल नहीं हो पाई है. जर्मनी, स्विट्जरलैंड और चीन ने प्रयास किया, पर उस स्तर पर सफल नहीं हो पाए. बाकी देशों में 1000 हॉर्स पावर तक की ट्रेन तैयार की गई, जबकि हम 1200hp पर काम कर रहे हैं. हम चाहते हैं कि देश में बोट, टग बोट (शिप को खींचने वाले) और ट्रक में भी इसका इस्तेमाल हो.

नमो ग्रीन रेल होगा ट्रेन का नाम?

बता दें कि आरडीएसओ ने इस ट्रेन का फिलहाल नमो ग्रीन रेल रखा है. हालांकि, अश्विनी वैष्णव का कहना है कि अभी हाइड्रोजन ट्रेन का कोई नाम नहीं रखा गया है. जब इसके बारे में ऐलान किया जाएगा, तभी ट्रेन का नाम भी रखा जाएगा. यह ट्रेन जनवरी में चलेगी या मार्च में, फिलहाल नहीं कहा जा सकता. हालांकि, यह तय है कि इस ट्रेन को जल्द ही चलाया जाएगा.

सांप काटने के मामलों को लेकर केंद्र का बड़ा फैसला, राज्यों से भी की ये अपील

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से सर्पदंश को सूचित करने योग्य बीमारी घोषित करने की अपील है. इसके अलावा सभी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए ऐसे मामलों और मौत की सूचना देना अनिवार्य कर दिया है. केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे पत्र में कहा है कि सर्पदंश की घटनाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय हैं और कुछ मामलों में ये मृत्यु, रुग्णता और विकलांगता का कारण बनती हैं.

केंद्र ने राज्यों से किया अनुरोध

केंद्र ने राज्यों से अनुरोध किया है कि वे सर्पदंश को राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य कानूनों या अन्य मान्य कानूनों के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत 'सूचित करने योग्य रोग' घोषित करें, ताकि सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं (मेडिकल कॉलेजों सहित) के लिए सर्पदंश के हर संदिग्ध, संभावित मामले और उससे हुई मृत्यु की रिपोर्ट करना अनिवार्य हो जाए. पत्र में कहा गया है कि इस सिलसिले में अन्य लोगों के अलावा किसान और आदिवासी आबादी भी अधिक जोखिम में हैं.

केंद्र सरकार ने शुरू की योजना

सर्पदंश के मामलों से निपटने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक बड़ा कदम भी उठाया है. मंत्रालय ने भारत में 2030 तक सर्पदंश के जहर की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना भी लांच की है. इस योजना का उद्देश्य 2030 तक सर्पदंश से होने वाली मौतों की संख्या को आधा करना है.

भारत में होती हैं 50 हजार मौतें

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, हर साल पूरी दुनिया में सर्पदंश की 54 लाख घटनाएं होती हैं. इसमें अकेले एशिया में हर साल सांप के काटने और जहर देने के 20 लाख मामले सामने आते हैं. वहीं, बांग्लादेश, भारत, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका में दुनियाभर में सर्पदंश से होने वाली मौतों के 70 प्रतिशत मामले देखने को मिलते हैं. भारत में हर साल सर्पदंश से 50 हजार लोगों की मौत होती है.

बदमाशों पर एक रुपये का इनाम, इंदौर पुलिस ने पूरे शहर में लगवाए पोस्टर

इंदौरः अपराधियों का मनोबल तोड़ने के लिए पुलिस ने दो बदमाशों की गिरफ्तारी पर एक-एक रुपये का इनाम रखा है। पुलिस ने बदमाशों के फोटो सहित पोस्टर छपवा कर घर और पूरे क्षेत्र में चिपका दिए है। दोनों अपराधियों पर कई प्रकरण दर्ज है और गवाहों को धमकाने के मामले में फरार चल रहे है।

गवाह को धमका रहा था आरोपित

डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीना के मुताबिक आरोपित तबरेज उर्फ गबरू निवासी जुना रिसाला और सौरभ उर्फ बिट्टू गौड़ निवासी कृष्णबाग कालोनी है। तबरेज सदर बाजार थाना क्षेत्र से फरार है। उसने कुछ दिनों पूर्व समीउद्दीन पर हमला कर दिया था। आरोपित गवाह को धमका रहा था। समझौता न करने पर गबरू ने फरियादी पर हमला कर दिया।

अनिल दीक्षित हत्याकांड का भी आरोपित

पुलिस ने उसकी हिस्ट्री बनाई और इनाम प्रतिवेदन तैयार कर डीसीपी को भेजा। शुक्रवार को तबरेज की गिरफ्तारी पर इनाम घोषित कर दिया। आरोपित सौरभ मल्हारगंज थाना से फरार चल रहा है। चर्चित अनिल दीक्षित हत्याकांड के आरोपित सौरभ के विरुद्ध भी पांच आपराधिक मुकदमें है। सौरभ भी हत्या के मामले में गवाह को धमका रहा था।

कानून के सामने बौने बदमाश

टीआइ शिव रघुवंशी के मुताबिक आरोपित के घर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर फोटो सहित पोस्टर चस्पा करवाए हैं। डीसीपी के मुताबिक आरोपित आमजन में दहशत फैलाते है। एक रुपया का इनाम घोषित कर यह बताया जा रहा है कि अपराधी कानून के सामने बौना है।

अपने नाम के अनुरूप काम करती है संबल योजना - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संबल योजना आपात स्थिति में श्रमिकों के लिये अपने नाम के अनुरूप संबल प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि मुश्किल और दुख की घड़ी में सरकार श्रमिकों के साथ है। उन्होंने कहा कि पीड़ित हितग्राही के परिजनों के लिए यह राशि राज्य शासन की ओर से संवेदनाओं के रूप में है। कठिनाई के समय में यह राशि श्रमिकों को अवश्य ही सहारा देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मंत्रालय से मुख्यमंत्री जन-कल्याण योजना (संबल) के अंतर्गत 10 हजार 236 हितग्राही श्रमिक परिवारों के बैंक खातों में 225 करोड़ की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना वर्ष 2018 में प्रारंभ की गई थी। इस योजना के अंतर्गत प्रारंभ से अब तक 6 लाख 16 हजार से अधिक प्रकरणों में 5,626 करोड़ से अधिक के हितलाभ दिए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की सराहना करते हुए कहा कि श्री पटेल ने संवेदनशीलता के साथ काम किया है। उन्होंने यह प्रयास किया है कि समाज के अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति को शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि संबल योजना में एक करोड़ 73 लाख से अधिक श्रमिक भाई-बहन अपना पंजीयन करा चुके हैं। इनमें से संबल 2.0 योजना में 32 लाख से अधिक श्रमिक पंजीकृत हो चुके है। उन्होंने कहा कि यह एक अनूठी योजना है, जिसमें करोड़ों जरूरतमंद परिवार को बच्चे के जन्म से लेकर पूरे जीवनकाल तक मदद की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घर-घर जाकर सामान और सेवाएं देने वाले श्रमिकों को असंगठित श्रमिकों की श्रेणी में रखा गया है और इन्हें भी मार्च 2024 से संबल योजना का लाभ दिया जा रहा है। इनमें पत्थर तोड़ने वाले, ईंट बनाने वाले, खाना बनाने वाले, घरों में काम करने वाले, तेंदूपत्ता संग्राहक आदि शामिल किए गए हैं। इन्हें इस योजना में अनुग्रह सहायता राशि, शिक्षा प्रोत्साहन योजना, प्रसूति सहायता, आयुष्मान भारत और राशन पर्ची जैसी योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राशि अंतरण कार्यक्रम में संबल योजना के कुछ हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद भी किया।

भारत के सबसे बड़े IT छापे में क्या क्या मिला?

ट्रकों में पैसे, नोट गिनने की 36 मशीन, 10 दिन चली रेड...

भारत के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आयकर छापा ओडिशा में किया गया जो 10 दिन तक चला. इस छापेमारी में आयकर अधिकारियों ने शराब निर्माण कंपनी, बौध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड के कई विभागों पर छापेमारी की. इस दौरान 352 करोड़ रुपये की भारी रकम बरामद हुई. जानकारी के अनुसार यह छापेमारी अपने आकार और जटिलता के कारण विशेष रूप से सुर्खियों में रही और इसे आयकर विभाग का अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है.छापेमारी के दौरान आयकर विभाग ने न केवल जमीन के नीचे दबे हुए कीमती सामान की पहचान करने के लिए स्कैनिंग व्हील वाली मशीन का उपयोग किया बल्कि इस ऑपरेशन के लिए 36 नई मशीनों की भी व्यवस्था की गई ताकि नोटों की गिनती की जा सके. इतना बड़ा धनराशि मिलने के बाद आयकर विभाग ने अलग-अलग बैंकों

से कर्मचारियों को मदद के लिए बुलाया. बताया जा रहा है कि इस विशाल राशि की गिनती और सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों की जरूरत पड़ी.

आयकर विभाग के अधिकारियों को किया गया सम्मानित

आयकर विभाग ने छापेमारी के बाद बरामद किए गए पैसों को ट्रकों में लादकर कड़ी सुरक्षा के बीच विभाग के दफ्तर में जमा कर दिया. इस ऑपरेशन की सफलता की कहानी ने आयकर विभाग की कुशलता और समर्पण को उजागर किया.बता दें कि अगस्त में केंद्र सरकार ने इस छापेमारी का नेतृत्व करने वाले आयकर विभाग के अधिकारियों को सम्मानित किया जिनमें प्रमुख आयकर जांच निदेशक एसके झा और अतिरिक्त निदेशक गुरप्रीत सिंह शामिल थे. यह छापेमारी न केवल आयकर विभाग की सफलता का प्रतीक बनी, बल्कि इससे यह भी साबित हुआ कि भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ सरकार की कार्रवाई लगातार जारी है.

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत लंबित शतप्रतिशत राजस्व प्रकरणों का निराकरण हो

दूध एवं दूध से बने उत्पादों के परिवहन में आधारकार्ड को अनिवार्य किया जाए

राजस्व महाअभियान 3.0 शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाला अभियान है। इसके तहत राजस्व विभाग से संबंधित लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही प्रत्येक पंचायत में बी-1 का वाचन हो। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। ग्वालियर-चंबल संभाग के जिला कलेक्टरों एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के साथ समीक्षा बैठक में संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने शासन की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में ग्वालियर-चंबल संभाग के जिला कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत सहित संभागीय आयुक्त कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में संभाग स्तरीय विभागीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने सभी जिला कलेक्टरों से कहा है कि राजस्व महाअभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करें और राजस्व प्रकरणों का तत्परता से निराकरण कराएँ। इसके साथ ही सभी अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार भी क्षेत्र में भ्रमण कर अभियान के तहत राजस्व प्रकरणों का निराकरण सुनश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि राजस्व न्यायालयों का भी निरीक्षण अभियान के तहत किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि राजस्व वसूली की तर्ज पर ही विद्युत बिलों की वसूली करने पर राजस्व अधिकारियों को प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। ग्वालियर-चंबल संभाग में ऊर्जा विभाग की वसूली पर भी राजस्व अधिकारी विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि संभाग के कुछ जिलों में विद्युत बिल की राशि अदा न करने पर शस्त्र लायसेंस नवीनीकरण न करने की पहल भी की गई है। सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में विद्युत बिलों की राशि भी वसूलने की कार्रवाई करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बड़े बकाएदारों की सूची राजस्व अधिकारियों को उपलब्ध कराएं, ताकि वसूली की कार्रवाई की जा सके। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायतों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिले में जल जीवन मिशन की नियमित समीक्षा करें। इसके साथ ही योजना के तहत खराब हुई सड़कों के संधारण के कार्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दें। ग्वालियर-चंबल संभाग के जिन जिलों में जल जीवन मिशन के तहत परियोजनायें पूर्ण होकर हैण्डओवर कर दी गई हैं वहाँ पर जल कर की राशि की वसूली भी की जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सभी जिला कलेक्टरों से अपेक्षा की गई थी कि डेंगू और चिकनगुनिया बीमारी की रोकथाम के लिए प्रभावी उपाय किए जाएं। इसके साथ ही इन बीमारियों से बचने के लिये आम जनों को किस प्रकार की सावधानियां बरतनी हैं, उसका भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। केन्द्र सरकार द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान कार्ड उपलबध् कराने की योजना के तहत दोनों संभागों में आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य तेजी के साथ पूर्ण किया जाए।

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ग्वालियर-चंबल संभाग में दूध एवं दूध से बने पदार्थों के परिवहन में आधार कार्ड को अनिवार्य किया जाए। इन पदार्थों को परिवहन करने वालों से आधारकार्ड अनिवार्यतः लिया जाए। इसकी जानकारी संबंधित परिवहन विभाग को भी अवश्य दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मिलावट के संबंध में जो प्रकरण निर्णय हेतु राजस्व न्यायालय में लंबित है, उनका निराकरण भी तत्परता से किया जाए। ग्वालियर-चंबल संभाग में किसानों को खाद उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को पारदर्शी रखा जाए। इसके साथ ही खाद वितरण पर कड़ी निगरानी सभी जिलों में रखी जाए। निधि विक्रेताओं के माध्यम से विक्रय किए जा रहे खाद की नियमित जांच की जाए। इसके साथ ही अनियमितता पाए जाने पर सख्त से सख्त कार्रवाई भी की जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कहा गया कि दोनों संभाग में स्थापित एनआरसी केन्द्रों को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जाए। इन केन्द्रों का वरिष्ठ अधिकारी नियमित निरीक्षण भी करें। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास के माध्यम से वितरित किए जा रहे पोषण आहार की भी नियमित मॉनीटरिंग की जाए। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से वितरित किए जा रहे खाद्यान्न के लंबित बिलों का भुगतान भी समय पर हो, ताकि स्व-सहायता समूह अच्छे से कार्य कर सकें। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति के संबंध में लंबित प्रकरणों के लिये ब्लॉक स्तरीय बैठक शीघ्र आयोजित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। आदिम जाति कल्याण विभाग के संबंध में कहा गया कि सभी जिलों में संचालित छात्रावासों का जिला कलेक्टर सहित जिले के अन्य अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण करें और छात्रावासों का संचालन अच्छे से हो, यह सुनिश्चित करें। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा गया कि सीएम राइज स्कूल के निर्माण के लिए भूमि आवंटन के जो भी प्रकरण लंबित हैं, उनको जिला कलेक्टर तत्परत से निराकृत करें। संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने जिला कलेक्टरों से अपेक्षा की है कि वे अपने-अपने जिलों में संचालित सभी निजी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को स्कूल तक लाने-लेजाने के लिये उपयोग किए जाने वाले वाहनों की शतप्रतिशत सूची तैयार कर परिवहन विभाग को उपलब्ध कराएं। परिवहन विभाग सभी वाहनों की अनिवार्यतः जांच करे।

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सभी जिला कलेक्टरों और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने अपने-अपने जिले में किए जा रहे नवाचारों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संभागीय आयुक्त को आश्वस्त किया कि समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टरों से की गई अपेक्षा को वे तत्परता से पूर्ण करेंगे एवं शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ शतप्रतिशत पात्र हितग्राहियों को मिले, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

म.प्र. पर्यटन को मिला 'बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर'

ट्रेवल एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव एंड अवाड्र्स में मिला सम्मान

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग को नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित ट्रेवल एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव एंड अवाड्र्स में 'बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पर्यटन क्षेत्र में प्रदेश द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों और उपलब्धियों का प्रमाण है। प्रदेश की अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, और विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार के लिये पर्यटन विभाग द्वारा नवाचार किये जा रहे हैं। विभाग द्वारा पर्यटन स्थलों पर आधारभूत संचरना, कनेक्टिविटी में सुधार, स्थानीय समुदाय के लिये रोजगार के नए अवसर सृजित किये जा रहे है। इससे मध्यप्रदेश देश-विदेश के पर्यटकों का पसंदीदा गंतव्य स्थान बन गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति विभाग एवं प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रदेश में पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करने के लिये हमारे प्रयासों को और गति प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश को पर्यटन की दृष्टि से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए हम निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में उज्जैन बना औद्योगिक स्वच्छता का राष्ट्रीय उदाहरण

विक्रम उद्योगपुरी को मिला सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क का प्रतिष्ठित अवार्ड

केन्द्रीय मंत्री श्री गोयल ने दिल्ली के भारत मंडपम में किया सम्मानित

उज्जैन | जिले को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। उज्जैन-देवास रोड स्थित 'विक्रम उद्योगपुरी' को सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क घोषित किया गया है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव के प्रभावी नेतृत्व का परिणाम है। उनके नेतृत्व में उज्जैन न केवल सांस्कृतिक धार्मिक नगरी के रूप में अलग पहचान बना रहा है, बल्कि औद्योगिक एवं पर्यावरण विकास में भी राष्ट्रीय पहचान बना रहा है। विक्रम उद्योगपुरी को मिला यह सम्मान न केवल मध्यप्रदेश के लिए गर्व का क्षण बना, बल्कि उसकी सफलता और स्वच्छता की कहानी पूरे देश में एक मिसाल बन गई है, जिसे अब अन्य औद्योगिक पार्कों के लिए आदर्श माना जाएगा।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा यह प्रतिष्ठित अवार्ड, 21 नवंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के कार्यकारी निदेशक, श्री राजेश राठौड़ ने यह अवार्ड प्राप्त किया। इस समारोह में कुल 15 औद्योगिक पार्कों को स्वच्छता के लिए सम्मानित किया गया था। विक्रम उद्योगपुरी ने देशभर के 140 औद्योगिक पार्कों में यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। केंद्रीय मंत्री श्री गोयल ने इंदौर और उज्जैन के स्वच्छता प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विक्रम उद्योगपुरी का यह सम्मान न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। यह सम्मान निश्चित रूप से प्रदेश के उद्योगों को और अधिक आत्मनिर्भर और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाएगा।

अवार्ड के लिए आईं थीं 140 प्रविष्ठियाँ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत 'स्वच्छ औद्योगिक पार्क' अभियान में देश भर के 18 राज्यों के औद्योगिक विकास निगमों से पंजीकरण कराने वाले 140 औद्योगिक पार्कों में से विक्रम उद्योगपुरी को सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क के तौर पर चुना गया। औद्योगिक पार्कों की स्क्रीनिंग और मूल्यांकन का कार्य फिक्की और पीडब्ल्यूसी की विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया था। इसके बाद, साइट निरीक्षण के आधार पर विक्रम उद्योगपुरी को सर्वोच्च रैंक प्राप्त हुआ।

उज्जैन को औद्योगिक हब बनाने का सपना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन को औद्योगिक हब बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। उज्जैन में औद्योगिक विकास के लिए अपार संभावनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कई उद्योगपतियों से संपर्क कर विक्रम उद्योगपुरी में निवेश के लिए प्रेरित किया है। यहां अमूल, पेप्सिको इंडिया, और एमडीएच जैसी बड़ी कंपनियों ने पहले ही निवेश किया है। इसके तहत अब तक 15060 रोजगार सृजित किए जा चुके हैं, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। अब उज्जैन न केवल प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है।

विक्रम उद्योगपुरी की विशेषताएँ

विक्रम उद्योगपुरी ने स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय पहल की हैं। यह पार्क 1133 एकड़ में फैला हुआ है और इसे डीएमआईसी के तहत आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया गया है। यहां 5198 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है, जिससे 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। विक्रम उद्योगपुरी में मेडिकल डिवाइस पार्क भी विकसित किया जा रहा है, जो 360 एकड़ क्षेत्र में फैला है। इस पार्क में 1855 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं और इससे 6900 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। यह पार्क स्वास्थ्य और नवाचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा।पार्क में आधुनिक जल प्रबंधन प्रणाली, हरित क्षेत्र, और ऊर्जा-कुशल संरचनाओं का निर्माण किया गया है। यहां के उद्योगों ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम स्थापित किए हैं, जो पर्यावरण-संरक्षण में योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा, पार्क के श्रमिकों और उद्योगों ने मिलकर स्वच्छता को एक सामुदायिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाया है, जो इसे अन्य औद्योगिक पार्कों से अलग बनाता है। इस पार्क में औद्योगिक, आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों का समन्वय इसे एक संपूर्ण शहर की तरह विकसित करने में मदद कर रहा है। इसके साथ विक्रम उद्योगपुरी के तहत मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे नवीनतम प्रयासों के माध्यम से प्रदेश में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का भी प्रयास किया जा रहा है।

प्रदेश में व्हाइट टॉपिंग तकनीक से सड़कों की गुणवत्ता में होगा सुधार

पायलट प्रोजेक्ट अंतर्गत 21 जिलों के 41 मार्गों पर होगा कार्य

भोपाल। मध्यप्रदेश में सड़कों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और यातायात को सुगम बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान दे रहा है। विभाग ने सड़क निर्माण की अत्याधुनिक व्हाइट टॉपिंग तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया है। इस दिशा में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 21 जिलों में चयनित 41 मार्गों पर इस तकनीक को लागू किया जाएगा। इन मार्गों की कुल लंबाई 109.31 किलोमीटर है। योजना को नवंबर के अंत तक शुरू करने की तैयारी है, और इसे अगले 4 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वाइट टॉपिंग सड़क निर्माण की एक आधुनिक तकनीक है, जिसमें पुरानी डामर सड़कों पर कंक्रीट की मोटी परत चढ़ाई जाती है। यह प्रक्रिया सड़कों को न केवल मजबूत और टिकाऊ बनाती है, बल्कि उनकी आयु 20 से 25 वर्षों तक बढ़ा देती है। इस तकनीक में सबसे पहले डामर सड़क की सतह को साफ किया जाता है, फिर 6 से 8 इंच मोटी कंक्रीट की परत डाली जाती है, जो भारी यातायात और खराब मौसम का सामना करने में सक्षम होती है।इस तकनीक का सबसे बड़ा लाभ इसकी टिकाऊपन है। वाइट टॉपिंग के कारण सड़कों को लंबे समय तक गड्ढामुक्त रखा जा सकता है, जिससे यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होती है। साथ ही, यह पर्यावरण के अनुकूल भी है क्योंकि कंक्रीट की सतह डामर की तुलना में ठंडी रहती है। इसके अलावा, रख-रखाव की लागत में भी काफी कमी आती है। इस परियोजना के तहत सबसे अधिक 14 मार्गों पर कार्य भोपाल में किया जाएगा। अन्य जिलों में इंदौर में 3 मार्ग, ग्वालियर में 3 मार्ग, बुरहानपुर में 2 मार्ग, मंदसौर में 2 मार्ग, सागर में 2 मार्ग, आगर मालवा, उमरिया, खंडवा, गुना, छतरपुर, देवास, नर्मदापुरम, नीमच, बैतूल, मुरैना, रतलाम, रायसेन, रीवा, सतना और हरदा में 1-1 मार्ग पर वाइट टॉपिंग तकनीक लागू की जाएगी। विभाग ने इस कार्य को अगले 4 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस पहल से सड़कों की गुणवत्ता में सुधार होगा और यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी।

शस्त्र लायसेंस निरस्ती के चलते उपभोक्ता ने जमा कराई 2 लाख 48 हजार रूपए से अधिक की बकाया राशि

दतिया जिला मजिस्ट्रेट द्वारा शस्त्र लाइसेंस निरस्ती की कार्रवाई के सकारात्मक परिणाम आये हैं। इंदरगढ जिला दतिया निवासी बिजली उपभोक्ता श्री बहादुर सिंह ने दतिया न्यायाधीश की कार्रवाई के कारण 2 लाख 48 हजार से अधिक की बकाया राशि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में जमा कर दी है। यह राशि लंबे समय से उपभोक्ता द्वारा अदा नहीं की जा रही थी। महाप्रबंधक दतिया ने बताया कि उपभोक्ता श्री बहादुर सिंह के नाम विद्युत बिल की राशि 2 लाख 48 हजार 690 रुपए काफी समय से लंबित थी। बकायादार के पुत्र श्री सुपर्श यादव के नाम शस्त्र लाइसेंस था। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण का नोटिस दिए जाने के पश्चात उपभोक्ता श्री बहादुर सिंह ने बिजली कंपनी के खाते में पूरी बकाया राशि जमा कर दी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आर्म्स डीलर लाईसेंस एवं शस्त्र लाईसेंस की स्वीकृति एवं नवीनीकरण के लिए बिजली कंपनी से नोड्यूज प्राप्त किया जाना अनिवार्य किया गया है। कंपनी द्वारा गृह विभाग, म.प्र.शासन के आदेश के अनुसार कंपनी कार्य क्षेत्र के ऐसे शस्त्रधारी बिजली उपभोक्ता जिनके द्वारा बकाया विद्युत बिलों का समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है, साथ ही ऐसे शस्त्रधारी बिजली उपभोक्ता जो अनधिकृत बिजली का उपयोग अथवा बिजली चोरी करते पाए जाएंगे उनके आर्म्स डीलर लाईसेंस और शस्त्र लाईसेंस को जिला कलेक्टर के माध्यम से निरस्त कराने की कार्यवाही की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि जो भी शस्त्र लाईसेंसधारी उपभोक्ता अपनी बकाया बिल राशि जमा नहीं करते हैं तो उनके शस्त्र लाईसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त करवाने की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय उच्चायोग के साथ निवेश और विकास के संकल्पों पर चर्चा की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने यूके दौरे के पहले दिन भारतीय उच्चायोग, लंदन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक विकास, तकनीकी सहयोग और वैश्विक निवेश को लेकर प्रदेश की योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा ब्रिटेन से शुरू करने पर खुशी व्यक्त करते हुए भारतीय उच्चायोग के सहयोग की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मेरे लिए गौरव का क्षण है कि मैं अपनी इस महत्वपूर्ण यात्रा की शुरुआत यूके से कर रहा हूं। इस यात्रा की तैयारी में उच्चायोग टीम द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और सहयोग के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

औद्योगिक विकास को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक विकास प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने बताया कि उज्जैन, रीवा, ग्वालियर, जबलपुर और सागर जैसे शहरों में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से प्रदेश में निवेश को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम अब राष्ट्रीय स्तर से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेशकों को प्रदेश के विकास से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत लंदन से हो रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि, ऑटोमोबाइल, ऑटो कंपोनेंट्स, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने विशेष रूप से ब्रिटेन के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और अनुसंधान के क्षेत्र में साझेदारी की बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फरवरी 2025 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए भारतीय उच्चायोग से विशेष सहयोग का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेरा विशेष आग्रह है कि उच्चायोग की टीम मध्यप्रदेश को ब्रिटिश निवेशकों के लिए आदर्श स्थल के रूप में स्थापित करने में हमारा सहयोग करें।बैठक में भारतीय उच्चायुक्त श्री विक्रम के दोराईस्वामी, उप उच्चायुक्त श्री सुजीत घोष, मंत्री (आर्थिक) श्रीमती निधि मणि त्रिपाठी और प्रथम सचिव (व्यापार) श्री जसप्रीत सिंह सुक्खीजा उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और भारतीय उच्चायोग, लंदन के बीच हुई यह चर्चा प्रदेश और यूके के बीच औद्योगिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने में एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लंदन में भारतीय उच्चायुक्त एवं प्रवासी भारतीयों ने किया आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का लंदन पहुंचने पर यूनाइटेड किंगडम में भारत के उच्चायुक्त श्री विक्रम के दोराईस्वामी और प्रवासी भारतीयों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव फरवरी में होने जा रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विदेशी निवेशकों को मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए आमंत्रित करने के लिए इंग्लैंड और जर्मनी प्रवास पर हैं। अपने 6 दिवसीय विदेशी प्रवास के दौरान वे उद्योगपतियों से मुलाकात कर उन्हें मध्यप्रदेश आने का न्यौता देंगे। मुख्यमंत्री के साथ अधिकारियों का उच्च स्तरीय दल भी विदेश प्रवास पर है।

वैश्विक निवेश को मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यात्रा का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के साथ ही हर प्रकार के उद्योग को आमंत्रण के साथ मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाईयां देने और वैश्विक निवेश को आकर्षित करना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय निवेश के अवसरों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने का अभूतपूर्व प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आगामी फरवरी माह में भोपाल में आयोजित हो जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से 6 दिवसीय विदेश यात्रा पर लंदन और बर्मिंघम तथा जर्मनी के म्यूनिख और स्टटगार्ट का दौरा करेंगे। इस दौरान वे उद्योगपतियों और औद्योगिक संगठन

के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को वेस्टमिंस्टर स्थित ब्रिटिश संसद और किंग्स क्रॉस तथा पुनर्विकास स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लंदन में 'फ्रेंड्स ऑफ मध्यप्रदेश' प्रवासी भारतीयों द्वारा आयोजित रात्रि भोज कार्यक्रम में शामिल होंगे। लगभग 400 प्रवासी भारतीय इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

विश्व पटल पर होगा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह निवेश यात्रा राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने तथा विश्व पटल पर उद्योग के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगी। यह यात्रा निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखी जा रही है, जो प्रदेश में निवेशकों का विश्वास को मजबूती और औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगी। इससे प्रदेश में एक समृद्ध औद्योगिक वातावरण का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के महानगरों से औद्योगिक निवेश को आमंत्रित करने के लिए उन्होंने कलकत्ता, बेंगलोर, मुम्बई और कोयम्बटूर में रोड शो आयोजित कर उद्योगपतियों से मुलाकात की थी। विदेश यात्रा का उद्देश्य भारतीय निवेशकों के साथ ही विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करना भी है।

हर युवा के लिए होगा रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को उनकी शिक्षा और काबिलियत के अनुसार काम देने के उद्देश्य से हर प्रकार के उद्योगों को स्थापित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विदेश यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों यथा आई.टी, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एजुकेशन, रिन्युएबल एनर्जी और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर्स में निवेश पर चर्चा और उद्योगपतियों से वन-टू-वन मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को ब्रेक-फास्ट पर उद्योगपतियों एवं भारत के उच्चायुक्त श्री विक्रम के दोरईस्वामी से संवाद करेंगे। इसके बाद "इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश", "इंटरैक्टिव सेशन" में लगभग 120 प्रतिभागियों से चर्चा करेंगे।

भोपाल में तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मारी, दो युवकों की मौके पर मौत

भोपाल। शहर के एमपी नगर इलाके में शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार बस ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बस के बंपर को तोड़कर उसके नीचे फंसकर रह गई। बाइक को बस करीब 50 मीटर तक घसीटते हुए ले गई थी। हादसे के बाद चालक बस से कूदकर फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।एमपी नगर थाना पुलिस के मुताबिक बाइक क्रमांक एमपी 20 एनएम 7243 पर सवार दो युवक थाने से चंद मीटर दूर डीबी मॉल की ओर आ रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रही पुष्प ट्रैवल्स की बस क्रमांक एमपी 04 पीए 2336 ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारते हुए रौंद दिया। हादसे में दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है।हादसे के बाद मौके पर भीड़ इकट्ठी हो गई। इससे ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। पुलिस को बैरिकेडिंग कर एक तरफ की सड़क बंद करनी पड़ी।

खंडवा में मशाल जुलूस में आग फैलने की वजह बताया जा रहा ड्रोन

खंडवा। खंडवा में तिहरे हत्याकांड की बरसी पर निकाले गए मशाल मार्च में रात 11 बजे के करीब भगदड़ मचने से स्थिति बेकाबू हो गई। यह स्थिति मशालों में डाला गया डीजल युक्त लकड़ी का बुरादा धक्का मुक्की व हवा में उड़ने से बनी। ऊपर उड़ रहे ड्रोन की वजह से तेज हवा नीचे आ रही थी, इसे भी आग फैलने की वजह बताया जा रहा है। मशाल मार्च में शामिल लोगों के कपड़ों पर गुल गिरने से आपाधापी भी मच गई। लोगों द्वारा मुंबई बाजार व घण्टाघर क्षेत्र में मशाल को फेंकने से सड़क पर भी आग की ऊंची लपटें उठने लगी, गनीमत रही कि आग को तत्काल काबू कर लिया गया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायलो का भी जायजा लिया। गुरुवार रात आठ बजे बड़ाबम क्षेत्र में राष्ट्रभक्त युवा वीर संगठन द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि और आतंकवाद के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित किया गया था।सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता नाजिया खान और कर्नाटक के विधायक टी राजा ने संबोधित किया था। इस मंची आयोजन के बाद बड़ाबम क्षेत्र से मशाल मार्च निकाला गया।इसमें सैकड़ों की संख्या में युवा और मातृशक्ति शामिल थी।मार्च में शामिल अधिवक्ता इलाही और उनके साथ मौजूद महिलाओं पर भी मशाल के गुल उड़ने से उन्हें बीच में ही जुलूस से अलग कर एक घर मे रोक दिया गया था। वे भी बुरी तरह घबरा गई थी।मशाल मार्च में शामिल तिहरे हत्याकांड के शहीद सीताराम यादव और बैंक कर्मी रवि शंकर पारे की पत्नी भी मामूली झुलस गई।अस्पताल में 20 से अधिक लोगों को झुलसने से भर्ती किया गया है।

हत्या की जांच में 20 हजार से ज्यादा कैमरे खंगाले, फिर पता लगा कि वारदात की मास्टरमाइंड तो मरने वाले की पत्नी और बेटी हैं

देवास जिले के कन्नौद में पिछले दिनों हुई हत्या की वारदात में पुलिस ने इंदौर के खजराना इलाके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि जिसकी हत्या हुई, उसकी पत्नी और बेटी ही इस वारदात की मास्टरमाइंड हैं। बेटी ने अपने दोस्त को कहकर पिता की हत्या करवाई, उसकी मां भी इसमें शामिल थी। देवास जिले के कन्नौद नगर में 4 दिन पहले हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया। हत्याकांड के पीछे मृतक की बेटी और पत्नी का ही हाथ होने की बात सामने आई है। पुलिस ने 20 हजार से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालकर हत्या के आरोपितों तक पहुंची, इसके बाद पूछताछ में मां-बेटी को मास्टरमाइंड बताया। बेटी ने अपने परिचित युवक व उसके दोस्त के माध्यम से पिता की हत्या करवाई थी। आरोपित दोनों युवक इंदौर के खजराना निवासी हैं और हत्याकांड वाले दिन सुबह वे पहले से ही मृतक का घटनास्थल के आसपास इंतजार कर रहे थे। सुबह करीब 7 बजे मृतक के आते ही उसे गोली मारी गई थी।

पूरे मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 22 नवंबर को सुबह 7 बजे 45 वर्षीय निसार पुत्र मुशर्रफ अली निवासी जत्रा मैदान कन्नौद को सतवास रोड पर उसके घर के सामने दूध लेने जाते समय अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सीने में गोली मारी गई थी।

निसार अली को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की पैनल द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आकाश भूरिया, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कन्नौद केतन अडलक एवं थाना प्रभारी कन्नौद तहजीब काजी फोर्स के साथ अस्पताल और मौके पर पहुंचे।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आकाश भूरिया के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (कन्नौद) केतन अडलक के निर्देशन में 2 विशेष टीमों का गठन किया गया।

गठित टीम के द्वारा तकनीकी साक्ष्य, भौतिक साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किए गए। तकनीकी साक्ष्य, भौतिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों को पकड़कर प्रारंभिक पूछताछ करने पर उन्होंने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।

पुलिस ने 22 वर्षीय विशाल पिता अशोक निवासी फरीदाबाद हरियाणा वर्तमान निवासी संजीवनी नगर खजराना और 19 वर्षीय दीपक पुत्र मढिया निवासी बाग टांडा जिला धार वर्तमान निवासी खजराना इंदौर, मृतक की पत्नी रूकसाना बी और बेटी सिमरन को गिरफ्तार किया है। आरोपितों को कोर्ट में प्रस्तुत कर पुलिस ने चार दिन का रिमांड लिया।

बेटी और पत्नी दोनों थी नाराज

हत्याकांड के पीछे की सनसनीखेज वजह सामने आई है। जानकारी के अनुसार मृतक निसार की बेटी आरोपित विशाल से पूर्व से ही संपर्क में थी। विशाल से करीब 1 वर्ष पूर्व सिमरन की पहचान मोबाइल गेम खेलने के दौरान हुई थी।

विशाल से पहचान की बात पता चलने पर मृतक ने बेटी का मोबाइल भी ले लिया था और उसका कहीं ओर विवाह करवाना चाहता था। रुखसाना भी पति से किसी बात पर नाराज थी। इसके बाद दोनों ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने में आरोपित विशाल और दीपक की मदद ली। विशाल मेलों में झूले संचालन का काम करता था और दीपक उसका साथी था।लगातार रेकी कर की वारदात आरोपित घटनास्थल के आसपास 4-5 दिन से रेकी करने के बाद वारदात कर मौके से भाग गए थे। घटना के दिन आरोपित सिमरन ने जल्दी उठकर पिता को दूध लाने के लिए कहा था। पुलिस ने आरोपितों को पकड़कर उनके कब्जे से 12 बोर कट्टा, 1 खाली कारतूस एवं मोबाइल फोन जब्त किया है।वारदात के बाद शुरुआत में किसी से रंजिश होने की बात सामने लाकर पुलिस को गुमराह भी करने का प्रयास किया गया था। पुलिस ने परंपरागत तरीकों से विवेचना की और मृतक एवं स्वजन के इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल भी खंगाले, जिसमें कुछ संदिग्ध गतिविधियां दिखने पर पुलिस की जांच आगे बढ़ी।

सोयाबीन एवं धान उपार्जन पर निगरानी के लिए मंत्री करें अपने-अपने क्षेत्र का दौरा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अत्यधिक सार्थक रही विदेश यात्रा
मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सदस्यों को प्रदेश की उपलब्धियों से कराया अवगत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि औद्योगिक निवेश के संदर्भ में की गई जर्मन एवं इंग्लैंड यात्रा अत्यधिक सार्थक और आशाओं से कहीं आगे साबित हुई। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए लगभग 78 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। विदेशी निवेश प्राप्त करने के पहले हमने प्रदेश में रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित किए। उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा के बाद अगली रीजनल कॉन्क्लेव नर्मदापुरम में 7 दिसम्बर को आयोजित करने जा रहे हैं। नर्मदापुरम् कॉन्क्लेव के पूर्व ही हमें बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। जिससे नर्मदापुरम् रीजन में उद्योगों के लिए 250 हेक्टेयर से बढ़ाकर 750 हेक्टेयर भूमि आरक्षित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को कैबिनेट बैठक के पहले मंत्रि-परिषद के सदस्यों को विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले आयोजनों और उपलब्धियों से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सोयाबीन और धान उपार्जन का काम जारी है। प्रदेश में 25 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक समर्थन मूल्य पर सोयाबीन का उपार्जन किया जा रहा है। अब तक 77 हजार से अधिक किसानों से 2 लाख 4 हजार मीट्रिक टन सोयाबीन उपार्जन किया गया है। प्रतिदिन 20 हजार मीट्रिक टन की आवक हो रही है। प्रदेश में 2 दिसम्बर से 1184 उपार्जन केन्द्रों पर धान का उपार्जन समर्थन मूल्य पर प्रारंभ है, जिसमें लगभग 7 लाख 68 हजार किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। मंत्रीगण अपने क्षेत्र में भ्रमण करकिसानों से उपार्जन प्रक्रिया एवं खाद वितरण के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

गीता जयंती, तानसेन शताब्दी समारोह तथा जन-कल्याण उत्सव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 8 से 11 दिसम्बर तक उज्जैन और 11 दिसम्बर को भोपाल एवं समस्त जिलों में गीता जयंती का भव्य आयोजन किया जा रहा है। तानसेन शताब्दी समारोह 15 से 19 दिसम्बर तक ग्वालियर में आयोजित किया जायेगा। महिला, किसान, युवा और गरीब कल्याण तथा विकास से जुड़े जन-कल्याण उत्सव प्रदेश में 11 से 26 दिसम्बर तक मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबंधित विभागीय मंत्री पृथक-पृथक कमेटी बनाएं। राज्य शासन द्वारा इन वर्गों के लोगों के लिए किए गए कार्यों को आमजन के बीच में लेकर आएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रातापानी अभयारण्य को प्रदेश के 8वें टाइगर रिजर्व के रूप में स्वीकृति मिली है। विश्व में किसी भी राज्य की राजधानी से एकदम सटे एकमात्र टाइगर रिजर्व से न सिर्फ पर्यटन से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि राजधानी के पास स्थित टाइगर रिजर्व के जंगलों, बाघों तथा अन्य जंगली पशुओं का प्रभावी संरक्षण हो सकेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को प्रदेश की जनता की ओर से धन्यवाद देता हूँ हुए कहा कि मध्यप्रदेश में 4100 मेगावाट के नवीन थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयला आवंटन की स्वीकृत प्रदान की है। इससे लगभग 25 हजार करोड़ रूपए के निवेश और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर इस प्लांट से सृजित होंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नदी जोड़ो अभियान चंबल संभाग में पार्वती-कालीसिंध-चंबल और बुंदेलखंड क्षेत्र की केन-बेतवा लिंक परियोजना को केंद्र एवं राज्य सरकारों ने अपनी सहमति प्रदान की है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से प्रदेश के 11 जिलों के 2094 गांवों में लगभग 6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। केन-बेतवा लिंक परियोजना पर सहमति से बुंदेलखंड अंचल में सिंचाई सहज और सुलभ होगी।

प्रदेशवासियों को सस्ती व प्रदूषण मुक्त बिजली उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेशवासियों को सस्ती और प्रदूषण मुक्त बिजली उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सौर तथा पवन ऊर्जा सहित नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के सभी स्रोतों को प्रदेश में हर संभव प्रोत्साहन प्रदान किया जाए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक 50 प्रतिशत ऊर्जा खपत की आपूर्ति नवकरणीय ऊर्जा संसाधनों से करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में राज्य सरकार इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्षेत्र में निजी निवेशकों को भी हर संभव सहयोग दिया जाए। प्रधानमंत्री सूर्य घर तथा प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना से अधिक-से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए नगरीय निकायों, रहवासी संघों तथा कृषकों के साथ मिलकर अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में नवीन एवं नवीनकरणीय मंत्री श्री राकेश शुक्ला, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप , मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री मनु श्रीवास्तव तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने के लिए सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य की ऊर्जा का 41 प्रतिशत उपभोग किसानों द्वारा किया जाता है। किसान दिन के समय बिजली का उपभोग कर सकें, इस उद्देश्य से सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करना जरूरी है। उन्होंने सभी शासकीय भवनों पर मिशन मोड में सोलर रूफटॉप स्थापित करने के लिए समय- सीमा निर्धानित करते हुए समन्वित रूप से कार्य योजना लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय,स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग भवनों पर भी सोलर रूफटॉप प्राथमिकता से लगाए जाएं। इससे इन विभागों की इकाइयों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी।

प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में 14 गुना वृद्धि हुई

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में पिछले बारह वर्षों में 14 गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में सौर ऊर्जा की प्रति उत्पादन दर प्रति यूनिट दो रुपए 50 पैसे लगभग आ रही है, जो कोयला आधारित ऊर्जा से तुलनात्मक रूप से किफायती है। सौर ऊर्जा के संबंध में प्रधानमंत्री श्री मोदी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मुरैना, आगर, धार, अशोकनगर, शिवपुरी, सागर इत्यादि में सौर पार्क स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। आगर, शाजापुर और नीमच की नवकरणीय सौर ऊर्जा परियोजनाएं तथा ओंकारेश्वर स्थित विश्व की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर परियोजना तैयार हो चुकी हैं। मुरैना में हाई ब्रिड वृहद नवकरणीय ऊर्जा परियोजना भी निर्माणाधीन है। इसके प्रथम चरण में सुबह और शाम के पीक समय के दौरान प्रदेश को सुनिश्चित आपूर्ति के लिए 600 मेगावाट सोलर के साथ ही स्टोरेज की सुविधा भी उपलब्ध होगी। यह परियोजना 2027 तक पूर्ण होगी।

ऊर्जा भण्डारण के लिए भी जारी है पहल

बैठक में कुसुम योजना की प्रगति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि परियोजना के वित्त पोषण के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किया गया है। साथ ही इंडो-जर्मन सोलर एनर्जी पार्टनरशीप-एनोवेटिव सोलर भी निष्पादित किया गया। प्रदेश में उज्जैन, आगर, धार, रतलाम और मंदसौर में पवन ऊर्जा पार्क विकसित करने के लिए भूमि चिन्हित की गई

सियासी मुलाकात

मध्य प्रदेश बी जे पी अध्यक्ष बी डी शर्मा एवं मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा

Forex मार्केट में 4.85 करोड़ की धोखाधड़ी, क्राइम ब्रांच ने गैंग के 5वें सदस्य को किया गिरफ्तार

इंदौर क्राइम ब्रांच इंदौर ने फॉरेक्स मार्केट में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाली अंतर्राज्यीय गैंग के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में गैंग के कुल 5 आरोपी नागपुर (महाराष्ट्र), रायपुर (छत्तीसगढ़), सूरत और भरूच (गुजरात) से गिरफ्तार किए जा चुके हैं। हाल ही में पकड़ा गया आरोपी हीरेन पटेल (37) गैंग का सक्रिय सदस्य है, जो फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल कर ठगी की रकम दुबई में गैंग के सरगनाओं तक पहुंचाता था।

धोखाधड़ी का तरीका और घटना का विवरण

फरियादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां गैंग के सदस्यों ने फॉरेक्स ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच दिया। आरोपी ने फरियादी को Mstock Max नामक सॉफ्टवेयर डाउनलोड करवाया, जिसमें फर्जी प्रॉफिट दिखाया गया। शुरुआत में 10,000 रुपये के निवेश पर 40,000 रुपये का फर्जी प्रॉफिट दिखाकर उन्हें लालच दिया गया। इसके बाद फरियादी ने गैंग के बताए बैंक खातों में 4.85 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। सॉफ्टवेयर में 16 करोड़ रुपये का फर्जी प्रॉफिट दिखाने के बाद जब फरियादी ने पैसे निकालने का प्रयास किया, तो राशि विड्रॉल नहीं हुई और गैंग ने उनसे संपर्क तोड़ दिया।

अब तक की पुलिस कार्रवाई

क्राइम ब्रांच ने इस मामले में पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। हाल ही में पांचवें आरोपी हीरेन पटेल को गुजरात के भरूच जिले से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने मानव इंटरप्राइजेज नामक फर्जी कंपनी बनाकर 50 लाख रुपये गैंग के खातों में ट्रांसफर किए। इनमें से 30 लाख रुपये दुबई भेजे गए थे।

रिकवरी और जांच की स्थिति

क्राइम ब्रांच ने अब तक फरियादी के 75 लाख रुपये वापस दिलवाए हैं, और 70 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में फ्रीज करवाए हैं, जिन्हें कोर्ट की प्रक्रिया के बाद वापस किया जाएगा। गैंग के अन्य साथियों और उनके नेटवर्क का पता लगाने के लिए आरोपी से पूछताछ जारी है।

उप राष्ट्रपति के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होने जा रहे कार्यक्रमों की तैयारियों का प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने लिया जायजा

पूरी भव्यता व गरिमा के साथ कार्यक्रम आयोजित करने के दिए निर्देश

ग्वालियर उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में जीवाजी विश्वविद्यालय में 15 दिसम्बर को आयोजित होने जा रहे कार्यक्रमों की तैयारियों का जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने शनिवार को जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ भव्य व गरिमामय हों। कार्यक्रम में आने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो। साथ ही कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय ढंग से हो सके, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।ज्ञात हो उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ 15 दिसम्बर को जीवाजी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन परिसर में महाराज श्रीमंत जीवाजीराव सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद अटल सभागार में प्रतिमा अनावरण के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. अविनाश तिवारी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कमाण्डेंट एसएएफ एवं कार्यक्रम के सुरक्षा व्यवस्था प्रभारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार एवं जीवाजी विश्वविद्यालय के कुल सचिव श्री अरुण चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

समय पर लगे मेला और वर्ष भर चलें गतिविधियाँ

प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने शनिवार को श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला परिसर पहुँचकर इस साल के मेले की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों की बैठक लेकर उन्होंने मेला सचिव सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला परिसर में साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था करें। साथ ही शौचालय व पेयजल की भी बेहतर व्यवस्था की जाए। झूला सेक्टर सहित मेले के प्रत्येक सेक्टर में सुरक्षा व्यवस्था के साथ कोई समझौता न हो। उन्होंने मेला परिसर में वर्ष भर गतिविधियाँ आयोजित करने के निर्देश भी इस दौरान दिए। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी व नगर निगम सभापति श्री मनोज सिंह तोमर, नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव व अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार एवं मेला सचिव सहित अन्य संबंधित अधिकारी व जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

महिलाओं ओर लड़कियों मै साड़ी के प्रति रुझान बढ़ रहा है यह हिन्दुस्तानी संस्कृति को पसंद कर रहे है

महिलाओं ओर लड़कियों मै साड़ी के प्रति रुझान बढ़ रहा है यह हिन्दुस्तानी संस्कृति को पसंद कर रहे है। और साड़ी मै खूब पसंद किया जा रहा है। चंचल शर्मा

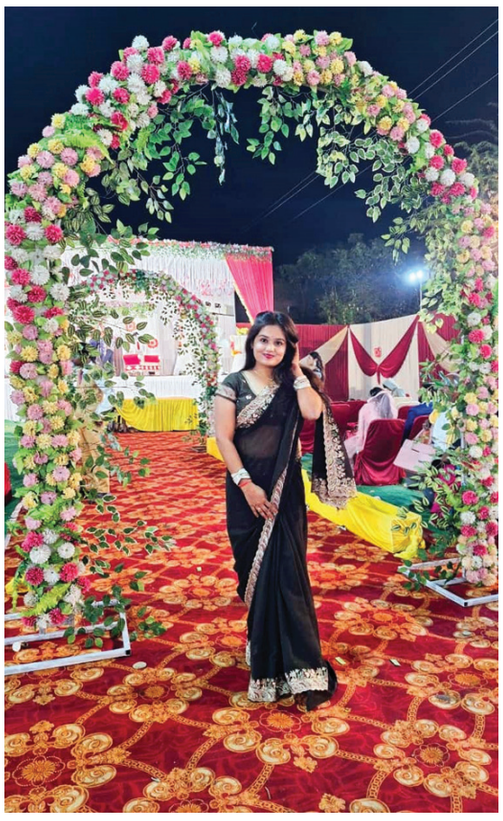

अपर्णा तिवारी

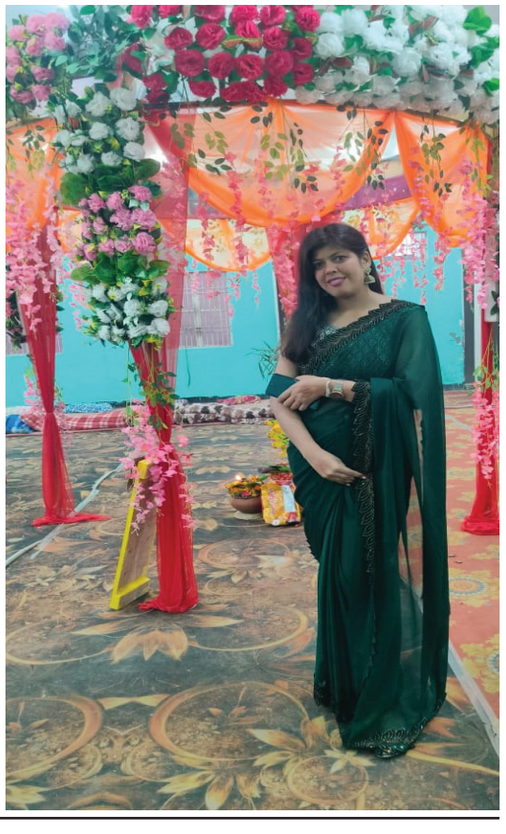

इन 10 आसान तरीकों से छुड़ाएं बच्चों के हाथ से मोबाइल फोन

मौजूदा वक्त में बच्चे सबसे पहले स्मार्ट फोन पकड़ना सीखते हैं और उसके बाद टीवी का रिमोट। मजाल है कि कोई उनसे ये दोनों चीजें छीनकर दिखा दे फिर देखिए घर में घमासान। बच्चों के हाथ में मोबाइल फोन और उनके टीवी स्क्रीन की लत कहीं न कहीं उनकी आंखों के साथ-साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है। अगर आपका बच्चा भी हाथ में फोन लेकर देने से मना करता है (Tips to stop child phone addiction)और पूरा दिन टीवी पर चिपका रहता है तो आप इन आसान तरीकों से इस मुसीबत से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं 10 आसान तरीके।

लिस्ट तैयार करें

अपने बच्चे के हाथ से मोबाइल फोन और उसकी टीवी देखने को लत को छुड़ाने के लिए आप सबसे पहला काम कीजिए कि एक लिस्ट या फिर शेड्यूल तैयार कीजिए और उसके हिसाब से पूरा दिन बच्चों को काम करने के लिए कहिए। इस लिस्ट में आप ऐसी चीजों को शामिल कीजिए, जो उन्हें अधिक प्रोडक्टिव बनाए और उन्हें नए चीजें सीखने का मौका दे

सख्त बनें

अगर आप असल में चाहते हैं कि आपका बच्चा मोबाइल फोन और टीवी की लत छोड़ दे तो आपको थोड़ी सख्ती दिखाने की जरूरत है। जी हां, आपकी सख्ती ही आपके बच्चे की ढीठपने को कम कर सकती है। इसके लिए भले ही आपको

अपने बच्चे को थोड़ी देर के लिए रोता ही हुआ देखना पड़े और उसके नखरे ही क्यों न उठाने पड़े।

बच्चे को समझाइए

अगर आपका बच्चा मोबाइल फोन छोड़ने और टीवी बंद होने पर आपसे बिगड़ता भी है तो आप उसे मारइए-पीटिए नहीं बल्कि उसे समझाइए कि ये लत कितनी गंदी है और इसका उसके स्वास्थ्य पर कितना प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। किसी भी चीज की लत आपके बच्चे के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है।

एक्सामप्ल सेट करें

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा मोबाइल फोन, टीवी स्क्रीन या फिर अन्य डिजीटल उपकरणों से दूर रहे तो आपको खुद को भी उनसे दूरी बनानी होगी। जी हां, आपको अपने मोबाइल फोन और स्क्रीन टाइम को कम करना होगा ताकि उसका प्रभाव सीधे आपके बच्चे पर पड़े।

नजरों से दूर रखें उपकरण

अगर आपका बच्चा सुबह उठते ही मोबाइल फोन या फिर टीवी स्क्रीन देखने के लिए कहता है तो आपके लिए सबसे जरूरी है कि आप इन दोनों चीजों को ही उसकी नजरों से दूर कर दें। जी

हां, जब तक बच्चों की नजरें मोबाइल फोन और टीवी के रिमोट पर नहीं पड़ेंगी तब तक आपका बच्चा उनसे दूर रहेगा।

बिजी रखें

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पूरे दिन मोबाइल फोन या फिर टीवी के रिमोट से दूर रहे तो उन्हें बिजी रखें। उन्हें बाहर खेलने जाने दें, योगा कराएं, उन्हं एक्सरसाइज करने के लिए कहें और तो और आप उन्हें किताबें पढ़ना भी सीखा सकते हैं। ये चीजें बच्चों को ऊर्जा से भरपूर रखने के साथ-साथ फिट भी रखेगी।

खुला छोड़ दें

बच्चों से मोबाइल फोन और टीवी का रिमोट लेने का बढ़िया तरीका है कि उन्हें बाहर जाने के लिए खुला छोड़ दें। जब बच्चे बाहर खेलेंगे तो उन्हें फ्रेश रहने में मदद मिलेगी और दिमाग बिल्कुल भी मोबाइल या टीवी की तरफ नहीं जाएगा। इसलिए जितना हो सके बच्चे को खुला छोड़ दें।

इनाम दें

जब आपको लगता है कि आपकी कोई भी तरकीब काम नहीं कर रही है तो आपके पास बच्चे का ध्यान भटकाने का सबसे तगड़ा जुगाड़ है इनाम देना। इनाम देना आपके बच्चे के मन में लालच भर देगा। लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि आप जो भी इनाम दें वो आपके बच्चे के लिए अच्छा हो और उन्हें बेहतर बनने में मदद करे।

जल्द से जल्द उठाएं कदम

इस बात का विशेष ध्यान रखें कि एक्सपर्ट बताते हैं कि जब तक बच्चा 18 से 24 महीने का नहीं हो जाता है तब तक उसे मोबाइल फोन और टीवी स्क्रीन से दूर ही रखना चाहिए। ये उम्र उनकी आंखों के लिए रोशनी को सहन करने वाली हो जाती हैं। इस उम्र से पहले बच्चों को मोबाइल फोन न पकड़ाएं।

योजना बनाएं

एक बार जब आपके बच्चे को मोबाइल फोन की लत पड़ जाती है तो उसे ठीक कर पाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए एक ऐसी योजना तैयार करें, जिसकी मदद से आप अपने बच्चे को मोबाइल फोन से दूर रख सके। ऐसे विकल्पों को तलाशें, जिनकी मदद से आपके बच्चे मोबाइल फोन से दूर रहें।

सीमाएं तय करें

मोबाइल की लत को रोकने का पहला कदम स्क्रीन टाइम फिक्स करिए. यह सुनिश्चित करें कि कब और कहां मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना है. उदाहरण के लिए, आप खाना खाते समय या सोते समय मोबाइल फोम के इस्तेमाल को रोक दीजिए. आप अपने बच्चों को फ़ोन पर कितना समय बिताना चाहिए, इसके लिए सीमाएं तय कर दीजिए.

आउटडोर एक्टिविटीज कराएं

अपने बच्चे को ऐसी अन्य गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करें जिनमें मोबाइल फोन शामिल न हो. इसमें आउटडोर गतिविधियां, पढ़ना, ड्राइंग करना या परिवार और दोस्तों के साथ गेम खेलना शामिल हो सकता है.

रोल मॉडल बनें

बच्चे उदाहरण से समझते हैं. अपने बच्चों के सामने अपने फोन का अत्यधिक इस्तेमाल करने से बचें. अपने बच्चे के साथ ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जिनमें मोबाइल फोन शामिल न हो, जैसे बोर्ड गेम खेलना या सैर पर जाना. आप अपने बच्चे को अच्छी आदतें विकसित करने में मदद कर सकते हैं.

टेक फ्री जोन रखें

अपने घर के कुछ खास स्थानों, जैसे कि डाइनिंग रूम या बेडरूम को टेक फ्री रखें.

महेश्वर में घूमने के लिए है ये 10 खूबसूरत जगह

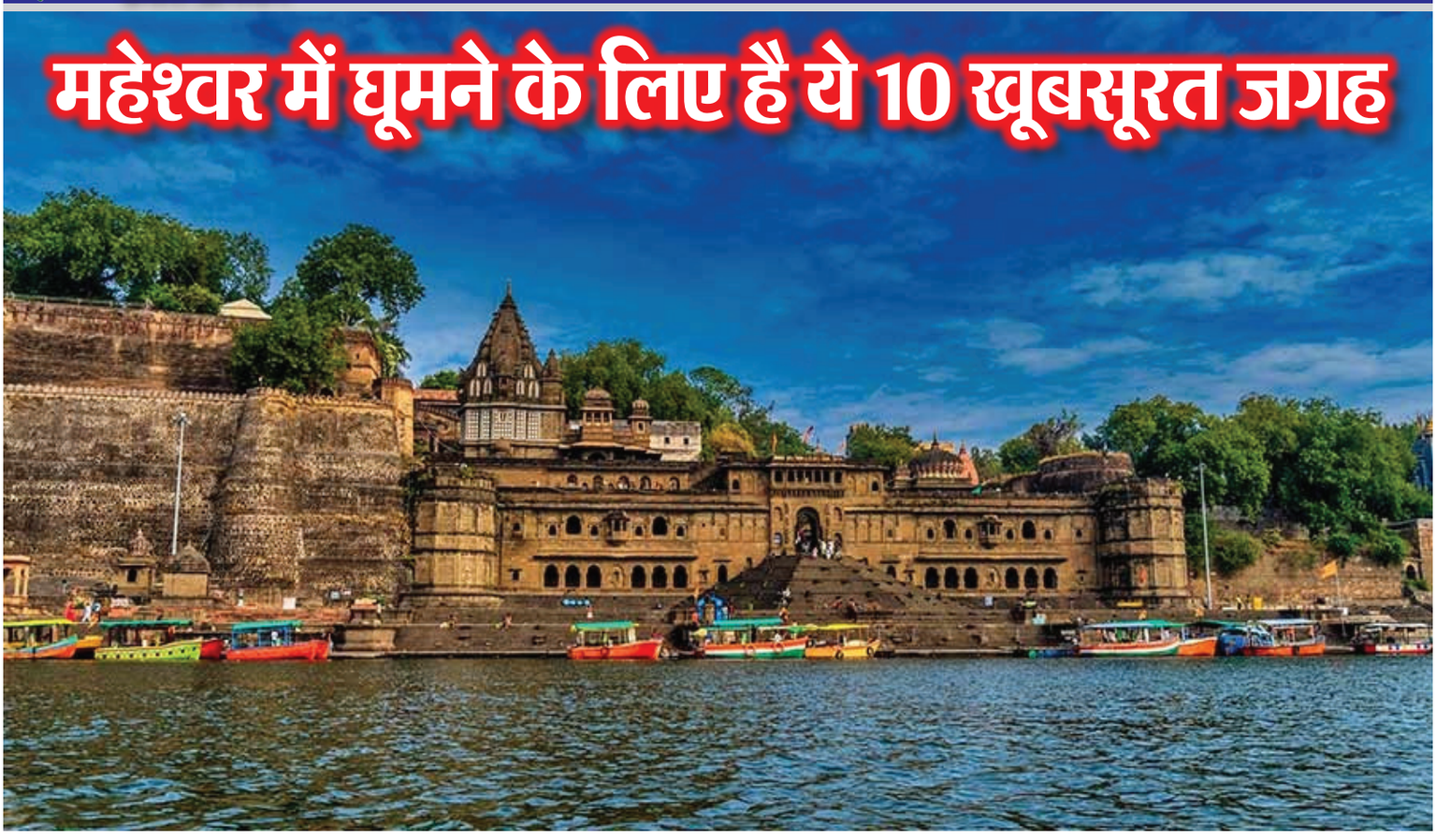

मध्यप्रदेश भारत के मध्य में स्थित शानदार पर्यटन स्थलों में से एक है। मध्य प्रदेश को भारत के दिल की धड़कन भी कहा जाता है। क्योंकि यहां के पर्यटन स्थल पर्यटकों का दिल चुरा लेते हैं। यहां पर प्रति वर्ष लाखों की संख्या में सैलानी प्रकृति की सुंदरता का दीदार करने आते हैं। भारत का सबसे कम आबादी वाला यह राज्य अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। ऐसे में यदि आप घूमने की योजना बना रहे हैं तो एक बार मध्य प्रदेश के इन शानदार पर्यटन स्थलों का दीदार अवश्य करें। आज हम आपको कुछ बेस्ट टूरिस्ट स्पॉट के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

आज हम आपको मध्यप्रदेश का वाराणसी घुमाने की रहे हैं। जी हां, एमपी का महेश्वर मध्य भारत के वाराणसी के रूप में जाना जाता है। यहां कई ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल मौजूद हैं। यहां जाने के बाद आप वहां की खूबसूरती में डूब जाएंगे। नर्मदा नदी के तट पर महेश्वर स्थित है। आपको बता दे, महेश्वर को साड़ियों के उत्पादन के लिए एक प्रसिद्ध केंद्र माना जाता है। शॉपिंग के लिए ये जगह सबसे बेस्ट मानी जाती है। इसके अलावा आज भी यहां लोग आध्यात्मिक अनुभव लेने पहुंचते हैं।

यहां घूमने की अच्छी जगहें –

होल्कर फोर्ट महेश्वर
मंडलेश्वर महेश्वर
राजवाड़ा महेश्वर
जलेश्वर मंदिर महेश्वर
नर्मदा घाट महेश्वर
पंडरीनाथ मंदिर, महेश्वर
खरगोन महेश्वर
अहिल्येश्वर मंदिर महेश्वर
कसरावद महेश्वर
अहिल्या किला महेश्वर
महेश्वर में शोपिंग

महेश्वर है तमिल और बॉलीवुड कलाकारों की फेवरेट जगह

महेश्वर अपनी सांस्कृतिक ऐतिहासिक गौरव के साथ अपनी सुंदरता से न केवल दुनिया भर के यात्रियों को बल्कि कलाकारों को भी अपनी ओर खीच लाता है. इस स्थान पर कई तमिल और बॉलीवुड मूवी की शूटिंग हो चुकी है जिनमें दबंग-3, पैडमैन, बाजीराव मस्तानी, सुटेबल बाय, 'मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी', यमला पगला दीवाना, तेवर, नीरजा भनोट, पैडमैन, जीनियस, गौतमीपुत्र शतकर्णी और कलंक शामिल है.

आस-पास के आकर्षण

महेश्वर शहर में कई आकर्षण हैं जो इसे इतिहास प्रेमियों और आध्यात्मिक साधकों के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं. महेश्वर घाट के पास कालेश्वर, राजराजेश्वर, विठ्ठलेश्वर और अहिलेश्वर मंदिर, अन्य लोकप्रिय स्थल हैं जो शहर की आध्यात्मिक और प्राकृतिक सुंदरता को प्रदर्शित करते हैं.

होल्कर साम्राज्य की विरासत

18वीं शताब्दी में मालवा साम्राज्य की रानी देवी अहिल्याबाई होल्कर को उनकी प्रशासनिक कुशलता, वास्तुकला संरक्षण और अपने लोगों के प्रति गहरी भक्ति के लिए जाना जाता है. अपने पति की दुखद मृत्यु के बाद सत्ता में आने पर उन्होंने महेश्वर को एक जीवंत सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में बदल दिया. उनके शासनकाल में कई बुनियाद इमारतों का निर्माण कार्य कराया गया, जिनमें मंदिरों, सड़कों और कुओं का निर्माण शामिल है, जिनमें से कई आज भी उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व के प्रमाण के रूप में मौजूद हैं.

ऐसे पहुंचे –

अगर महेश्वर की यात्रा पर जाने का प्लान बना रहे है तो आपको यहां रुकने के लिए कई होटल्स मिल जाएंगे यहां आप ठहर सकते हैं। लो बजट से लेकर हाई बजट तक सभी टाइप के रूम्स यहां उपलब्ध है। आप फ्लाइट, ट्रेन या सड़क मार्ग में से किसी से भी ट्रेवल करके महेश्वर जा सकते है। महेश्वर का निकटतम हवाई अड्डा देवी अहिल्याबाई होल्कर हवाई इंदौर में है। इंदौर से महेश्वर 92 किलोमीटर दूर हैं।इसके अलावा आप महेश्वर पहुंचने के लिए आप बस, केब या एक टैक्सी किराए पर ले सकते हैं। बात करें ट्रेन की तो महेश्वर में कोई सीधा ट्रेन रूट नहीं है। ऐसे में आप इंदौर जंक्शन पर उतरने के बाद आप बस, टेक्सी या कब बुक करके महेश्वर जा सकते है।

होण्डा एक्टिवा ई स्कूटर से निकालें बैटरी, कहीं भी कर लें चार्ज, शानदार रेंज के साथ पोर्टेबल बैटरी से लैस

होंडा ने आखिरकार अपनी एक्टिवा इलेक्ट्रिक स्कूटर (Honda Activa e:) को पेश करने के साथ भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मार्केट में कदम रख दिया है. होंडा Activa e: को दो वेरिएंट्स – Activa e: और QC1 में पेश किया गया है. कंपनी ने फिलहाल स्कूटरों का खुलासा किया है, जबकि कीमतों का ऐलान और बुकिंग की शुरुआत 1 जनवरी को होगी.

कंपनी इन स्कूटरों की डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू करेगी. शुरुआती चरण में, यह स्कूटर दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में उपलब्ध होगा और इसके बाद अन्य शहरों में इसे उपलब्ध किया जाएगा. आइए जानते हैं होंडा एक्टिवा इलेक्ट्रिक स्कूटर में कौन-कौन से खास फीचर्स दिए गए हैं.

शानदार रेंज के साथ पोर्टेबल बैटरी से लैस

होंडा Activa e: में 1.5kWh की दो स्वैपेबल बैटरियां दी गई हैं, जो एक बार फुल चार्ज होने पर 102 किलोमीटर की रेंज देती हैं. इन बैटरियों को Honda Mobile Power Pack e: नाम दिया गया है, जो होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया द्वारा विकसित की गई हैं. कंपनी का कहना है कि उसने बेंगलुरु और दिल्ली में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन बना दिए हैं, जबकि मुंबई में जल्द ही इन्हें तैयार कर लिया जाएगा.

80 किमी प्रति घंटा की है टॉप स्पीड

ये बैटरियां 6kW परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस इलेक्ट्रिक मोटर को पावर देती हैं, जो 22Nm का पीक टॉर्क उत्पन्न करती है. इसमें तीन राइडिंग मोड्स – ईको, स्टैंडर्ड और स्पोर्ट दिए गए हैं. स्पोर्ट मोड में यह 80 किमी प्रति घंटा की टॉप स्पीड देती है और 0 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार मात्र 7.3 सेकंड में पकड़ लेती है.

डिजाइन और फीचर्स

होंडा के ई-स्कूटर्स में 12-इंच के अलॉय व्हील्स पर दिए गए हैं, जिनमें टेलिस्कोपिक फोर्क्स और डुअल स्प्रिंग सस्पेंशन का सपोर्ट दिया गया है. ब्रेकिंग के लिए इसमें डिस्क-ड्रम कॉम्बिनेशन दिया गया है. कंपनी एक्टिवा इलेक्ट्रिक स्कूटर को पांच कलर ऑप्शंस में उपलब्ध करेगी जिनमें पर्ल शैलो ब्लू, पर्ल मिस्ट्री व्हाइट, पर्ल सेरेनिटी ब्लू, मैट फॉगी सिल्वर मैटालिक और पर्ल इग्नियस ब्लैक रंग शामिल होंगे.

कीमत और मुकाबला:

होंडा एक्टिवा इलेक्ट्रिक स्कूटर की शुरुआती कीमत लगभग 1 लाख रुपये होने की संभावना है। आगामी होंडा एक्टिवा इलेक्ट्रिक मॉडल का भारतीय बाजार में ईथर Ether 450X, Ola और TVS iQube इलेक्ट्रिक स्कूटर से मुकाबला होगा। ड्राइवस्पार्क की रायः अगर बेहतर रेंज, बेहतर फीचर्स और आधुनिक डिजाइन वाला Honda Activa Electric स्कूटर भारत में लॉन्च हुआ तो भारतीय बाजार में ओला, एथर जैसे सभी मौजूदा इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली प्रमुख कंपनियों को बड़ा झटका लगेगा और उन सभी कंपनियों की बिक्री में कमी आने की संभावना है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्राहकों के बीच पहले से ही एक्ट्रिवा को लेकर क्रेज है और अब जब इसका इलेक्ट्रिक वर्जन आने वाला है,

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के ये हैं फायदे

आईसीई कारों के मुकाबले होती है भारी बचत

भारत में ईवी को अपनाने के लिए सरकार ऐसे वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतियां और प्रोत्साहन प्रदान करती है.पिछले कुछ सालों से भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में काफी तेजी आई है. इन वाहनों के खरीदने बहुत से फायदे हैं, जिसमें कम परिचालन लागत और पर्यावरण अनुकूल होना प्रमुख है. इसके अलावा भी इनके कई अन्य फायदे भी हैं, तो चलिए जानते हैं भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने के क्या फायदे हैं.

लो कॉस्ट रनिंग

ईवी को चालू रखने के लिए पेट्रोल या डीजल का इस्तेमाल नहीं होता, जिससे आप ईंधन पर बहुत सारा पैसा बचाते हैं. पेट्रोल या डीजल की कीमत की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज करने की लागत काफी कम है. साथ ही आप सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके भी बिजली की लागत को और कम कर सकते हैं.

घर पर कर सकते हैं चार्जिंग

इसमें ईंधन भरवाने के लिए नजदीकी पेट्रोल स्टेशन ढूंढने की जरूरत नहीं है. आप घर पर अपना ईवी चार्ज करके यात्रा पर निकल सकते हैं. नए जमाने की फास्ट चार्जिंग तकनीक के साथ, आप ईवी को जल्दी से चार्ज कर सकते हैं. साथ ही आप बैटरी स्वैपिंग सेवाओं का लाभ भी उठा सकते हैं.

कम मेंटेनेंस

पेट्रोल या डीजल से चलने वाले वाहनों को नियमित मेंटेनेंस की आवश्यकता होती है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में ऐसा नहीं है क्योंकि उनमें तुलनात्मक रूप से कम मूविंग पार्ट्स होते हैं. इसका मतलब है कि लंबे समय में आपकी इलेक्ट्रिक कार के लिए मेंटेनेंस कॉस्ट काफी कम हो जाता है.

बेहतर परफार्मेंस

कुछ सालों पहले ईवी को अव्यावहारिक माना जाता था. हालांकि, अब इसमें काफी बदलाव आया है और कंपनियों ने इनपर काफी मेहनत और शोध किया है. यहां तक कि ईवी का परफार्मेंस भी बहुत बेहतर हो गई है. इलेक्ट्रिक वाहन वजन में हल्के होते हैं और फ्यूल से चलने वाले वाहनों की तुलना में इनकी परफॉर्मेंस काफी अच्छी होती है.

न फ्यूल, न उत्सर्जन

ईवी का सबसे महत्वपूर्ण लाभ हमारे पर्यावरण इनका प्रभाव न पड़ना है. प्योर ईवी में जीरो टेलपाइप उत्सर्जन होता है, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है. क्योंकि चूंकि ईवी की इलेक्ट्रिक मोटर एक क्लोज सर्किट पर चलती है, इसलिए यह किसी भी हानिकारक गैसों का उत्सर्जन नहीं करती है.

बड़ा केबिन और अधिक स्टोरेज

कम चलने वाले हिस्सों के साथ, इलेक्ट्रिक वाहन में इन स्थानों को स्टोरेज में बदलने और बड़े केबिन रूम की सुविधा मिलती है. आप हुड के नीचे भी स्टोरेज क्षमता पा सकते हैं. क्योंकि ईंधन से चलने वाले वाहनों की तुलना में ईवी मोटर और बैटरियां ज्यादा जगह नहीं लेती हैं.

शून्य उत्सर्जन

ईवी में टेलपाइप का उत्सर्जन शून्य होता है, जिससे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिलती है. आप अपने ईवी को चार्ज करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके इसमें और कमी ला सकते हैं.

क्या होता है 'Digital Arrest'? कैसे ठग बना रहे लोगों को अपना शिकार, जानें डिटेल्स

देश में डिजिटल सेवाओं का लोग काफी लाभ उठा रहे हैं. ज्यादातर लोग ऑनलाइन कार्यों को करना सीख चुके हैं. ऑनलाइन पेमेंट से लेकर आधार अपडेट हो या कोई फॉर्म भरना हो, अब लोग ऑनलाइन ही घर बैठे अपने कार्यों को आसानी से कर लेते हैं. लेकिन एक तरफ जहां ऑनलाइन ने लोगों का काम आसान कर दिया है तो वहीं साइबर ठग भी स्मार्ट हो गए हैं.

हालही में ऐसे कई मामले आएं हैं यहां पर ठगों ने लोगों के साथ ठग करने के लिए उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया है. अब यह डिजिटल अरेस्ट क्या होता है, यही बात आप सोच रहे होंगे, तो आइए जानते हैं कि आखिर ये डिजिटल अरेस्ट क्या होता है.

क्या होता है Digital Arrest

दरअसल, डिजिटल अरेस्ट एक नया धोखाधड़ी करने का तरीका है जिसमें ठग अपने आप को सरकारी अफसर बताकर लोगों के साथ ठगी करते हैं. इसके साथ ही सरकारी अफसर बनकर वह लोगों से वीडियो कॉल करते हैं और उन्हें विश्वास में लेकर उनसे पैसों की डिमांड की पूरा करवाते हैं. वह यह काम इस प्रकार से करते हैं कि लोगों को मजबूरन उन्हें पैसे देने पड़ जाते हैं. इसी नए तरीके के धोखाधड़ी को डिजिटल अरेस्ट कहा जाता है.

इन तरीकों का होता है इस्तेमाल

आपको बता दें कि इस तरीके की धोखाधड़ी में लोगों को बताया जाता है कि उनका नाम नशीले पदार्थों की तस्करी में आया है. ऐसे में लोग डर जाते हैं. इसके बाद अपराधी अपने आप को सरकारी अफसर बताकर लोगों को विश्वास दिलाते हैं कि अगर वह उन्हें पैसे देते हैं तो वह जेल जाने से बच जाएंगे. इसी प्रकार से कई लोग इन ठगों के जाल में फंस जाते हैं और उन्हें पैसे दे देते हैं.

इसके अलावा लोगों को कई बार बताया जाता है कि उनका कोई करीबी मुसीबत में पड़ा है. किसी का बच्चा कोई पुलिस केस में फंस गया है तो उनके पैरेंट्स को फोन करके अपने जाल में फंसाने की कोशिश की जाती है.

पुलिस की वर्दी पहन कर करते हैं ज्यादातर ठगी

जानकारी के अनुसार, यह अपराधी ज्यादातर ठगी पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों से वीडियो कॉल के जरिए ठगी करते हैं. लोगों को बताया जाता है कि उनके खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई है. अगर वह बचना चाहते हैं तो उन्हें कुछ पैसे देने होंगे. इतना ही नहीं इन ठगी के शिकार इंजीनियरों और आईटी कंपनी के लोग भी हुए हैं जिन्हें काफी पढ़ा लिखा माना जाता है.

साइबर क्राइम क्या होता है? पूरी जानकारी

आज की दुनिया में इंटरनेट हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है, और जहाँ इंटरनेट के कई फायदे हैं, वहीं इसके कई जोखिम भी हैं। सबसे महत्वपूर्ण खतरों में से एक Cyber Crime है। साइबर अपराध किसी भी अवैध गतिविधि को संदर्भित करता है जो कंप्यूटर या इंटरनेट का उपयोग करके किया जाता है। हमारे देश में आज भी बहुत से लोग ऐसे है जिनको इस प्रकार के अपराधों की जानकारी नहीं होती और वे Online Fraud का शिकार हो जाते है। इसलिए आज के लेख में हम साइबर अपराध के बारे में विस्तार से जानेंगे की साइबर क्राइम क्या होता है? ऑनलाइन ठगी (Online Fraud) से कैसे बचे? साइबर क्राइम कितने प्रकार के होते है? Cyber Crime का शिकार होने पर क्या करें (helpline number & complaint online)?

साइबर अपराधी डेटा या सिस्टम तक अनाधिकृत पहुंच प्राप्त करने, व्यक्तिगत जानकारी चुराने, या व्यक्तियों या संगठनों को नुकसान पहुंचाने के लिए कई तरह की तकनीकों का उपयोग करते हैं। हम विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध और उनसे खुद को और अपने व्यवसाय को कैसे सुरक्षित रखें, इस पर चर्चा करेंगे। इसलिए इस लेख को पूरा पढ़े।

साइबर अपराध क्या होता है -

यह एक ऑनलाइन अपराध (Online Crime) है जो इंटरनेट या डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके किया जाता है। इसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी, चोरी, जासूसी, वायरस और अन्य अपराध शामिल हो सकते हैं।

यह आमतौर पर कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क और इंटरनेट संबंधी

सुरक्षा में समस्या उत्पन्न करता है, जो उपयोगकर्ताओं को प्रभावित कर सकते हैं और उनकी गोपनीय जानकारी को चोरी कर सकते हैं।

साइबर क्राइम उदाहरणों में इंटरनेट बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया खातों में उलझन, फिशिंग, मलवेयर, रैंसमवेयर और ऑनलाइन शोषण शामिल हो सकते हैं।

साइबर क्राइम कितने प्रकार के होते है -

मैलवेयर (Malware):- दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर (Malicious Software) के लिए मैलवेयर छोटा वायरस है, और यह किसी भी प्रोग्राम या कोड़ को संदर्भित करता है जिसे आपके कंप्यूटर या नेटवर्क को नुकसान पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। मैलवेयर वायरस, वर्म्स, ट्रोजन या रैंसमवेयर का रूप ले सकता है। फ़िशिंग ईमेल या संक्रमित वेबसाइटों के माध्यम से आपके कंप्यूटर पर मैलवेयर डाउनलोड (Malware download) किया जा सकता है।

फ़िशिंग:- फ़िशिंग एक ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग इन अपराधियों द्वारा आपको संवेदनशील जानकारी जैसे लॉगिन क्रेडेंशियल (Login Credentials), क्रेडिट कार्ड नंबर या सामाजिक सुरक्षा नंबर देने के लिए किया जाता है। फ़िशिंग ईमेल किसी बैंक, सरकारी एजेंसी या प्रसिद्ध कंपनी के वैध ईमेल की तरह दिखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पहचान की चोरी:- पहचान की चोरी तब होती है जब कोई आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे आपका नाम, सामाजिक सुरक्षा नंबर, या क्रेडिट कार्ड की जानकारी चुराता है और इसका उपयोग धोखाधड़ी गतिविधियों के लिए करता है। यह फ़िशिंग ईमेल या डेटा उल्लंघनों के माध्यम से हो सकता है।

डिनायल ऑफ़ सर्विस (DoS) हमले:- DoS हमले तब होते हैं जब कोई Cyber Criminal किसी नेटवर्क या वेबसाइट को ट्रैफ़िक से भर देता है, जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है या दुर्गम हो जाता है। इस प्रकार के हमले का उपयोग अक्सर जबरन वसूली के रूप में किया जाता है, जिसमें हमलावर हमले को रोकने के लिए भुगतान की मांग करता है।

साइबर स्टाकिंग:- साइबर स्टाकिंग (Cyber Stalking) तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को परेशान करने या धमकी देने के लिए इंटरनेट का उपयोग करता है। यह अवांछित संदेश या ईमेल भेजने, किसी के बारे में गलत जानकारी पोस्ट करने, या नकली सोशल मीडिया अकाउंट बनाने का रूप ले सकता है।

मानसिक बीमारी है ऑनलाइन शॉपिंग की लत, रिसर्च में हुआ खुलासा

क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो अपनी जरूरत और पॉकेट को देखे बिना ही हद से ज्यादा ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं? खुश होने पर, दुखी होने पर, तनाव होने पर ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं? अगर हां तो सतर्क हो जाइए यह एक तरह की मानसिक बीमारी है और आपको इलाज की भी जरूरत पड़ सकती है।

ऐमजॉन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, या फिर कोई भी ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट हो इन दिनों कस्टमर्स को अपनी तरफ अट्रैक्ट करने के लिए बड़े-बड़े डिस्काउंट्स दे रही हैं। सिर्फ फेस्टिव सीजन में ही नहीं बल्कि ऑफ सीजन में भी इन वेबसाइट्स पर अच्छे ऑफर्स मिल रहे होते हैं। यही वजह है कि बड़ी संख्या में लोग अब ऑनलाइन शॉपिंग को तरजीह देने लगे हैं। कुछ लोग जहां कभी-कभार ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं। वहीं, ऐसे लोगों की संख्या भी अच्छी खासी है जिनके लिए ऑनलाइन शॉपिंग करना एक आदत और लत बन चुकी है। एक्सपर्ट्स की मानें तो ऑनलाइन शॉपिंग की यही लत एक तरह की मानसिक बीमारी है।

बायइंग शॉपिंग डिसऑर्डर BSD

आपको यकीन नहीं होगा कि लेकिन बड़ी संख्या में लोग इस ऑनलाइन शॉपिंग की लत से छुटकारा पाने के लिए ट्रीटमेंट के लिए भी आते हैं। ऐसे ही 122 लोगों की जब जांच की गई तो पाया गया कि इनमें से 34 प्रतिशत मरीजों में ऑनलाइन शॉपिंग का अडिक्शन हद से ज्यादा था जिस वजह से उनमें ऐंग्जाइटी यानी बेचैनी और डिप्रेशन के लक्षण भी नजर आ रहे थे। जर्मनी के हैनोवर मेडिकल स्कूल के अनुसंधानकर्ताओं की मानें तो अब समय आ गया है जब बायइंग शॉपिंग डिसऑर्डर यानी BSD को अलग से क्लासीफाई किया जाए। साथ ही इसे एक अलग मेंटल हेल्थ कंडिशन मानकर इसके बारे में और जानकारी इक्ट्ठा की जाए।

आपको भी है खरीदारी की 'बीमारी'? ऐसे जानें

20 में 1 व्यक्ति को है बीएसडी

कॉम्प्रिहेंसिव साइकायट्री नाम के जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, विकसित देशों में करीब 5 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जिन्हें बायइंग शॉपिंग डिसऑर्डर यानी BSD की बीमारी है। दुनियाभर में हर 20 में से 1 व्यक्ति इससे प्रभावित है। इनमें से हर 3 में 1 व्यक्ति को ऑनलाइन शॉपिंग की लत लग चुकी है। अनुसंधानकर्ताओं की मानें तो, बीएसडी से पीड़ित व्यक्ति को शॉपिंग करने की तीव्र इच्छा होने लग जाती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति जितना अफोर्ड कर सकता है उससे भी ज्यादा की खरीददारी करने लगता है। इस वजह से व्यक्ति को तंगी हो जाती है, परिवार में समस्याएं होने लगती है और घर में बेवजह का सामान भी इक्ट्ठा होने लगता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स को और रिसर्च की जरूरत

अनुसंधानकर्ताओं को उम्मीद है कि उनकी इस रिसर्च और इसके नतीजों से मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स को प्रोत्साहन मिलेगा और वह बीएसडी की इस स्थिति के बारे में और जानकारी जुटाएंगे। हालांकि फिलहाल वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन WHO ने खरीददारी यानी शॉपिंग को मेंटल हेल्थ कंडिशन में नहीं रखा है, जबकी विडियो गेम अडिक्शन और गैम्ब्लिंग यानी जुआ खेलने को रखा जा चुका है।

ऑनलाइन शॉपिंग में यूज करें ये टिप्स

शॉपिंग इंफ्लूएंसर्स और साइट्स से दूरी बनाएं सोशल मीडिया और टीवी पर नए प्रोडक्ट के रिव्यू, शॉपिंग इंफ्लूएंसर्स और ऐसी साइट्स से दूरी बनाएं. खर्चे रोककर हफ्ते में 500 से 5 हजार तक की बचत करें. इससे आपकी ऑनलाइन शॉपिंग की आदत खत्म होना शुरू हो जाएगी.इमरजेंसी फंड को खर्च करने से आपको हमेशा बचना चाहिए, अगर कोई बड़ी मुसीबत न आ जाए तब तक इमरजेंसी फंड को हाथ नहीं लगाना चाहिए.नए स्किल्स सीखने के लिए डू-इट-योरसेल्फ प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जैसे कि घरेलू सामानों की मरम्मत खुद करना शुरू करें.

ऑनलाइन शॉपिंग की भी लगती है लत! छुटकारा पाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेट्रो सिटी और देश की राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई सहित दूसरे शहरों में ऑनलाइन शॉपिंग का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है. ये क्रेज कई बार आपके लिए मुसीबत भी बन जाता है, क्योंकि कई बार ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर का लालच देखकर हम बजट से ज्यादा की शॉपिंग कर बैठते हैं. लोगों की इस आदत को अब एक्सपर्ट लत के तौर पर देख रहे हैं, क्योंकि ये वाकया अगर एक बार हो तो समझ में आता है. ऐसी स्थिति लोगों के सामने महीने में कई बार आ जाती है, जब वो बजट से ज्यादा की ऑनलाइन शॉपिंग और कई ऐसी चीजों को खरीद लेते हैं, जिनकी उनको वास्तविकता में कोई जरूरत नहीं होती.अगर आपके साथ भी ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान हो रहा है तो ये चिंता की बात है. क्योंकि एक तो आपको बजट बिगड़ेगा, दूसरा आप अपने आसपास ऐसी चीजों को जोड़ लेंगे जिनकी आपको वास्तिवकता में कोई जरूरत नहीं है. ऐसे में ये चीज या तो कबाड़ में फेकनी पड़ेगी या फिर इनको डस्टबिन में डालना पड़ेगा. अगर आप इस पूरी प्रोसेस को समझना चाहते हैं तो यहां हम इसके कारण और इसके बचाव के बारे में आपको विस्तार से बता रहे हैं.भारत के अलग-अलग हिस्सों में साल के हर महीने कोई न कोई त्यौहार मनाया जाता है, जिसका फायदा उठाने के लिए ऑनलाइन शॉपिंग साइट समय-समय पर ऑफर्स और सेल की घोषणा करती हैं. इन्हीं ऑफर्स के फेर में जब यूजर्स उलझते हैं तो वो फिर उलझते जाते हैं. दरअसल इस सेल में आपको किसी एक प्रोडक्ट पर डिस्काउंट ऑफर किया जाता है, जबकि आप जब ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं तो ज्यादातर बार आप एक से ज्यादा प्रोडक्ट खरीदते हैं और इसी का फायदा ऑनलाइन शॉपिंग साइट उठाती हैं।

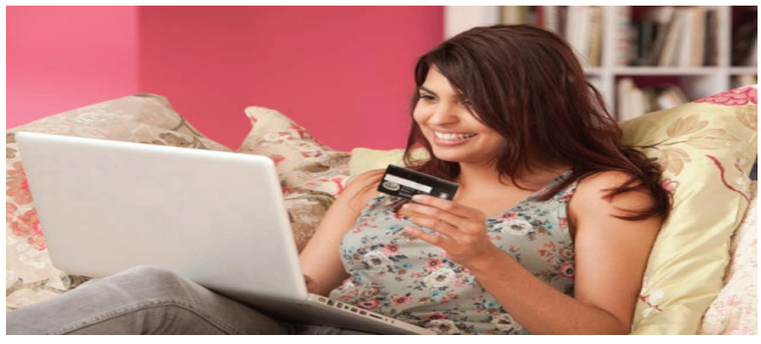

साइकलोजी का भी है बड़ा खेल

बड़े शहरों में नौकरी पेशा वाले ज्यादातर लोग अकेले रहते हैं. इसी वजह से वो ऑफिस के बाद ज्यादातर टाइम इंटरनेट पर गुजारते हैं. इस दौरान बहुत से लोगों को ऑनलाइन साइट पर शॉपिंग करके खुशी मिलती है और एक समय के बाद उनको इसकी आदत लग जाती है. जिससे जब भी ये लोग ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं तो इनके दिमाग में हैप्पीनेस हार्मोन निकलता है और इनको शॉपिंग करके खुशी मिलती है.

इससे निपटने के लिए कई देशों में नो स्पेंड चैलेंज शुरू किया गया है, जिसमें हफ्ते में कम से कम एक दिन शॉपिंग पर खर्च न करने का नियम है. इस नियम के तरत आप हफ्ते में एक दिन न तो ऑनलाइन कुछ खरीदते हैं और न ही ऑफलाइन कुछ खरीदते हैं.

ऑनलाइन क्लासेज बच्चों के लिए कितनी खतरनाक किन-किन बीमारियों का बनाती हैं शिकार?

आजकल के बच्चों को सोशल मीडिया की लत लग गई है. खाना खाते वक्त, ऑनलाइन क्लास हर जगह मोबाइल फोन, टीवी, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल के कारण वर्चुल ऑटिज्म का शिकार हो रहे हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटिज्म बीमारी के मरीजों की संख्या दिन पर दिन बढ़ रही है. पूरी दुनिया में इसे लेकर कई रिसर्च किए गए जिसमें यह साफ हुआ कि 4-5 साल के बच्चों में वर्चुअल ऑटिज्म का खतरा काफी ज्यादा बढ़ा है. मोबाइल फोन, टीवी और कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स की लत के कारण आजकल के बच्चों में बोलने की बीमारी हो जाती है. आजकल मॉडर्न लाइफस्टाइल के बीच सबसे ज्यादा खामियाजा बच्चे को भुगतना पड़ता है. एक साल के बच्चे भी फोन, टैब और टीवी के बिना खाना नहीं खाते हैं. इस तरीके से आजकल बच्चों के बीच फोन का इस्तेमाल काफी ज्यादा हो रहा है. बच्चे किसी न किसी वजह से काफी ज्यादा फोन का इस्तेमाल करते हैं. फोन और टैब का काफी ज्यादा इस्तेमाल करते हैं. रिसर्च के मुताबिक ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से बच्चों के न्यूरोलॉजिकल डेवलपमेंट और सोशल डेवलपमेंट पर काफी खराब असर होता है. इससे बच्चों को न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का भी खतरा रहता है.

इस वजह से बच्चों को रहता है स्ट्रोक का खतरा

पूर्वी फिनलैंड यूनिवर्सिटी और यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी कांग्रेस 2023 की एक रिसर्च के मुताबिक जो बच्चे ज्यादा फोन का इस्तेमाल करते हैं. वह यंग एज में ही दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा बढ़ता है. ऐसा इसलिए होता है कि वह फोन देखने के चक्कर में उतना फिजिकली एक्टिव नहीं रहते हैं.जितना उन्हें होना चाहिए. जो बच्चे कम एक्टिव होते हैं उन्हें अक्सर हार्ट और स्ट्रोक का खतरा का काफी ज्यादा बढ़ जाता है. वजन और प्रेशर कंट्रोल में भी रहे लेकिन हार्ट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा रहता है. यह रिसर्च 1990 और 1991 में पैदा हुए 14,500 के बच्चों पर यह रिसर्च किया गया है.

ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से बच्चों को हो जाएगी दिल की बीमारी

रिसर्च में पाया गया कि जो बच्चे ज्यादा फोन और टैब देखते हैं जिसकी वजह से उनकी फिजिकल एक्टिविटी कम होती है. ज्यादा वक्त फोन पर बिताते हैं. जिसकी वजह से उन्हें गंभीर इकोकार्डियोग्राफी बीमारी होती है. इसलिए फिजिकली इनएक्टिव होते हैं.

इन बीमारियों का बढ़ जाता है खतरा

जो बच्चे फिजिकली एक्टिव नहीं रहते हैं. उन्हें काफी कम उम्र में मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज हो जाता है. ऐसे बच्चों में मोटापा और डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे बच्चों में न्यूरोडीजेनेरेटिव की बीमारी और दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा बढ़ता है. आजकल के बच्चे फोन की वजह से समाज से कटते चले जा रहे हैं.

बच्चों का स्क्रीन टाइम कैसे कम करें?

आजकल माता-पिता दोनों जॉब में है ऐसे में वह बच्चों को अपना ज्यादा वक्त नहीं देते हैं. पेरेंट्स को ज्यादा से ज्यादा वक्त अपने बच्चों को देना चाहिए. बातचीत करें और उनके साथ खेलें. बच्चों को घर से बाहर ले जाए जैसे पार्क या कोई गेम खेलें. घर में बच्चों के साथ क्रिएटिव क्राफ्ट, ड्रॉइंग या दूसरी एक्टिविटीज में शामिल करें.छुट्टी वाले दिन बच्चों को उनके काम जैस बैग, जूते और दूसरी चीजें साफ करना सिखाए. बच्चों को उनकी पसंदीदा एक्टिविटी जैसे- डांस, सिंगिंग, स्केटिंग या जूडो कराटे सिखाएं.

क्या आप भी फ्रीलांसिंग से करना चाहते हैं कमाई? तो जान लें इसके नुकसान और फायदे

फ्रीलांसिंग एक कॉन्ट्रैक्ट– बेस्ड व्यवसाय है जहां व्यक्ति सिर्फ किसी एक संस्थान में काम नहीं करते बल्कि अपनी सेवा कई सारे क्लाइंट्स को देते है। फ्रीलांसिंग करने वालों को फ्रीलांसर कहते है। यह घर बैठे पैसा कमाते हैं। ये मैनेजमेंट, कॉपीराइटर या पुनर्लेखकों के कार्य करने के साथ कई मुद्दों पर स्वतंत्र सलाहकार के रूप में भी काम कर सकते हैं। इनको किसी कार्यालय में सुबह-शाम हाजरी नहीं लगानी पड़ती, ये अपने अनुभव व स्किल के दम पर घर बैठे अपने समय व मनमर्जी के अनुसार पैसा कमा सकते हैं। फ्रीलांसिंग को एक उदाहरण के तौर पर समझ सकते हैं, अगर कोई यूट्यूबर (YouTuber) है और वह अपना विडियो बनाता है पर उसके पास इतना समय नहीं है कि वह अपने वीडियो को एडिट कर सकें या फिर उसे वीडियो एडिटिंग नही आती हैं। तो फिर वह ऐसे व्यक्ति को ढूंढेगा, जो उसकी वीडियो की एडिटिंग कर सकें। दूसरी तरफ आपको वीडियो एडिटिंग आती है। आप दोनों का किसी freelancing website या किसी और माध्यम से संपर्क हुआ। आपको उन्होंने वीडियो एडिटिंग करने का प्रोजेक्ट दिया आपने

उसे तय समय में पूरा किया जिसके बदले आपको पैसे मिले। इस काम को ही फ्रीलांसिंग कहते हैं। फ्रीलांसिंग के लिए आपके पास एक लैपटॉप या कंप्यूटर, आपके काम से जुड़ी जरूरी सॉफ्टवेयर और अच्छी नेटवर्क कनेक्शन होनी चाहिए

फ्रीलांसिंग के फायदे

इसका सबसे बड़ा फायदा समय और पैसा बचाना है। आपको किसी के स्थापित कार्य नियम का पालन करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आप अपने ऑफिस आने-जाने के खर्च के साथ बाहर खाने पर होने वाले खर्च का भी बचत कर सकेंगे।फ्रीलांसर के पास कहीं भी और कभी भी काम करने की क्षमता होती है। किस कार्य के प्रति खास लगाव नहीं होता, व्यक्तिगत कारणों से छुट्टी लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती, अपने परिवार के साथ यात्रा पर जाने के लिए छुट्टियों का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होती। आप कहीं भी कभी भी कार्य कर सकते हैं। क्लाइंट के साथ बैठकों के लिए समय की बर्बादी की आवश्यकता नहीं है, सभी कार्य दूर से ही हो जाता है। किसी के नेतृत्व को स्वीकार करने की जरूरत नहीं पड़ती, फ्रीलांसर अपना बॉस खुद होता है। इस क्षेत्र में स्थिर आय और विशाल अवसर। अगर आप लगातार फ्रीलांसर का कार्य कर रहे हैं, तो आपकी मार्केट वैल्यू बढ़ेगी, अच्छी सेवाओं के बदले अच्छा पैसा भी मिलेगा। पैसे के लिए आपको माह के आखिरी दिनों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा, आपको प्रतिदिन धन प्राप्त हो सकता है। ऑनलाइन काम करने से दैनिक आय हो सकती है। चुने हुए क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति के पास पत्रकारिता का डिप्लोमा है, तो वह एक पत्रकार के रूप में अपनी स्वतंत्र सेवाएं प्रदान कर सकता है। आप एक कॉपी राइटर, एडिटर का कार्य भी कर सकते हैं।

फ्रीलांसिंग के नुकसान

फ्रीलांसिंग का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यहां पर आपको रेगुलर इनकम नहीं मिल सकती, अगर आप जॉब नहीं करते और फ्रीलांसिंग के भरोसे अपना जीवन जीना चाहते हैं तो आपको मुश्किल हो सकती है।

फ्रीलांसरों को आज भी सामाजिक समर्थन नहीं मिलता। यहां छुट्टी और बीमार छुट्टी का भुगतान नहीं किया जाता है। आपको खुद यह सोचने की जरूरत है कि छुट्टी पर जाना है या फिर काम करके पैसे कमाने हैं।फ्रीलांसरों को कई बार दिन-रात कार्य करना पड़ता है, अगर आप इंडिया के हैं और आपका क्लाइंट अमेरिका का, तो दोनों के टाइम जोन में अंतर होगा। अगर आप अपने क्लाइंट से कम्युनिकेशन बनाने के लिए रात-रात भर जागकर कार्य करोगे। इससे कई बार परिवार व प्रियजनों के साथ रिश्ते में खटास आ जाती है।

फ्रीलांसिंग की दुनिया में कई बार लोगों के साथ फ्रॉड भी किया जाता है। अगर आपने कोई प्रोजेक्ट बिना पहले भुगतान लिए करके दे दिया और आपका क्लाइंट आपको पैसे नहीं दे रहा है तो आपकी मेहनत बेकार चली जाएगी।

अब किसान घर बैठे ऑनलाइन मंगवा सकेंगे कई प्रकार के बीज

आगामी फसल सीजन से पहले बनाई गई, नई श्रेणियों में करीब 8,000 प्रकार के बीजों की किस्म शामिल हैं, जिन्हें देशभर में बढ़ाने के लिए केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य शासी निकायों द्वारा खरीदे जाने का प्रावधान है.

सरकारी ई-मार्केटप्लेस यानि जेम पोर्टल पर बीज की 170 श्रेणियां लॉन्च की गई हैं. जिसका उद्देश्य किसानों की गुणवत्तापूर्ण कृषि और बागवानी बीजों तक पहुंच को आसान बनाना है. सरकारी एजेंसी की ओर से जारी किए गए आधिकारिक बयान में बताया गया है कि आगामी फसल सीजन से पहले बनाई गईं, नई श्रेणियों में लगभग 8,000 प्रकार के बीज की किस्मों को शामिल किया गया है. जिन्हें देशभर में आगे प्रसार के लिए केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य शासी निकायों द्वारा खरीदा जा सकेगा.

राज्य बीज निगमों और अनुसंधान निकायों सहित पक्षकारों के साथ परामर्श के बाद बनाई गई बीज श्रेणियां जीईएम पोर्टल पर बीज खरीदने के लिए एक तैयार रूपरेखा दे रही है. जिसमें मौजूदा नियम और शर्तों को शामिल किया गया है. इन नियम व शर्तों को भारत सरकार ने खरीद प्रक्रिया को आसान बनाने को बनाया है.

सुविधाजनक बनाना है मकसद

पोर्टल पर बीज की नई श्रेणियां जोड़ना जीईएम की लंबी रणनीति का एक हिस्सा है. इस कदम का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के साथ, निविदा प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को कम करना, सरकारी खरीद में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना भी है, जबकि देश भर में विक्रेताओं की बढ़ती भागीदारी को सुविधाजनक बनाना भी प्रमुख उद्देश्य है.

उपयोग के लिए प्रोत्साहित

जीईएम की डिप्टी सीईओ, रोली खरे ने कहा है कि इसे विक्रेताओं को इन नई बीज श्रेणियों का फायदा मिलेगा और सरकारी निविदाओं में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए अपनी मांग के अनुसार सूचीबद्ध करने के लिए आमंत्रित करते हैं. बीज निगमों और राज्य निकायों को गुणवत्तापूर्ण बीजों की लागत प्रभावी खरीद के लिए नई श्रेणियों का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहन कर रहे हैं.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फसल उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए इस साल अगस्त में फसलों की 109 उच्च उपज वाली, जलवायु लचीली और बायोफोर्टिफाइड किस्मों को जारी किया था.

ये किसान ले सकते हैं पीएम फसल बीमा योजना का फायदा

इस तरह आसानी से कर सकते हैं अप्लाई

भारत में केंद्र और राज्य सरकारें कई योजनाएं चला रही हैं, जिनका उद्देश्य देश के विभिन्न वर्गों को लाभ पहुंचाना है. कहीं आर्थिक सहायता दी जाती है, तो कहीं आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जाती हैं. ऐसी ही एक अहम योजना है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जो किसानों के लिए विशेष रूप से राहतकारी साबित हुई है. इस योजना के तहत यदि किसी किसान की फसल बारिश, सूखा या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण खराब होती है, तो सरकार उसकी भरपाई करती है. यह योजना किसानों को उनके नुकसान की भरपाई करने में मदद करती है, ताकि वे आर्थिक संकट से उबर सकें.

यदि आप भी एक किसान हैं और इस योजना से लाभ लेना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपको इसकी पात्रता को समझना होगा. आइए जानते हैं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थी कौन-कौन हैं और इसके लिए आवेदन कैसे कर सकते हैं.

पात्रता की शर्तें

योजना का लाभ केवल भारतीय किसानों को दिया जाता है.

जो किसान अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि के मालिक हैं या किराए पर खेती करते हैं, वे पात्र हैं.

इस योजना में मध्यम वर्गीय किसानों को भी शामिल किया गया है, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान लाभ उठा सकें.

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

- आधार कार्ड
- बैंक खाता पासबुक
- खसरा नंबर
- बुवाई का प्रमाण पत्र
- जमीन से जुड़े अन्य दस्तावेज

आवेदन प्रक्रिया

स्टेप 1: सबसे पहले आपको प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की वेबसाइट पर जाना होगा.

स्टेप 2: वेबसाइट पर "फॉर्मर कॉर्नर" के विकल्प पर क्लिक करें.

स्टेप 3: यहां आपको 'गेस्ट फॉर्मर' विकल्प पर क्लिक करना है.

स्टेप 4: इसके बाद सामने आए फॉर्म में सभी जरूरी जानकारी भरें.

स्टेप 5: फॉर्म पूरा होने के बाद, कैप्चा कोड भरकर "क्रिएट यूजर" पर क्लिक करें.

स्टेप 6: अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर का उपयोग करके पोर्टल पर लॉगिन करें और आवेदन प्रक्रिया पूरी करें.

किसानों को बड़ी सुविधा, अब ग्राम पंचायत स्तर पर मिल सकेगा मौसम का पूर्वानुमान

ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है ताकि पंचायतें और किसान मौसम की जानकारी का अधिकतम लाभ उठा सकें.किसानों के लिए अच्छी खबर है. अब उन्हें ग्राम पंचायत स्तर पर ही मौसम पूर्वानुमान का पता लग सकेगा. जिससे देशभर के 2.5 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायतों के निवासियों को स्थानीय मौसम की सटीक जानकारी मिलेगी. ये पहल किसानों को उनकी बुवाई और कटाई के समय को बेहतर तरीके से नियोजित करने और जलवायु संबंधी जोखिमों के लिए तैयार रहने में सहायता करेगी.

ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

इस अवसर पर केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान का यह प्रयास भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में एक बड़ा योगदान देगा. उन्होंने इस प्रणाली को ग्रामीण शासन और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में निर्णायक परिवर्तन का वाहक बताया, जिससे किसानों को जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक किया जा सकेगा. यह पहल न केवल ग्रामीण नागरिकों को समय पर मौसम की जानकारी देगी, बल्कि बाढ़, सूखा और अनिश्चित मौसमी बदलावों से बचाव में भी सहायक सिद्ध होगी.

आधुनिक तकनीक से बढ़ेगा पूर्वानुमान की सटीकता

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मौसम पूर्वानुमान में हुए सुधार का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया. उन्होंने बताया कि एआई, मशीन लर्निंग और विस्तारित अवलोकन नेटवर्क जैसी उन्नत तकनीक इस प्रणाली को और भी अधिक सटीक बना रही हैं. IMD और पंचायती राज मंत्रालय के इस संयुक्त प्रयास से, ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा तैयारी और कृषि उत्पादन में सुधार की उम्मीद की जा रही है.

ग्रामीण विकास के लिए नई रणनीति

पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह ग्रामीण भारत को स्मार्ट, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है. उन्होंने किसानों के जीवन पर इसके सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करते हुए पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस मौसम पूर्वानुमान जानकारी का पूरी तरह से लाभ उठाएं और इसे ग्रामीण नागरिकों तक पहुंचाएं.

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सुलभ होगी जानकारी

मौसम पूर्वानुमान डेटा अब मेरी पंचायत ऐप, ई-ग्राम स्वराज, और ग्राम मानचित्र जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से पंचायत स्तर पर उपलब्ध होगा. इन प्लेटफार्मों के माध्यम से पंचायतें परियोजना ट्रैकिंग, संसाधन प्रबंधन और स्थानिक नियोजन जैसे कार्यों में सुधार कर पाएंगी, जिससे ग्रामीण विकास में गति आएगी.

प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

इस कार्यक्रम के तहत 200 से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों के लिए "ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान" पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें उन्हें मौसम पूर्वानुमान उपकरणों की समझ और उपयोग के व्यावहारिक प्रशिक्षण दिए गए.

हाइड्रोपोनिक खेती से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी

हाइड्रोपोनिक खेती क्या होती है?

हाइड्रोपोनिक खेती एक उन्नत कृषि पद्धति है, जिसमें पौधों को मिट्टी की जगह पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है।इस विधि में पौधों की जड़ों को सीधे पोषक तत्वों के घोल में डुबोया जाता है या एक माध्यम (जैसे कोको पीट, पर्लाइट, या रॉकवूल) में उगाया जाता है। इस तकनीक से किसान कम पानी, जगह, और संसाधनों का उपयोग करके अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं।

हाइड्रोपोनिक खेती कैसे की जाती है?

हाइड्रोपोनिक खेती करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ता है:

पौधों का चयन

हाइड्रोपोनिक खेती के लिए सबसे उपयुक्त पौधे वे होते हैं जो जल्दी बढ़ते हैं और ज्यादा पोषक तत्व की जरूरत नहीं होती, जैसे पालक, लेट्यूस, टमाटर, धनिया, और मिर्च।

हाइड्रोपोनिक सिस्टम का चयन

हाइड्रोपोनिक खेती के लिए विभिन्न सिस्टम उपलब्ध हैं, जैसेः डीप वाटर कल्चर (DWC)न्यूट्रिएंट फिल्म टेक्निक (NFT),ड्रिप सिस्टम एरोपोनिक्स, पोषक तत्वों का घोल तैयार करना पौधों के विकास के लिए नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, और सल्फर जैसे पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ये पोषक तत्व घोल के रूप में तैयार किए जाते हैं।

जगह और संरचना का निर्माण

भारत में गर्मी और ठंडे मौसम को ध्यान में रखते हुए ग्रीनहाउस या पॉलीहाउस का निर्माण किया जाता है।इससे पौधों को मौसम की मार से बचाया जा सकता है।

पौधों की देखभाल

पौधों को नियमित रूप से पानी, पोषक तत्व, और रोशनी की आवश्यकता होती है। पौधों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें और समय-समय पर घोल को बदलें।

हाइड्रोपोनिक खेती के क्या लाभ हैं?

हाइड्रोपोनिक खेती से किसानों को कई लाभ मिलते हैंः पानी की बचत पारंपरिक खेती की तुलना में हाइड्रोपोनिक खेती में 90% तक पानी की बचत होती है। कम जगह की जरूरत यह खेती कम जगह में अधिक फसल उगाने की सुविधा देती है।

जैविक और शुद्ध उत्पादन

इस तकनीक से उगाई गई फसलें रसायन-मुक्त और स्वस्थ होती हैं। तेज़ विकास दर पौधे पोषक तत्व सीधे प्राप्त करते हैं, जिससे उनका विकास तेज़ होता है।

मौसम पर निर्भरता कम

ग्रीनहाउस या कंट्रोल्ड वातावरण में यह खेती किसी भी मौसम में की जा सकती है। हाइड्रोपोनिक खेती की लागत कितनी है? भारत में हाइड्रोपोनिक खेती की लागत निम्न बातों पर निर्भर करती हैः

ग्रीनहाउस या पॉलीहाउस का निर्माण

ग्रीनहाउस बनाने की लागत 5 लाख से 20 लाख तक हो सकती है। हाइड्रोपोनिक सिस्टम एक छोटे सिस्टम की लागत 50,000 से शुरू होती है और बड़े सिस्टम के लिए यह 10 लाख तक हो सकती है।

पोषक तत्व और बीज

पोषक तत्व और बीज की वार्षिक लागत 10,000 से 50,000 तक होती है। पानी और बिजली खर्च पानी और बिजली का खर्च क्षेत्र और सिस्टम पर निर्भर करता है। हाइड्रोपोनिक खेती के नुकसान क्या हैं? हालांकि हाइड्रोपोनिक खेती के कई लाभ हैं, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं:

प्रारंभिक निवेश अधिक

शुरुआती लागत अधिक होने के कारण छोटे किसान इसे आसानी से अपनाने में सक्षम नहीं होते।तकनीकी जानकारी की जरूरतइस विधि में विशेषज्ञता और तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होती है। बिजली पर निर्भरता यह खेती बिजली पर निर्भर करती है, जो ग्रामीण इलाकों में एक चुनौती हो सकती है।

पौधों की देखभाल

पौधों की नियमित देखभाल और निगरानी आवश्यक है। एक छोटी सी गलती से पूरी फसल बर्बाद हो सकती है।

क्या हाइड्रोपोनिक खेती भारत में लाभदायक है? भारत में हाइड्रोपोनिक खेती एक लाभदायक विकल्प बन सकती है, खासकर शहरी इलाकों और उन जगहों पर जहां जमीन और पानी की कमी है। उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियां और फसलें उगाकर किसान अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। इसके अलावा, भारत में जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग इसे और भी फायदेमंद बनाती है।हाइड्रोपोनिक खेती भारतीय किसानों के लिए एक नई और उन्नत तकनीक है, जो कम संसाधनों में बेहतर उत्पादन की संभावना प्रदान करती है।

सर्दी के मौसम में करें इस सब्जी की खेती, 2 महीने कर सकते हैं बंपर कमाई

खेती में नई-नई तकनीक आने के बाद सब्जियों की खेती में मुनाफा बढ़ने लगा है. कुछ सब्जियां ऐसी भी हैं, जो बेहद कम वक्त में बढ़िया मुनाफा दे जाती हैं. टमाटर, धनिया, पालक और मूली जैसी सब्जियों की खेती से किसान रोजाना हजार रुपये से ज्यादा तक मुनाफा कमा सकते हैं. ऐसे में अक्टूबर माह में की जाने वाली मूली की खेती को लेकर कृषि वैज्ञानिकों ने वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के टिप्स दिए हैं, जिससे किसान अच्छा मुनाफा कमा सकते अब सब्जी उत्पादन से अच्छा पैसा कमाने के लिए किसान आधुनिक तकनीकों, उन्नत किस्मों और विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार वैज्ञानिक खेती कर रहे हैं. इससे सब्जियों की गुणवत्ता तो बेहतरीन रहती है, साथ ही बाजार में भी अच्छे दाम मिल जाते हैं. सरहदी बाड़मेर जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर स्थित शिवकर गांव में किसान मूली सहित अन्य सब्जियों की खेती कर रहे हैं. किसानों को उनकी मेहनत का उचित मुआवजा भी मिल जाता है. मूली की खेती की सही तकनीक अपनाने से न केवल पैदावार अच्छी होती है, बल्कि बाजार में भी इसका अच्छा दाम मिलता है. इस समय मूली की खेती कैसे की जाए, इसके बारे में बाड़मेर उद्यानिकी विभाग के उप निदेशक बनवारीलाल खेत की तैयारी से लेकर, बुवाई, सिंचाई और फसल की देखभाल तक की पूरी जानकारी दी गई है. उपनिदेशक बनवारी लाल ने बताया कि मूली की उन्नत किस्मों में पूसा चेतकी, पूसा हिमानी, जापानी सफेद, पूसा रेशमी आदि शामिल हैं.

IPL 2025 में इन 3 टीमों का बल्लेबाजी विभाग है सबसे मजबूत

किसी भी बॉलिंग अटैक की उड़ा सकते हैं धज्जियां

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में कई टीमों ने अपने बल्लेबाजी विभाग को मजबूत किया है, जिससे दूसरी टीमों के गेंदबाजी आक्रमण को काफी नुकसान पहुंच सकता है. आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के बाद कई टीमों ने अपनी बैटिंग लाइनअप को मजबूत किया है. इस बार टी20 क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट में बल्लेबाजों का दबदबा बढ़ने वाला है और यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी टीम सबसे दमदार बैटिंग अटैक के साथ मैदान पर उतरने वाली है. हर साल बल्लेबाज आईपीएल में नए रिकॉर्ड बनाते हैं और 250 रन का आंकड़ा अब आम लगने लगा है. इतना ही नहीं आईपीएल में बल्लेबाजों के लिए शतक और अर्धशतक भी आम बात हो गई है. ऐसे में आइए जानते हैं कि आईपीएल 2025 में किन तीन टीमों का बैटिंग अटैक सबसे दमदार है.

कोलकाता नाइट राइडर्स

कोलकाता नाइट राइडर्स के पास मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप है. वेंकटेश अय्यर, रहमुल्लाह गरबाज, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, अजिंक्य रहाणे और अंक्रिश राघवंशी जैसे बल्लेबाजों से सजी टीम किसी भी गेंदबाज को कड़ी टक्कर दे सकती है. क्विंटन डी कॉक की आक्रामक बल्लेबाजी शैली, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल की शानदार बल्लेबाजी कोलकाता को मध्यक्रम में मजबूती देती है. यह टीम इस सीजन में किसी भी विपक्षी टीम के गेंदबाजों को चुनौती दे सकती है.

दिल्ली कैपिटल्स

दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में कई बेहतरीन बल्लेबाजों को शामिल किया है, जिसमें जेक फ्रेजर-मैकगर्क, केएल राहुल, फाफ डु प्लेसिस, ट्रिस्टन स्टब्स और हैरी ब्रूक जैसे नाम शामिल हैं. इसके अलावा अक्षर पटेल का अनुभव भी टीम को मिडिल ऑर्डर में मजबूती देगा. इस बार दिल्ली की टीम बल्लेबाजी में भारी टीम के रूप में तैयार है, जो विपक्षी गेंदबाजों के लिए कड़ी चुनौती पेश करेगी.

सनराइजर्स हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद इस बार मजबूत बैटिंग लाइनअप के साथ मैदान में उतरेगी. हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन, ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा और नितीश रेड्डी जैसे खिलाड़ी टीम में हैं, जो किसी भी गेंदबाज को टक्कर देने की क्षमता रखते हैं. पिछले सीजन में गेंदबाजों के लिए सिरदर्द बने ये बल्लेबाज इस बार भी इनसे ज्यादा उम्मीदें जताई जा रही हैं. हैदराबाद के पास शानदार बैटिंग कॉम्बिनेशन है, जो मैच का रुख पलटने में सक्षम है.

राजस्थान रॉयल्स के करोड़ों बर्बाद, 13 साल का बल्लेबाज पहले ही मैच में बुरी तरह हुआ फेल

IPL 2025 के मेगा ऑक्शन में कई बड़े खिलाड़ियों पर धनवर्षा हुई। भारतीय खिलाड़ियों ने पहले ही दिन IPL इतिहास के सबसे महंगा खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड कई बार तोड़ा लेकिन अंत में बाजी ऋषभ पंत ने मारी। पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स यानी LSG ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा। पहले दिन मेगा ऑक्शन में पंत ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी जबकि दूसरे दिन 13 साल के खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। ये खिलाड़ी और कोई नहीं बल्कि वैभव सूर्यवंशी हैं जिन्हें खरीदने के लिए सभी टीमों में जमकर होड़ मची लेकिन आखिर में राजस्थान रॉयल्स (RR) की टीम बाजी मारने में कामयाब रही। वैभव को 1 करोड़ 10 लाख में राजस्थान ने अपनी टीम में शामिल किया।

वैभव सूर्यवंशी का बेस प्राइस सिर्फ 30 लाख था लेकिन उन्हें करीब 4 गुना ज्यादा रकम में खरीदा गया। इस तरह 13 साल के वैभव IPL ऑक्शन में बिकने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। इससे पहले इतनी छोटी उम्र का कोई भी खिलाड़ी IPL ऑक्शन में नहीं खरीदा गया था। इस तरह ऑक्शन में वैभव के नाम का डंका बज गया।

राजस्थान रॉयल्स का करोड़पति हुआ फेल

IPL 2025 के मेगा ऑक्शन में करोड़पति बनने के बाद वैभव सूर्यवंशी से फैंस और उनकी टीम को काफी उम्मीदें थी, लेकिन ये सारी उम्मीदें अंडर-19 एशिया कप के पहले ही मैच में धरी की धरी रह गईं। दरअसल, ACC मेन्स अंडर-19 एशिया कप के पहले मैच में भारतीय टीम पाकिस्तान का सामना करने उतरी। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 281 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसमें शाहजेब खान ने रिकॉर्ड 159 रनों की पारी खेली। पाकिस्तान के इस स्कोर के जवाब में आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी भारतीय पारी का आगाज करने मैदान पर उतरे लेकिन जल्द ही पवेलियन लौट गए।

भारतीय सलामी जोड़ी फ्लॉप

आयुष म्हात्रे सिर्फ 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके कुछ देर बाद ही वैभव सूर्यवंशी भी 1 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। वैभव ने 9 गेंदों का सामना किया लेकिन 1 रन से आगे नहीं बढ़ पाए। अली रजा ने वैभव को अपना शिकार बनाया। इस तरह राजस्थान रॉयल्स का करोड़पति खिलाड़ी अपने पहले ही मैच में बुरी तरह फेल हो गया।

जानिए वास्तु शास्त्र के अनुसार कैसा होना चाहिए घर का नक्शा

आपको बता दें कि ज्योतिष शास्त्र में वास्तु का काफी महत्व होता है और इसी के आधार पर अपने घर का निर्माण करना चाहिए। क्योंकि अगर जातक वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करके अपने घर का नक्शा तैयार करता है, तो उसे काफी लाभ होता है। लेकिन अगर वह वास्तु नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसे अपने जीवन में नकारात्मकता का सामना करना पड़ता है। इसी के साथ उसके जीवन में कई तरह की परेशानियां भी आती हैं। तो चलिए जानते हैं कि वास्तु अनुसार किस प्रकार घर का नक्शा तैयार किया जाता है।

जब आप अपने घर का निर्माण करवाएं, तो वास्तु अनुसार घर का नक्शा जरूर तैयार करना चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आपको लाभ होता है और घर में वास्तु दोष उत्पन्न नही होता। साथ ही घर में सुख-शांति बनी रहती है।

वास्तु अनुसार घर का नक्शा

वास्तु अनुसार घर का नक्शा बनाना बेहद महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि जब आप घर का नक्शा वास्तु के अनुसार बनाते हैं, तो आपके घर में वास्तु दोष उत्पन्न नहीं होता है। इसी के साथ आपके घर का हर कोना दिशाओं के अनुकूल बनता है और इससे आपको काफी लाभ होता है।

घर का नक्शा और दिशाएं

आपको बता दें कि वास्तु शास्त्र में दिशाएं काफी महत्वपूर्ण होती हैं और घर का नक्शा बनवाते समय दिशाओं को ध्यान में रखना चाहिए। साथ ही वास्तु शास्त्र के अनुसार 9 दिशाएं होती है जिसमें से 8 दिशा होती हैं और एक मध्य दिशा मानी जाती है। आपको बता दें कि मध्य दिशा काफी महत्वपूर्ण होती है। वास्तु अनुसार घर का मध्य स्थान उसमें रहने वाले लोगों के जीवन पर बहुत गहरा असर डालता है।

चलिए जानते हैं कि कौन सी दिशा जातक के जीवन के किस क्षेत्र से संबंधित होती हैं:

दक्षिण दिशाः दक्षिण दिशा जातक के कैरियर क्षेत्र से संबंधित होती हैं।दक्षिण पश्चिम दिशाः यह दिशा ज्यादा के ज्ञान और बुद्धिमाता से संबंधित होती हैं। उत्तर पश्चिम दिशाः इस दिशा का संबंध धन से होता है।उत्तर दिशाः यह दिशा सामाजिक सम्मान से संबंधित होती है।पश्चिम दिशाः यह दिशा व्यक्ति के परिवार से जुड़ी होती है।दक्षिण पूर्व दिशाः यह दिशा जातक के करीबी लोगों से जुड़ी होती है। आपको बता दें कि यह वह लोग होते हैं जो आपकी सहयता के लिए हमेशा तैयार होते हैं।पूर्व दिशाः यह दिशा बच्चों से संबंधित होती है। साथ ही यह दिशा बच्चों के स्वास्थ्य, सोच को प्रभावित करती है।उत्तर पूर्व दिशाः यह दिशा प्यार और पति-पत्नी के रिश्ते से जुड़ी होती है।

घर का नक्शा और भूमि चयन

साथ ही घर बनाने के लिए भूमि का चयन करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि घर बनाने की शुरुआत तो वहीं से की जाती है। भूमि कैसी है, भूमि कहां है यह देखना जातक के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर घर बनाने के लिए भूमि वास्तु अनुसार है, तो जातक को काफी लाभ मिलेगा। लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो नकारात्मकता का सामना करना पड़ेगा।आपको घर बनाने के लिए प्लाट या फार्म हाउस के लिए वास्तु के नियमों का रखें ध्यान आपके मकान की जमीन मंदिर के पास हो, तो काफी अच्छा होगा।

इसी के साथ मंदिर के एकदम पीछे और दाएं-बाएं या सामने आपकी जमीन नहीं होनी चाहिए। साथ ही उस जगह आपकी जमीन होनी चाहिए, जहां एक नदी, 5 तालाब 21 बावडी और 2 पहाड़ मौजूद हो।साथ ही आपकी जमीन के सामने कोई खंबा नहीं होना चाहिए।वही ईशान और उत्तर दिशा को छोड़कर कहीं भी पानी का टैंक नहीं होना चाहिए।

साथ ही त्रिकोणीय जमीन नहीं खरीदनी चाहिए।

जमीन की लंबाई और चौड़ाई

आपको बता दें कि किसी भी जमीन की चौड़ाई से उसकी लंबाई एक अनुपात दो अधिकतम हो सकती है। इससे ज्यादा लंबाई वाले जमीन को शुभ नहीं माना जाता। साथ ही जमीन के ईशान कोण से शुभ ऊर्जा तरंगे प्रभावित होकर नैऋत्य कोण तक पहुंचती है। इसीलिए वर्गाकार चौड़ाई से डबल लंबाई वाले जमीन को शुभ नहीं माना जाता है। क्योंकि ऐसी जमीन पर बने घर में ऊर्जा का प्रभाव तीव्र में ज्यादा होता है।साथ ही जैसे-जैसे चौड़ाई से लंबाई बढ़ती जाती है ईशान कौन से प्रभावित होने वाली ऊर्जा को नैऋत्य कोण तक पहुंचने में ज्यादा समय लेती है, जिससे ऊर्जा का प्रभाव क्षीण हो जाता है। इसीलिए ऐसी जमीन जातक के लिए शुभ नहीं माना जाता है।

उपाय

अगर आपको किसी ऐसी जमीन पर घर का निर्माण करना पड़े, तो आगे व पीछे ज्यादा जगह छोड़कर निर्माण की चौड़ाई से उसकी लंबाई डबल से ज्यादा नहीं रखनी चाहिए।

घर का मुख्य द्वार

वास्तु अनुसार घर का मुख्य दरवाजा काफी महत्वपूर्ण माना जाता है, इसीलिए घर का नक्शा बनाते समय उसके दरवाजे को भी अहम स्थान दिया जाता है। इसी के साथ घर के मुख्य दरवाजे पर मांगलिक चिन्ह जैसे ओम या स्वस्तिक का प्रयोग करना चाहिए।साथ ही घर में मुख्य दरवाजे जैसे अन्य दरवाजे नहीं बनाने चाहिए। मुख्य दरवाजे को फल, पत्र, लता आदि के चित्र से सजाना चाहिए।घर के मुख्य दरवाजे के लिए पूर्व दिशा सबसे अच्छी और सही मानी जाती है। इस दिशा में मुख्य दरवाजे का होने से घर में सुख-समृद्धि हमेशा बनी रहती है। आप उत्तर दिशा में भी मुख्य दरवाजा बना सकते हैं।

घर का आंगन

बिना आंगन आपका घर आधा-अधूरा सा लगता है इसीलिए घर के नक्शे में आंगन भी जरूरी होता है। इसी के साथ घर के आगे और पीछे छोटा ही सही पर आंगन जरूर बनाएं।

घर के आंगन में तुलसी, आंवला, कढ़ी पत्ते का पौधा, अनार, जामफल आदि लगाना चाहिए। इसके अलावा आप सकारात्मक ऊर्जा पैदा करने वाले फूलदार पौधे भी अपने घर के आंगन में लगा सकते हैं।

स्नानघर और शौचालय

घर में स्नानघर और शौचालय बनाते समय आपको वास्तु का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसके कारण घर में वास्तु दोष उत्पन्न हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र में स्नानघर और शौचालय को राहु और चंद्र की का स्थान माना जाता है। स्नानघर में चंद्रमा तथा शौचालय में राहु का वास होता है।

इसी के साथ शौचालय और स्नानघर कभी भी एक साथ नहीं बनाने चाहिए। क्योंकि चंद्र और राहु का एक साथ होने का मतलब है चंद्रग्रहण। इसीलिए घर में परेशानियां उत्पन्न होती है। इस तरह का बाथरूम घर में परेशानी लेकर आता है।

स्नानघर और शौचालय के लिए वास्तु नियम स्नानघर

आपको बता दें कि स्नानघर में नल को पूर्व या उत्तर की दीवार पर लगाना चाहिए। इसे नहाते समय मुख पूर्व या उत्तर दिशा में रहेगा।इसी के साथ पूर्व में खिड़की होनी चाहिए।स्नानघर की उत्तर या पूर्व दिशा में आईना लगाना चाहिए। साथ ही आईना दरवाजे के ठीक सामने नहीं होना चाहिए।स्नानघर में वाश-बेसिन ईशान या पूर्व दिशा में होना चाहिए।इसी के साथ गीजर और स्विच बोर्ड आदि अग्नि कोण में होना चाहिए।स्नानघर को कुछ इस प्रकार रखना चाहिए कि नहाते समय आप दक्षिण दिशा में ना रहें।

शौचालय

घर के (पश्चिम-दक्षिण) कोण में अथवा नैऋत्य कोण व पश्चिम दिशा के मध्य में शौचालय पूर्ण उत्तम माना जाता है।शौचालय के लिए दक्षिण दिशा के मध्य का स्थान भी वास्तु शास्त्र में अच्छा माना जाता है।

घर का पूजा घर

आपको बता दें कि घर में पूजा घर का स्थान सबसे महत्वपूर्ण होता है और यह घर में शांति बनाए रखता है।आपको लाल किताब के विशेषज्ञ से पूछकर घर में पूजा घर बनवाना चाहिए। अन्यथा आपको काफी नुकसान का सामना करेंगे।

इसी के साथ अगर आपका पूजा घर वास्तु अनुसार बनाया जाएं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।घर में पूजा घर ईशान कोण में होना चाहिए।पूजा घर में ध्वजा, कलश, त्रिशूल आदि शिवलिंग इत्यादि नहीं रखनी चाहिए।पूजा घर के लिए सफेद, हल्का पीला अथवा हल्का गुलाबी रंग का शुभ माना जाता है।आपका पूजा घर किसी और दिशा में हो, तो वास्तु दोष से बचने के लिए पानी पीते समय ईशान कोण यानी उत्तर पूर्व दिशा की ओर रखना चाहिए।पूजा घर के ऊपर या नीचे शौचालय, रसोईघर नहीं बनाना चाहिए।सीढ़ियों के नीचे कभी पूजा घर नहीं बनाना चाहिए।

घर की सीढ़ियां

वास्तु अनुसार घर की सीढ़ियां उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर होनी चाहिए। वह पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर होनी चाहिए। घर में सीढ़ियां हमेशा नैऋत्य (दक्षिण-पश्चिम), दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। नैऋत्य दिशा में सीढ़ियां होना शुभ माना जाता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।इसी के साथ सीढ़ियों को हमेशा विषम संख्या जैसे 7,11, 15,19 आदि में बनाना चाहिए। विषम संख्या की सीढ़ियां घर में खुशियां और शांति लाती है। साथ ही घर के मालिक के लिए यह काफी लाभदायक होता है। ऐसा माना जाता है कि घर में 17 सीढ़ियां शुभ होती हैं।

घर में शयनकक्ष (बेडरूम)

घर का बेडरूम दक्षिण पश्चिम या उत्तर पश्चिम दिशा में होना चाहिए। यदि घर में ऊपरी मंजिल पर बेडरूम है, तो उपरी मंजिल के दक्षिण पश्चिम कोने में बहुत शुभ माना जाता है। बेडरूम में सोते समय सिर हमेशा दीवार से सटाकर सोना चाहिए।पैरों को दक्षिण और पूर्व दिशा में करके कभी नहीं सोना चाहिए। साथ ही उत्तर दिशा की ओर पैर करके सोने से स्वास्थ्य और आर्थिक लाभ होता है। पश्चिम दिशा में पैर करके सोने से शरीर की थकान खत्म होती है और जातक को अच्छी नींद आती है।

साथ ही सोने वाले बिस्तर के सामने कभी आईना नहीं लगाना चाहिए। इसके कारण पति-पत्नी के झगड़े होते रहते हैं। वहीं बेडरूम के दरवाजे के सामने कभी पलंग नहीं लगाना चाहिए।आपको बता दें कि डबल बेड के गद्दे अलग-अलग नहीं होनी चाहिए।बेडरूम में दरवाजे की तरफ पैर करके कभी नहीं सोना चाहिए।साथ ही बेडरुम के दरवाजों से आवाज नहीं आनी चाहिए।

घर का स्टडी रूम या अध्ययन कक्ष

अध्ययन कक्ष के लिए पूर्व, उत्तर, ईशान और पश्चिम दिशा अच्छी मानी जाती हैं।

साथ ही अध्ययन करते समय दक्षिण तथा पश्चिम दिशा से सटकर पूर्व तथा उत्तर की ओर मुंह करके बैठना चाहिए।वहीं पीठ के पीछे दरवाजे और खिड़की नही होनी चाहिए।इसी के साथ किताब रखने की अलमीरा दक्षिण दीवार या पश्चिम दीवार पर होनी चाहिए।

घर का रसोईघर

रसोईघर के लिए सबसे उपयुक्त दिशा आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा मानी जाती है जो कि अग्नि देव का स्थान होता है। साथ ही उत्तर-पश्चिम दिशा रसोईघर के लिए उपयुक्त होती है।

उत्तर या पूर्व दिशा में बैठकर भोजन करना चाहिए। इसी के साथ हमेशा भोजन हमेशा किचन में ही बैठकर करें आपको काफी लाभ होता है। बर्तन, मसाले, राशन पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। किचन में दवाइयां नहीं रखनी चाहिए इससे घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

घर का ड्राइंग रूम

घर के ड्राइंग रूम के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा या नैऋत्य में दिशा शुभ मानी जाती है। इसी के साथ बैठते समय पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुंह करके बैठना चाहिए।

टीवी दक्षिण-पश्चिम या अग्नि कोण में रखना चाहिए। वही इस कमरे में आप पूर्वज की फोटो दक्षिण या पश्चिम दिशा पर लगा सकते हैं। दीवारों का रंग हल्का नीला, आसमानी पीला, क्रीम, हरे रंग का होना चाहिए।

बालकनी

घर की बालकनी के लिए उत्तर-पूर्व दिशा में शुभ मानी जाती है इससे जातक को लाभ होता है।

विंटर में आपके लुक पर चार चांद लगा देंगे ये आउटफिट्स, जरूर करें ट्राई

सर्दियों के मौसम का मतलब है आरामदायक कपड़े पहनना. लेकिन ऐसे कपड़े पहनना बेहद जरूरी है कि स्टाइलिश के साथ-साथ ठंड भी न लगे. ठंड के मौसम में आलस और आलस्य के कारण लोग अक्सर सर्दियों में खुद को अच्छा स्टाइल करना भूल जाते हैं. हालांकि, इससे अक्सर लोगों का गलत प्रभाव पड़ता है. तो, इसमें आपकी मदद करने के लिए यहां कुछ ऐसे तरीके बताए गए हैं जो बिना ज़्यादा मेहनत के आपके सर्दियों के लुक को निखारेंगे और आपको शानदार लुक देंगे.

बेल्ट एक खूबसूरत एक्सेसरी है जो किसी भी लुक को निखार सकती है. फैशनपरस्तों के बीच ये बेल्ट सर्दियों के मौसम में और भी ज़्यादा लोकप्रिय हो जाती हैं. बेल्ट पहनना आपके आउटफिट को नया जीवन देने का सबसे आसान तरीका है और ब्लेज़र उनमें से एक है. आप अपनी पसंद की कोई भी बेल्ट चुन सकते हैं और इसे अपने कोट के ऊपर पहनकर एक नया विंटर आउटफिट बना सकते हैं. यह न केवल आपके आउटफिट को नया लुक देगा, बल्कि यह आपके स्टाइल में चार चांद भी लगाएगा.

स्कार्फ किसी भी सर्दियों के आउटफिट के लिए एक बेहतरीन जोड़ है. हालांकि, अपने आउटफिट से अलग रंग का सही प्रकार का स्कार्फ चुनना आपको भीड़ में अलग दिखा सकता है. स्कार्फ कई तरह की शैलियों में आते हैं और इन्हें कई तरह से पहना जा सकता है. इसलिए अपने कपड़ों से अलग रंग का स्कार्फ चुनें और कमाल का दिखें. स्कार्फ की कई शैलियां हैं- लंबे स्कार्फ, शॉल, मफलर, स्टोल, इत्यादि.आप मौसम के बहुत ज़्यादा ठंडा होने पर भी ड्रेस पहनना नहीं छोड़ना चाहते हैं. तो चिंता न करें क्योंकि शानदार शीयर स्टॉकिंग्स आपके शानदार ड्रेस में आपको सर्दियों का स्वाद देने के लिए मौजूद हैं. अपने गर्म और आरामदायक स्वेटर ड्रेस के साथ अपने पैरों पर शीयर स्टॉकिंग्स की एक जोड़ी पहनें और अपने आकर्षण से सभी को आकर्षित करने के लिए तैयार हो जाएं. ये शीयर स्टॉकिंग्स आपको तुरंत ज़्यादा पॉलिश्ड लुक दे सकती हैं, और आप ठंडी सर्दियों की चिंता किए बिना अपने पैरों को दिखा सकती हैं.इस मौसम में, स्टाइलिश और चमकदार लुक के लिए अलग-अलग टेक्सचर के साथ खेलें. लेयरिंग के कई स्टाइल हैं जो आपको कैजुअल से लेकर क्लासी लुक दे सकते हैं, जो भी लुक आप चाहते हैं, यह आपके द्वारा चुने गए कपड़ों के चुनाव पर निर्भर करता है. गर्म रहने के लिए लेयरिंग बहुत ज़रूरी है.तस्वीर में सोनम कपूर ने शानदार विंटर लेयरिंग की है. उन्होंने गर्म टर्टलनेक से शुरुआत की और फिर अपने चेक्ड को-ऑर्ड्स को गर्म न्यूड शेड के ऊनी कोट के साथ पेयर किया. उन्होंने उस छोटी सी डिटेल के लिए एक सुंदर स्कार्फ़ भी पहना है. सोनम कपूर का यह लुक वाकई कमाल का है.बुने हुए कार्डिगन ठंड से बचाने वाले बेहतरीन आउटफिट हैं. हालांकि, रंगों का एक स्पलैश आपके सबसे साधारण, उबाऊ या खुशनुमा आउटफिट को भी अलग बना सकता है. वे आपके आउटफिट को और ज़्यादा जीवंत बना सकते हैं और आपको खुशनुमा लुक दे सकते हैं. अगर आप यह आउटफिट चुनते हैं. तो आपको कई तारीफें मिलने की संभावना है और साथ ही यह याद भी दिलाया जाएगा कि आप कितनी खूबसूरत दिख रही हैं.

1:- ये तो सभी जानते है ठंडी से बचने के लिए सबसे कारगर उपाय गर्म कपड़े ही होते है इसलिए सर्दियों में हमेसा पूरे तन ढके हुए गर्म ऊनी कपड़े का उपयोग करना चाहिए, और सर्दी का असर कभी भी हो सकता है इसलिए ज्यादा से ज्यादा कपड़े यूज करना ही ठीक होता है और आजकल तो ठंडी से बचने के लिए बाजारों में जैकेट, स्वेटर, दस्ताने, टोपी और मोज़े भी ठंडी के हिसाब से मिलते है जिनके उपयोग से खुद को ठंडी से बचा सकते है,

2:- जब जरूरत हो तभी ठंडी के दिनों में घर से बाहर निकलना चाहिए जिससे की खुले आकाश के नीचे ठंडी का असर ज्यादा रहता है जिससे खुद को बचा सकते है.

3:- सर्दियों के दिनों में जलती आग ठंडी से बचने का एक मुख्य सहारा होता है अक्सर गाँव के लोग ठंडी से बचने के लिए आग जलाते है और जगह अलाव की व्यवस्था करते है इसलिए हमे भी अपने घरो को गर्म रखने के लिए

योग अपनाए और बेहतर दौडीए

जब भी हम सुडौल शरीर प्राप्त करना चाहते है, तो सर्व प्रथम हमारे मन में दौड़ने का ख़याल जरुर आता है। यह मोटापा कम करने का सबसे सस्ता और आम तौर पे, काफ़ी लोकप्रिय तरीका है। यह ताक़त प्रदान करने के साथ साथ, हर प्रकार से फायदेमंद है।

कृपया ट्रेडमिल पर सावधानी बरते और दौड़ लगाने के साथ जुड़ी हुई समस्याओं पे भी गौर फरमाये-जिसमे पैर, घुटने, नितंब, एडी, जंघा, टाँगे, सभी को क्षति पहुचने की पूरी पूरी संभावना रहती है। इसीलिए ज़्यादातर प्रशिक्षक, दौड़ने से पहेले, जिस स्ट्रेचिंग की शिफरिश करते है, वह सिर्फ़ स्ट्रेचिंग ही काफ़ी नही है। एक रनर को, खुदकी क्षमता बढ़ाने के लिए, श्री श्री योग (Sri Sri Yoga) कोर्स में सिखाए जानेवाले भिन्न भिन्न प्रकार के योगासन (Yogasana) को सीखना बहुत ज़रूरी है। इन प्राचीन योगिक आसनो के कुछ मिनीट अभ्यास से ट्रेडमिल पे काफ़ी सारा लाभ मिलता है।

यह जंघा, पेडू-जाँघ जोड़, हॅम्स्ट्रिंग्स और घुटने को ताक़त देता है ,तथा नितंब व जंघा जोड़को लोचदार बनाता है।अर्ध मत्स्येन्द्रासनः रीढ़की

योगा और रनिंग से कितना अलग है वर्कआउट? जान लीजिए ये कितना जरूरी

योग और रनिंग, एक्सराइज ऐसे भी किसी भी तरह के वर्कआउट दोनों के अलग-अलग तरह के होते हैं. योग के फायदे आपको धीरे-धीरे दिखाई देते हैं. यह एक व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी होता है. से मोटापा, डायबिटीज़, अस्थमा, और हार्ट से जुड़ी बीमारियों का जोखिम कम होता है. योग से स्ट्रेस, एंग्ज़ायटी, और डिप्रेशन जैसी बीमारियों का जोखिम कम होता है. इससे मानसिक और शारीरिक बैलेंस बना रहता है.

रनिंग करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन काफी तेज होता है और मांसपेशियां मज़बूत होती हैं. रनिंग से कैलोरी और फ़ैट बर्न दोनों होता है और मोटापा कम होता है. रनिंग से दिल भी बेहतर रहता है. रनिंग से पहले योग से वार्म-अप किया जा सकता है और रनिंग के बाद योग से कूल-डाउन किया जा सकता है. रनिंग और योग के बीच चुनाव आपकी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और फ़िटनेस लक्ष्यों पर निर्भर करता है. अगर आप वज़न कम करना चाहते हैं और मांसपेशियों को बढ़ाना चाहते हैं, तो जिम ट्रेनिंग करना बेहतर है. वर्कआउट यानी एक्सरसाइज हम सभी के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद ज़रूरी है. वहीं, वर्कआउट न करना और ज़रूरत से ज़्यादा कर लेना शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकता है. इसलिए आज हम बात करेंगे कि एक व्यक्ति का कितनी देर वर्कआउट करना काफी माना जाता है.

एक दिन में कितनी एक्सरसाइज़ है काफी?

रोज़ाना वर्कआउट न सिर्फ आपको मोटापे से बचाता है, बल्कि पाचन के साथ इम्यून सिस्टम को मज़बूती देता है और तनाव को भी दूर रखता है. इसमें तो कोई दो राय नहीं कि आप शरीर को जितना चलाएंगे उतने ही अच्छे प्रभाव देखेंगे. वर्कआउट आप कई तरीके से कर सकते हैं- जैसे जॉगिंग, दौड़, योग, डांस या फिर साइक्लिंग. आप चाहे कोई भी एक्सरसाइज़ करें इससे आपकी मांसपेशियां मज़बूत होंगी और मूड में भी सुधार आएगा.

योग से माइग्रेन (सिर के अर्ध भाग में दर्द) का उपचार

माइग्रेन (MIGRAINE) नाड़ीतंत्र की विकृति से उत्पन्न एक रोग है जिसमे बार बार सिर के अर्ध भाग में मध्यम से तीव्र सिरदर्द होता है। यह सिर किसी एक अर्ध भाग में होता है और दो घंटे से लेकर दो दिन की अवधि तक रहता है। माइग्रेन के आक्रमण के समय अक्सर रोगी प्रकाश और शोर के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाता है। इसके अन्य लक्षणों में उलटी होना, जी मिचलाना तथा शारीरिक गतिविधियों के साथ दर्द का बढ़ जाना शामिल है।

यूनाइटेड किंगडम के एक न्यास के अनुसार केवल यूनाइटेड किंगडम में लगभग 80 लाख लोग इस रोग से ग्रस्त है। इनमे से लगभग 20 हजार लोगों को प्रति दिन माइग्रेन (MIGRAINE) के दर्द का दौरा पड़ता है. यह भी माना जाता है कि माइग्रेन के रोगियों की संख्या अस्थमा, मिर्गी व मधुमेह के रोगियों की संयुक्त सख्या से अधिक है।

इस रोग का उपचार कैसे किया जाये?

अगर आप वर्षों से सिर के दो टुकड़े कर देने जैसे दर्द से ग्रस्त है या आपको हाल में ही माइग्रेन (MIGRAINE) के रोग का पता चला है, तो इस दर्द से निजात पाने की दवाओं के अतिरिक्त और भी कई उपाय है। इसमें धमनियों व माँसपेशियों की शल्य चिकित्सा, ओसिपिटल नाड़ी का उद्दीपन, बोटोक्स, बीटा ब्लोकर्स तथा अवसादरोधी औषधियों के प्रयोग से माइग्रेन के दौरों को रोकने की चिकित्सा की जाती है। पर

इन सभी उपचारों के कई घातक दुष्प्रभाव होते हैं। इन दुष्प्रभावों में हृदयाघात, निम्न रक्तचाप, नींद की कमी, जी मिचलाना इत्यादि प्रमुख है।

योग एक प्राचीन स्वास्थ्य रक्षक विधा है जो विभिन्न शारीरिक मुद्राओं व श्वसन क्रियाओं के संगम से सम्पूर्ण स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करती है। योग से शरीर पर कोई अन्य दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। यहाँ उल्लेखित योगों के दैनिक व नियमित अभ्यास से आप माइग्रेन (MIGRAINE) के अगले आक्रमण से निपटने व बचने के प्रभावी उपाय कर सकते हैं।माइग्रेन (MIGRAINE) का दौरे से असहनीय पीड़ा होती है और यह रोगी के व्यक्तिगत व व्यावसायिक जीवन को क्षति पहुँचाता है। अपने परिवार-जनों, मित्रों व सहकर्मियों को अपने रोग की स्थिति से अवगत कराएँ। इससे उन लोगों से आपको मानसिक व भावनात्मक सम्बल प्राप्त होगा। साथ ही वे आपकी स्थिति के बारे में एक सही आकलन कर पाएंगे। अपने डाक्टर की सलाह के बिना कभी भी औषधियों का सेवन बंद न करें. योग माइग्रेन के रोग में आपकी प्रतिरोधक शक्ति को बढाता है पर इसका उपयोग दवाओं के विकल्प के रूप में नहीं करना चाहिए।इन साधारण योगासनों के अभ्यास से माइग्रेन के आघात का असर काफी कम हो जाता है और समय के साथ कई बार आप स्थायी रूप से रोग मुक्त हो सकते हैं। अतः अब देर किस बात की? अपनी योग की चटाई खोलिए, प्रतिदिन कुछ समय योग करिए और माइग्रेन (MIGRAINE) को हमेशा के लिए अपने जीवन से विदा कीजिये।

बीपी के मरीजों के लिए खुशखबरी !

नई स्टडी में खोजी गई ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने की दवा

देश में 3.15 करोड़ लोग बीपी से जूझ रहे हैं. यह काफी खतरनाक बीमारी है लाख लोग हाई ब्लड प्रेशर के पेशेंट हैं. बीपी की वजह से कई खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं.

बिगड़ी लाइफस्टाइल, खराब खानपान और कम फिजिकल एक्टिविटीज की वजह से ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ रही है. भारत में करीब 3 करोड़ लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं. इन सभी मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी है. हाल ही में हुई एक स्टडी में दो दवाओं को मिलाकर से एक सिंगल डोज (Combination Drugs for BP Treatment) तैयार की गई है.

इस स्टडी में दावा किया गया है कि ये दवा, मौजूदा दवाइयों से 5 गुना ज्यादा इफेक्टिव है. ये स्टडी एम्स और इंपीरियल लंदन की रिसर्च टीम ने मिलकर की है. आइए जानते हैं दो दवाईयों के कॉम्बिनेशन से बनने वाली दवा कितनी असरदार हो सकती है...

क्या कहती है स्टडी

इस स्टडी में पता चला कि दो दवाईयों को मिलाकर बनाई गई डोज कॉम्बेनिशेन बीपी के 70% मरीजों में असरदार है. पहले की तुलना में ये दवा पांच गुना ज्यादा फायदेमंद भी है. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी कार्डियोवैस्कुलर रिस्ट एंड प्रिवेंशन में पब्लिश ये स्टडी बीपी के मरीजो के लिए राहत वाली है.

इस स्टडी में 1,981 लोगों को शामिल किया गया. एम्स ने देश के 35 जगहों पर इस स्टडी की, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों लोग शामिल हुए. इन मरीजों की उम्र 30 से 79 साल तक थी. बता दें कि पहली बार इतने लोगों पर इस तरह की स्टडी की गई है.

बीपी की नई दवा का असर

ब्लड प्रेशर की कई दवाईयां बाजार में उपलब्ध हैं. दो दवाओं के कॉम्बिनेशन से बनी डोज भी पहले से ही दी जा रही है लेकिन इस पर कभी स्टडी नहीं की गई. इससे पहले अफ्रीकन कॉम्बिनेशन वाली डोज से मरीजों का इलाज होता है लेकिन इस स्टडी से हाई बीपी के इलाज के लिए सही कॉम्बिनेशन चुनने में डॉक्टरों को काफी मदद मिलेगी.

स्टडी में किन-किन दवाईयों का इस्तेमाल हुआ

इस स्टडी में Amlodipine+Perindopril, Amlodipine+Indapamide and Perindopril+Indapamide तीन कॉमन दवाईयों का इस्तेमाल किया गया. स्टडी में बताया गया कि सिंगल डोज से करीब 70% मरीजों में बीपी कंट्रोल होने में मदद मिली. इन मरीजों का बीपी 140/90 mmHg तक रहा, जो मौजूदा कंट्रोल रेट से 5 गुना बेहतर है. ICMR-इंडिया डायबिटीज की स्टडी में बताया गया है कि देश में 3.15 करोड़ लोग बीपी से जूझ रहे हैं. यह काफी खतरनाक बीमारी है लाख लोग हाई ब्लड प्रेशर के पेशेंट हैं. बीपी की वजह से कई खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं. यह हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ाती है.

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में कारगर पाई गई किचन में मौजूद ये एक चीज, क्या आपको है जानकारी?

हाई ब्लड प्रेशर को हृदय रोगों का प्रमुख जोखिम कारक माना जाता है। इतना ही नहीं जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा हुआ रहता है, उनमें हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का भी खतरा अधिक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने वाली आदतों को दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कम उम्र में ही लोग न सिर्फ हाई ब्लड प्रेशर के शिकार हो रहे हैं साथ ही ये हृदय रोगों का जोखिम भी बढ़ा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारे घरों में कई ऐसी कारगर औषधियों का मसालों के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में काफी लाभकारी साबित हो सकती हैं। अगर आप भी इनका सेवन शुरू कर दें तो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।आयुर्वेद के साथ मेडिकल साइंस ने भी प्रमाणित किया है कि लहसुन, रक्तचाप की समस्या में कारगर औषधि हो सकती है।

लहसुन के ब्लड प्रेशर में लाभ

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि लहसुन के हमारे स्वास्थ्य के लिए कई लाभ हो सकते हैं। सामान्य सर्दी-जुकाम से सुरक्षा देने के साथ ये रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करने की क्षमता रखता है। इससे सिस्टोलिक और डायस्टोलिक दोनों ब्लड प्रेशर को कम किया जा सकता है। असल में लहसुन में एलिकिन नामक औषधीय तत्व होता है, जो एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लामेटरी प्रभावों के लिए जाना जाता है। ये रक्त वाहिकाओं की रक्षा करने के साथ ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी लाभकारी हो सकता है।

रक्त वाहिकाओं को देता है आराम

अध्ययनों की एक अन्य समीक्षा में बताया गया है कि लहसुन में मौजूद एलिकिन, एंजियोटेंसिन II के उत्पादन को सीमित कर सकता है, ये वो हार्मोन है जो रक्तचाप बढ़ाने के लिए जाना जाता है। इसका उत्पादन कम होने से ब्लड प्रेशर के बढ़ने का खतरा कम हो जाता है। इतना ही नहीं एलिकिन, आपकी रक्त वाहिकाओं को भी आराम दे सकता है, जिससे रक्त अधिक आसानी से प्रवाहित होता है और धमनियों पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम होता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में वर्षों से कई औषधियों का इस्तेमाल किया जाता रहा है, इसके परिणाम भी बेहतर देखे गए। लहसुन कई प्रकार से सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है, पर इसका मतलब ये नहीं है कि दवाओं की जगह पर इसका सेवन किया जाए। घरेलू उपाय हमेशा सहायक चिकित्सा माने जाते हैं,

18 घरेलू नुस्खे सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए

रूखी और बेजान त्वचा। सर्दियां शुरू होते ही लोग इस तरह की स्क्रिन प्रॉब्लम्स से परेशान होते दिखाई देते हैं। कई तरह के मॉश्चराइजर, बॉडी लोशन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर सर्दियों में स्किन को इतनी केयर की जरूरत क्यों पड़ती है?

मॉश्चराइजर और बॉडी लोशन के अलावा भी कई तरीके हैं, जिनसे आप अपनी स्किन की केयर कर सकते हैं। यकीन मानिये, अगर आपने इन कुछ विंटर ब्यूटी टिप्स को अच्छे से फॉलो किया, तो हर कोई पूछेगा, आखिर इस जवां त्वचा का राज़ क्या है? सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए मार्केट में कई तरह के प्रॉडक्ट आपको मिल जाएंगे। ये बॉडी लोशन से लेकर स्किन केयर क्रीम, मॉश्चराइजर आदि के रूप में उपलब्ध हैं। कुछ प्रॉडक्ट स्किन टाइप के हिसाब से भी मिलने लगे हैं। यह बाकी प्रोडक्ट्स के मुताबिक ज्यादा फायदेमंद होते हैं। आप इन्हें इस्तेमाल करें या ना करें, यह आप पर निर्भर करता है। हम आपको कुछ बेसिक चीजें बताने जा रहे हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल कर सकते हैं।

1. अपने आहार को देखो : Watch Your Diet

हर कोई चाहता है कि उसकी त्वचा हमेशा जवां दिखाई दे। लोग इसके लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। लेकिन त्वचा की सुंदरता सिर्फ बाहर से नहीं, उसके लिए भीतर से भी पोषण जरूरी है। जी हां! आपका खानपान जितना हेल्दी होगा, उतना ही आपकी त्वचा भी दमकेगी। इसका खयाल हमें फलों से लेकर सब्जियां और अन्य खानपान में रखना होगा।ऐसे फलों को अपनी डायट में शामिल करना होगा, जो एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर हैं।

सर्दियों के मौसम में खासतौर पर हरी सब्जियों को अपनी डायट में शामिल करना होगा। इससे आपको शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व मिल जाते हैं। पालक, मेथी, बथुआ, सरसों कुछ ऐसी हरी सब्जियां हैं, जो सर्दियों के मौसम में आसानी से मिल जाती हैं।

वसा यानी फैट भी हमारी त्वचा के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है। सर्दियों में यह हमारी त्वचा में नमी बनाए रखता है। खाने में हेल्दी फैट वाली चीजों जैसे मछली, सीड्स और नट्स जैसे मूंगफली, बादाम, आदि को शामिल करें। [2]

2. मॉइश्चराइज करना ना भूलें :

सर्दियां और इस मौसम में होने वाला प्रदूषण हमारी त्वचा से नमी को सोख लेते हैं। इससे चेहरा रूखा हो जाता है और उस पर सफेद पैचेज निकल आते हैं। ऐसे में त्वचा को आर्टिफिशियल तरीके से नमी प्रदान करने की जरूरत पड़ती है। यह बॉडी लोशन, मॉइश्चराइजर, क्रीम के तौर पर मार्केट में उपलब्ध है। आप घरेलू तरीकों से भी त्वचा को मॉइश्चर कर सकती हैं। और हां, सर्दियों में इसे रूटीन बना लें। क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपकी त्वचा रूखी रहेगी। [3]

3. तेल थेरेपी : Oil Therapy

तेल हमारी त्वचा के लिए जरूरी है। सर्दियों में इसका इस्तेमाल त्वचा की नमी प्रदान करता है। सर्दियों में वैसे ही त्वचा ड्राई हो जाती है। उस पर हमारी कुछ आदतें भी त्वचा पर असर डालती हैं। जैसे, इन दिनों में लोग नहाते वक्त ज्यादा तेज गर्म पानी इस्तेमाल करते हैं। तेज गर्म पानी से नहाने से हमारे सिर की त्वचा ड्राई होती है, जिससे डैंड्रफ की परेशानी बढ़ती है और शरीर की त्वचा पर भी इसका असर पड़ता है।इसलिए नहाने के तुरंत बाद तेल से शरीर की मालिश जरूरी है। इसके लिए फेस ऑयल जैसे नारियल का तेल, ऑलिव ऑयल आदि का इस्तेमाल करें, क्योंकि फेस ऑयल में पॉलिफिनॉल्स, फैटी एसिड और एंटी ऑक्सिडेंट होते हैं। ये हमारी त्वचा की चमक को बनाए रखते हैं। सरसों के तेल और बादाम तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन्हें सिर के बालों के लिए भी उपयोग किया जाता है।

4. होठों की देखभाल : Lip Care

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि हमारे होंठ हमारी त्वचा के मुकाबले 10 गुना तेजी से ड्राई यानी रूखे होते हैं। सर्दियों में शरीर का ज्यादातर हिस्सा ढका रहता है, लेकिन हमारे होंठ नहीं। इनसान की त्वचा में सबसे संवेदनशील होठों की त्वचा ही होती है। यह शरीर की बाकी त्वचा के मुकाबले ज्यादा पतली होती है और इसे देखभाल की ज्यादा जरूरत पड़ती है।

ठंडी और रूखी हवाएं और गर्म हवाएं हमारे होठों की त्वचा को नुकसान पहुंचाने के साथ ही इसे सख्त बना देती हैं। अगर इनका खयाल ना रखा जाए, तो होंठ फट जाते हैं, जो किसी के लिए भी एक पीड़ादायक स्थिति होती है। सर्दियां क्या, किसी भी मौसम में होठों की देखभाल की विशेष जरूरत होती है और आपको यह खयाल करना चाहिए। [4]

5. लिप बॉम : Lip Balm

लिप बॉम होठों पर एक लेयर बना देते हैं और होठों को नमी प्रदान करते हैं। मार्केट में अनेक ब्रैंड्स के लिप बॉम मौजूद हैं। लेकिन इन्हें खरीदने से पहले इसे बनाने में इस्तेमाल हुए उत्पादों पर जरूर गौर करें। लिप बॉम वैक्स आधारित अवयवों की मदद से बनाए जाते हैं। इन्हें बनाने में मोम, कपूर और कई बार कुछ दवाइयों का भी इस्तेमाल किया जाता है।

कुछ लिप बाम होठों को तुरंत फायदा और त्वचा को पोषण पहुंचाते हैं, लेकिन लंबे वक्त तक इन्हें इस्तेमाल करने से होंठ रूखे हो जाते हैं। ऐसा इन लिप बॉम को बनाने में इस्तेमाल किए गए कपूर, फिटकरी, सैलिसिलिक एसिड और मेनथॉल आदि की वजह से होता है। लिप बॉम ख रीदते वक्त ऐसे लिप बॉम को चुनें, जिसे मोम, कोकोआ मक्खन आदि का इस्तेमाल कर बनाया गया हो।

6. बालों की देखभाल : Hair Care

सर्दियों में बालों को भी देखभाल की विशेष जरूरत पड़ती है। इन दिनों डैंड्रफ की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। डैंड्रफ बढ़ जाने पर बाल टूटने लगते हैं और बालों की ग्रोथ पर भी असर पड़ता है।

बालों की देखभाल के लिए तेल से मसाज बहुत जरूरी है। इसके लिए आप जैतून यानी ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। ध्यान रहे कि तेल बालों की जड़ों पर लगे।

अगर डैंड्रफ बहुत ज्यादा बढ़ गया है, तो सरसों के तेल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छे से मिलाकर उसे बालों की जड़ों पर लगाएं। फिर एक से डेढ़ घंटे के बाद सिर को माइल्ड शैंपू से अच्छी तरह धो लें। सुबह की धूप में बालों को जरूर सुखाएं और गीले बालों में कंघी ना करें।[5]

प्राचीन पद्धतियों के अनुसार, ये होम रेमेडीज त्वचा की देखभाल के लिए काम करते हैं।

1. ग्लिसरीन : Glycerin

पानी और सुगंधित चीजों के बाद ग्लिसरीन, कॉस्मेटिक उत्पादों में उपयोग होने वाली तीसरी सबसे अहम चीज है। मॉइश्चराइजर और लोशन में तो यह सबसे प्रमुख इस्तेमाल होने वाली चीज है। ग्लिसरीन हमारी त्वचा की बाहरी लेयर को हाइड्रेड करती है। जलन आदि से त्वचा को बचाती है और घावों को भी तेजी से भरने में मदद करती है।

यह एक नैचुरल कंपाउंड है, जो वेजिटेबल ऑयल और जानवरों के फैट में पाया जाता है। एकदम प्योर ग्लिसरीन को इस्तेमाल करने से बचें। आप इसे गुलाब जल में मिलाकर लगा सकते हैं। बहुत से लोगों को इससे एलर्जी की भी शिकायत रहती है। अगर आपको भी खुजली,

फिक्स्ड डिपॉजिट समय से पहले तोड़ने पर देनी होगी पेनल्टी! जानें बैंक वसूलते हैं कितना चार्ज?

कुछ जरूरी कारणों से या फिर अचानक आई इमरजेंसी के दौरान जमाकर्ता को अपना फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) समय से पहले निकालना पड़ जाता है. इसके लिए कस्टमर या जमाकर्ता को बैंक से प्री-मैच्योर FD निकालने की अनुमति तो है लेकिन इसके लिए एक राशि पेनल्टी के तौर पर बैंक चार्ज करती और जमा की गई धनराशि से काट ली जाती है. अगर आप बैंक में जमा की गई अपनी एफडी को समय से पहले निकालने की योजना बना रहे हैं तो इस बारे में आपको जानकारी होनी चाहिए कि प्री-मैच्योर एफडी पर बैंक आपको कितनी पेनल्टी चार्ज करता है.

प्री-मैच्योर FD से पैसा निकालने पर SBI बैंक कितना वसूलती है पेनल्टी?

एसबीआई की वेबसाइट के आधार पर अगर आपने पाँच लाख तक का टर्म डिपॉजिट किया है तो प्री-मैच्योर राशि निकालने पर इस पर 0.50 प्रतिशत तक का पेनल्टी लगेगा. अगर टर्म डिपॉजिट पाँच लाख रुपये की धनराशि से ऊपर की है तो इसे समय से पहले निकालने पर 1 प्रतिशत तक का पेनल्टी चार्ज काटा जाएगा.

प्री-मैच्योर FD विड्रॉल पर HDFC बैंक का क्या पेनल्टी चार्ज?

HDFC बैंक की वेबसाइट पर अपलोड जानकारी के अनुसार, 22 जुलाई, 2023 से प्रभावी आंशिक (पार्शियल) धनराशि निकालने समेत समय से पहले धनराशि निकालने के लिए लागू ब्याज दर जमा की गई तारीख पर समय-अवधि के लिए बैंक में जमा रहने की दर से 1 फीसदी से कम होगी.

PNB बैंक के प्री-मैच्योर FD पर क्या है चार्ज?

PNB बैंक के वेबसाइट पर अपलोड जानकारी के अनुसार, बैंक प्री-मैच्योर एफडी पर 1 प्रतिशत तक की पेनल्टी चार्ज करता है. यह चार्ज सभी तरह के डिपॉजिट को समय से पहले यानी प्री-मैच्योरिटी को निकालने पर लागू होती है.

क्या है प्री-मैच्योर फिक्स्ड डिपॉजिट को निकालने पर पेनल्टी?

प्री-मैच्योर एफडी को निकालने पर कितना पेनल्टी चार्ज कटेगा ये उसके मैच्योरिटी की तारीख के आधार पर बैंक तय करता है. यह पेनल्टी या चार्ज फाइनल ब्याज पेमेंट या फिर रिफंड अमाउंट (वापस की जा रही धनराशि) पर लगाई जाती है.यहां पर आप एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसी बैंक, पीएनबी, केनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक में प्री-मैच्योर एफडी निकालने पर कितना चार्ज लगेगा उसके बारे में जानकारी ले सकते हैं.

प्री-मैच्योर FD पर कितनी पेनल्टी वसूलता है ICICI बैंक?

बैंक में जमा धनराशि यानी फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक तब तक ब्याज देगी जब तक वह राशि उस समयसीमा के लिए बैंक के पास हो जब तक के लिए उसे जमा किया गया हो. अगर उसके बीच में एफडी तोड़ी जाती है तो बैंक उस पर चार्ज करता है. ICICI बैंक एफडी के जमा होने के एक साल के भीतर धनराशि निकालने पर 0.50 फीसदी तक पेनल्टी चार्ज करता है. वहीं एक साल के बाद एफडी को निकालने पर बैंक 1 फीसदी की पेनल्टी भुगतान करवाता है.

क्या है केनरा बैंक का प्री-मैच्योर एफडी पर पेनल्टी चार्ज?

केनरा बैंक की वेबसाइड से पाई गई जानकारी के अनुसार, 12 मार्च, 2019 के बाद से स्वीकार/रिन्यूवल 3 करोड़ रुपये से कम की घरेलू/एनआरओ टर्म डिपॉजिट के समय से पहले बंद होने/पार्सियल धनराशि निकालने/समय से पहले बढ़ाने के लिए बैंक की तरफ से 1 प्रतिशत तक का पेनल्टी चार्ज लगाया जाएगा. कुछ परिस्थितियों में घरेलू/एनआरओ टर्म डिपॉजिट के समय से पहले एक्सटेंशन के लिए जुर्माना माफ किया जाता है.

समय से पहले निकासी पर कब लागू नहीं होती पेनल्टी?

बैंक ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर अपलोड जानकारी के अनुसार, ऐसी जमा राशियों के मामले में जिन्हें मूल अनुबंध अवधि की शेष अवधि से अधिक समय के लिए रिन्यूवल के लिए समय से पहले बंद कर दिया गया हो, जमा की राशि की परवाह किए बिना समय से पहले निकासी के लिए कोई पेनल्टी नहीं लगेगी. अगर जमाकर्ता की मृत्यु की वजह से टर्म डिपॉजिट को समय से पहले निकाला जा रहा है तो इसके लिए कोई जुर्माना नहीं लगेगा.

FD को समय से पहले निकालने पर क्या पेनल्टी चार्ज करती है YES बैंक?

बैंक 181 दिनों की समयसीमा से पहले एफडी को बंद करने पर 0.75 प्रतिशत तक की पेनल्टी चार्ज करती है. अगर आप 182 दिन या उसके बाद एफडी बंद करते हैं तो उस पर 1 प्रतिशत तक की पेनल्टी चार्ज करेगा.

बैंक ऑफ इंडिया का प्री-मैच्योर एफडी पर क्या है पेनल्टी चार्ज?

बैंक ऑफ इंडिया पांच लाख रुपये से कम डिपॉजिट के निकालने पर या जमा करने के 12 महीने के बाद निकालने पर कोई पेनल्टी चार्ज नहीं करता है. लेकिन अगर आप पांच लाख रुपये से कम की धनराशि को 12 महीने से पहले निकालते हैं तो इस पर बैंक 1 प्रतिशत की पेनल्टी चार्ज करता है.

(नोटः यह जानकारी उपरोक्त बैंकों के वेबसाइड पर अपलोड 20 नवंबर 2024 तक के डेटा से ली गई है.)

बिटकॉइन क्या है और यह कैसे काम करता है?

बिटकॉइन एक डिजिटल मुद्रा है जो किसी भी केंद्रीय नियंत्रण या बैंकों या सरकारों की निगरानी से मुक्त है । इसके बजाय यह पीयर-टू-पीयर सॉफ़्टवेयर और क्रिप्टोग्राफी पर निर्भर करता है।

एक सार्वजनिक खाता बही में सभी बिटकॉइन लेनदेन रिकॉर्ड किए जाते हैं और उनकी प्रतियां दुनिया भर के सर्वरों पर रखी जाती हैं। कोई भी व्यक्ति जिसके पास अतिरिक्त कंप्यूटर है, वह इनमें से किसी एक सर्वर को स्थापित कर सकता है, जिसे नोड के रूप में जाना जाता है। कौन से सिक्के का मालिक कौन है, इस पर आम सहमति बैंक जैसे केंद्रीय स्रोत पर भरोसा करने के बजाय इन नोड्स पर क्रिप्टोग्राफ़िक रूप से बनाई जाती है। हर लेन-देन को सार्वजनिक रूप से नेटवर्क पर प्रसारित किया जाता है और नोड से नोड तक साझा किया जाता है। हर दस मिनट में या तो इन लेन-देन को खनिकों द्वारा एक समूह में एकत्र किया जाता है जिसे ब्लॉक कहा जाता है और ब्लॉकचेन में स्थायी रूप से जोड़ा जाता है । यह बिटकॉइन का निश्चित खाता बही है। जिस प्रकार आप पारंपरिक सिक्कों को भौतिक वॉलेट में रखते हैं , उसी प्रकार आभासी मुद्राएं डिजिटल वॉलेट में रखी जाती हैं और इन्हें क्लाइंट सॉफ्टवेयर या ऑनलाइन और हार्डवेयर उपकरणों की एक श्रृंखला से एक्सेस किया जा सकता है। वर्तमान में बिटकॉइन को सात दशमलव स्थानों से विभाजित किया जा सकता हैः बिटकॉइन का हजारवां हिस्सा मिलि के रूप में जाना जाता है और बिटकॉइन का सौ मिलियनवां हिस्सा सातोशी के रूप में जाना जाता है। सच में बिटकॉइन या वॉलेट जैसी कोई चीज नहीं होती, यह सिर्फ़ नेटवर्क के बीच सिक्के के स्वामित्व को लेकर सहमति होती है। लेन-देन करते समय नेटवर्क को फंड के स्वामित्व को साबित करने के लिए एक निजी कुंजी का उपयोग किया जाता है। कोई व्यक्ति बस अपनी निजी कुंजी को याद रख सकता है और उसे अपनी वर्चुअल नकदी को वापस पाने या खर्च करने के लिए किसी और चीज की जरूरत नहीं होती, एक अवधारणा जिसे "ब्रेन वॉलेट" के रूप में जाना जाता है।

क्या बिटकॉइन को नकदी में परिवर्तित किया जा सकता है?

बिटकॉइन को किसी भी संपत्ति की तरह नकदी के लिए एक्सचेंज किया जा सकता है। ऑनलाइन कई क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज हैं जहाँ लोग ऐसा कर सकते हैं लेकिन लेन-देन व्यक्तिगत रूप से या किसी भी संचार प्लेटफ़ॉर्म पर भी किया जा सकता है , जिससे छोटे व्यवसाय भी बिटकॉइन स्वीकार कर सकते हैं। बिटकॉइन में किसी अन्य मुद्रा में बदलने के लिए कोई आधिकारिक तंत्र नहीं बनाया गया है। बिटकॉइन नेटवर्क में कोई भी ऐसी चीज नहीं है जो स्वाभाविक रूप से मूल्यवान हो। लेकिन यह बात सोने के मानक को छोड़ने के बाद दुनिया की सबसे स्थिर राष्ट्रीय मुद्राओं में से कई के लिए सच है , जैसे कि अमेरिकी डॉलर और यूके पाउंड।

बिटकॉइन का उद्देश्य क्या है?

बिटकॉइन को लोगों के लिए इंटरनेट पर पैसे भेजने के तरीके के रूप में बनाया गया था। डिजिटल मुद्रा का उद्देश्य एक वैकल्पिक भुगतान प्रणाली प्रदान करना था जो केंद्रीय नियंत्रण से मुक्त हो लेकिन अन्यथा पारंपरिक मुद्राओं की तरह ही इस्तेमाल की जा सके।

क्या बिटकॉइन सुरक्षित हैं?

बिटकॉइन के पीछे की क्रिप्टोग्राफी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी द्वारा डिजाइन किए गए SHA-256 एल्गोरिदम पर आधारित है। इसे क्रैक करना, सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए, असंभव है क्योंकि ब्रह्मांड में जितने परमाणु हैं (अनुमानतः 10 78 से 10 82 के बीच) उससे कहीं ज़्यादा संभावित निजी कुंजियाँ हैं जिनका परीक्षण किया जाना होगा । बिटकॉइन एक्सचेंजों को हैक करने और फंड चुराने के कई हाई प्रोफाइल मामले सामने आए हैं , लेकिन ये सेवाएं हमेशा ग्राहकों की ओर से डिजिटल मुद्रा को संग्रहीत करती हैं। इन मामलों में हैक की गई चीज़ वेबसाइट थी न कि बिटकॉइन नेटवर्क।

शेयर मार्केट में पैसा कैसे लगाएं? स्टेप-बाई-स्टेप जानकारी

शेयर मार्केट में पैसा कैसे लगाएं: अगर आप यह जानना चाहते है कि शेयर मार्केट में पैसा कैसे लगाएं और कमाए? तो यह आर्टिकल आप सभी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस आर्टिकल में हम आपको बतायेगे कि आप किस प्रकार शेयर मार्केट में पैसा निवेश किया जाता है।

शेयर मार्केट एक Financial Market है, जहाँ पर आप घर बैठे किसी भी Company के शेयर खरीद बेच सकते है। अगर आपको शेयर मार्केट में पैसा लगाने के बारे में पूरा Process पता नहीं है, तो इस आर्टिकल में हम आपको शेयर मार्केट में पैसे निवेश करने के विषय में पूरी जानकारी देगें।तो आइये दोस्तों बिना किसी विलंब के आर्टिकल को शुरू करते हैं और स्टेप-बाई-स्टेप तरीके से जानते हैं कि मोबाइल से शेयर बाजार में पैसा कैसे इन्वेस्ट करें।

शेयर मार्केट में पैसा कैसे लगाया जाता है?

मोबाइल ऐप आने की वजह से स्टॉक्स में पैसा लगाना अब बहुत आसान हो चूका है। तो आइये जानते हैं शेयर मार्केट में कैसे निवेश करें, ट्रेडिंग ऐप की मदद से।शेयर मार्केट में पैसा निवेश करने वाला ऐप डाउनलोड करिये।ऐप पर अपना एक फ्री डीमैट और ट्रेडिंग अकॉउंट खोलिए।अपना डाक्यूमेंट्स और बैंक अकाउंट वेरीफाई करिये (सिर्फ अपलोड करना है)शेयर मार्केट एप में पैसा डिपाजिट करिये।इंटरनेट/यूट्यूब से अच्छे स्टॉक्स और कंपनी की जानकारी लीजिये।अब ऐप में स्टॉक्स का नाम सर्च करिये और स्टॉक्स में निवेश करिये।अगर आप शेयर मार्केट में पैसा लगाना चाहते है पर आपको शेयर मार्केट में पैसे लगाने के Process के बारे में पता नहीं है तो आज हम आपको शेयर मार्केट में पैसे इन्वेस्ट करने के बारे में संपूर्ण जानकारी देगें।

1. Share Market Trading ऐप डाउनलोड करेंसबसे पहले शेयर मार्केट मे पैसे लगाने के लिए आपको, Play Store से Share Market ऐप जैसेः- Groww, Angel One, Paytm Stocks, Upstox आदि ऐप्स में से किसी एक App को डाउनलोड कर सकते है।

मेरे अनुमान से आपको Upstox ऐप को डाउनलोड कर लेना है क्योंकि Upstox ही मेरा पसंदीदा ट्रेडिंग ऐप है। Upstox में किसी भी प्रकार का कोई Extra Tax नहीं लिया जाता है। बाकि Share Market ऐप में कुछ प्रतिशत Extra Tax लिया जाता है।

2. अपना एक फ्री Demat और Trading अकाउंट खोलें अब आपको अपना Demat Account खुलवाना होगा। जिसके लिए आपको निम्नलिखित दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

पैन कार्ड नबंर व फोटो, बैंक पासबुक आधार कार्ड,आधार कार्ड में दिया गया मोबाइल नंबर,Email Id अगर आपके पास ये सभी दस्तावेज उपलब्ध है तो आप आसानी से अपना Demat Account Open कर सकते है। Demat Account Open करने के लिए निम्नलिखित कदमों का पालन करें।

अब आपने Upstox ऐप को Download कर लिया है तो अब उसे Open कर लें। अब आपको नीचे Continue With Google का विकल्प दिखाई देगा, जिस पर आपको Click कर देना है।आपको अपनी Email Id को Select कर लेना है।अब आपसे अपना Mobile Number मांगा जायेगा, जिसे फील करके आगे बढ़ जाना है। आपके मोबाइल नंबर पर एक OTP आयेगा, जिसे फील करके आगे बढ़ जाना है। अब आपसे Pan Card Number मांगे जायेगें, जिसे फील कर देना है। आपसे कुछ बेसिक सवाल पूछे जायेगें, जिनका सही जवाब देकर आगे बढ़ जाना है। अब आपसे आपकी फुल Details मांगी जायेगी। जैसेः- नाम, माता का नाम, पिता का नाम, आधार कार्ड नंबर, आधार कार्ड के नंबर पर आया OTP, Date of Birth आदि जानकारी मांगी जायेगी। जिन्हें भरकर आपको आगे बढ़ जाना है। अब आपसे अपनी फोटो कैमरा से खींचकर Verify करना होगा। ये सभी Process Complete करने के बाद आपको Demat Account ओपन हो जायेगा।

3. शेयर मार्केट में पैसा लगाने के लिए Bank Account लिंक करेंअब आपको Share Market ऐप में पैसे लगाने के लिए अपना Bank Account को ऐड करना होगा। Bank Account ऐड हो जाने के पश्चात आप पैसे Add कर सकते है।

4. अपने Share Market ऐप में पैसे Add करेंएक बार आपका Bank Account शेयर मार्केट में Add हो जाता है तो आप कभी भी अपने Bank Account से पैसे Add कर सकते है। अब आप जितना पैसा Share Market ऐप में लगाना चाहते है, उतने पैसे आपको Share Market ऐप में Add कर लेने है।

5. कंपनी और Shares के बारे में जानकारी प्राप्त करेंअब आपको Share Market ऐप मे विभिन्न शेयर देखने को मिल जायेगें। पर आपको अच्छे शेयर को चुनकर उस शेयर के बारे में पूरी जानकारी Google, YouTube अथवा Financial Advisor से प्राप्त कर लेनी है। जिसके बाद आप आसानी से अपने पैसों को Share Market में सही शेयर पर लगा सकते है।

6. सही शेयर में अपना पैसा लगाएं

अब आप जिस भी शेयर पर पैसे लगाना चाहते है, उस शेयर को Search करके, नीचे Buy बटन पर Click करके शेयर को खरीद लें। इसके बाद यह शेयर आपके Portfolio में जुड़ जायेगा। और इसे आप जब मर्जी Sell कर सकते हैं। सलाह है की लम्बे समय के लिए Invest करिये।

शेयर मार्केट में पैसा लगाने के लिए कौन सा ऐप अच्छा है?

अगर आप शेयर मार्केट में पैसा लगाने के लिए, कोई अच्छी ऐप की तलाश में है तो आपको बता दे, कि Play Store आपको बहुत सी ऐसी Trading ऐप्स देखने को मिल जायेगें। पर आज के समय में बहुत सी Trading Fraud ऐप भी चल रही है जिसके कारण Play Store पर सभी Trading ऐप्स पर विश्वास करना कठिन है।

इसलिए आज हम आपको ट्रेडिंग करके पैसे कमाने के लिए 5 सबसे अच्छी ऐप्स के बारे में बहाऐगे। जिनके द्वारा आप आसानी से घर बैठे शेयर मार्केट में पैसा लगा सकते है।

Upstox" एक भारतीय Trading App है जहाँ पर आप शेयर खरीद व बेच सकते है। यह Web और Mobile Platform के माध्यम से निवेशकों को शेयर मार्केट में पैसे लगाने और Trading करने की सुविधा प्रदान करती है।

"Upstox" को 2010 में जयेंद्र गोहिल और ऋषि खेमका द्वारा स्थापित की गई थी। यह भारतीय शेयर मार्केट निगम (BSE) और National Stock Exchange of India (NSE) के माध्यम से Trustee में शामिल है।"Upstox" ऐप में आपको एक Demat Account बनाना होता है, जिसके पश्चात ही आप शेयर मार्केट में किसी Company के शेयर में अपने पैसों को निवेश कर सकते है। जैसे कि Shares, Mutual Funds और IPOs आदि। निवेशक "Upstox Trading App" में Demat Account ओपन करने के पश्चात ही शेयरों को खरीद व बेच सकता है।

2. ICICIdirect Markets

"ICICIdirect Markets" एक ऐसा Platform है जो आपको घर बैठे स्टॉक मार्किट में पैसा Invest करने का मौका देता है। यह आपको Online निवेश करने, लाइव Stock Chart देखने और IPO शेयरों में Investment करने का अवसर प्रदान करता है।

"ICICIdirect Markets" मोबाइल ट्रेडिंग ऐप IOS और Android दोनों System के लिए उपलब्ध है यह ऐप आपको शेयर मार्केट से जुडी हर Update को आप तक पहुँचाने की कोशिश करती है। जिससे आपको निवेश करने के लिए किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना नही करना पड़ता है। इसके साथ-साथ, यह ऐप आपको Investment Portfolio को Track करने का मौका भी प्रदान करती है।

BRICS इंटरनेशनल फ़ैशन फ़ेडरेशन की घोषणा के लिए 50 से ज़्यादा देश एकजुट हुए

मॉस्को/रूस BRICS+ फ़ैशन शिखर सम्मेलन एक ऐतिहासिक घोषणा के साथ मॉस्को में संपन्न हुआः 50 से ज्यादा देशों के फ़ैशन संघों के नेताओं ने BRICS इंटरनेशनल फ़ैशन फेडरेशन के गठन के लिए एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। नया महासंघ प्रभाव के नए केंद्र स्थापित करना, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मज़बूत करना, उद्योग की स्थिरता को बढ़ावा देना और नई पीढ़ी की फ़ैशन प्रतिभाओं को विकास के अवसर प्रदान करना चाहता है। ख़ास तौर से, शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिससे उभरते और स्थापित दोनों बाजारों के लिए सबसे बड़े फ़ैशन कार्यक्रम के रूप में इसकी स्थिति मज़बूत हुई।

फ़ैशन डिज़ाइन काउंसिल ऑफ़ इंडिया के चेयरमैन सुनील सेठी ने कहा, "उभरते देशों के ऐसे फ़ैशनेबल गठबंधन की काफ़ी लंबे समय से ज़रूरत थी। ब्रांड, डिज़ाइनर और बाज़ार सभी समान चुनौतियों का सामना करते हैं – आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों से लेकर पर्यावरणीय मुद्दों तक – जिन्हें एक साथ हल करना आसान है। फ़ैशन जगत कुछ सौ वैश्विक ब्रांडों पर फ़ोकस किए हुए है, इसलिए उभरते बाज़ारों को अपने खुद के मंच की ज़रुरत है ताकि वे अपनी आवाज़ सभी तक पहुँचा सकें।"BRICS इंटरनेशनल फ़ैशन फ़ेडरेशन की स्थापना के ज्ञापन पर कई प्रभावशाली हस्तियों ने हस्ताक्षर किए, जिनमें फ़ैशन वीक के CEO, फ़ैशन और कपड़ा संघों के प्रमुख और भारत, दक्षिण अफ़्रीका, रूस, इथियोपिया, मिस्र, स्पेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया, मलेशिया, घाना, तंजानिया, जॉर्डन, इक्वाडोर, पैराग्वे और केन्या जैसे देशों के अकादमिक नेता शामिल थे।मॉस्को की उप महापौर, Natalya Sergunina ने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "इस अंतर्राष्ट्रीय महासंघ का

निर्माण मॉस्को में हाल ही में हुए BRICS+ फ़ैशन शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख परिणाम है। ये एक बार फ़िर हमारे वैश्विक सहयोगियों के साथ साझा लक्ष्यों और विकास की पर्याप्त क्षमता को प्रदर्शित करता है।"घोषणा में कई मुख्य उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं: स्थानीय प्रतिभा का समर्थन करना, सतत फ़ैशन को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और शैक्षिक और जानकारी बढ़ाने वाले प्रोजेक्ट्स के ज़रिये उभरते बाज़ारों के लिए एक एकीकृत मंच बनाना। ये नई प्रौद्योगिकियों के विकास, सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण और पारंपरिक कला और शिल्प के समर्थन पर भी फ़ोकस करता है।"हम इन दूरदर्शी लोगों को एक वैश्विक मंच और स्थानीय कार्यक्रम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि ये पक्का किया जा सके कि उनके रचनात्मक कार्यों का जश्न वैश्विक स्तर पर मनाया जाए। हमारा उद्देश्य सतत और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देना है, पारदर्शी तरीकों को लागू करने की कोशिश करना है जो फ़ैशन इंडस्ट्री के कार्बन फ़ुटप्रिंट को काफ़ी कम कर देगा।" ऑफ़िशियल बयान में कहा गया है, "फ़ैशन के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की हमारी कोशिश में धीमा फ़ैशन, जिसकी ख़ासियत सचेत उपभोग और उत्पादन है,

ब्रिटिश सांसद बोले-बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशःवहां घर जलाए, पुजारियों को जेल भेजा; अमेरिका ने कहा- अल्पसंख्यकों की हिफाजत करें

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमले को लेकर ब्रिटिश सांसदों ने चिंता जताई है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद हिंदुओं का सफाया (एथनिक क्लींजिग) करने की कोशिश हो रही है।

ब्रिटिश संसद में एक बहस के दौरान ब्लैकमैन ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के घर जला दिए गए हैं। उनके दुकानों और घरों में तोड़फोड़ की जा रही है। पुजारियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। ब्लैकमैन ने कहा कि इस मामले पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी ब्रिटेन की है, क्योंकि उन्होंने ही बांग्लादेश को आजाद कराया था। विदेश कार्यालय मंत्री कैथरीन वेस्ट ने कहा कि हम भारत सरकार की चिंता से वाकिफ हैं। वेस्ट ने कहा कि पिछले महीने वह बांग्लादेश गई थीं। इस दौरान यूनुस सरकार ने उन्हें यकीन दिलाया था कि वे अल्पसंख्यकों के हितों की हिफाजत करेंगे। कंजर्वेटिव सांसद प्रीति पटेल ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा हो रही है, जिसे सरकार रोक नहीं पा रही है। हम इससे बहुत परेशान हैं। हमारी संवेदना बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ है। वहीं, लेबर पार्टी के सांसद बैरी गार्डिनर ने कहा कि ब्रिटिश सरकार बांग्लादेश की स्थिति पर नजर रख रही है। अमेरिका ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि सरकार को बोलने की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का सम्मान

करने की जरूरत है। पटेल ने कहा कि अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों को उनकी बात रखने का मौका मिलना चाहिए। उनसे मानवाधिकारों के मुताबिक ही व्यवहार किया जाना चाहिए।

आरोप- 70 हिंदू वकीलों को गलत मामले में फंसाया गया

बांग्लादेश में इस्कॉन के एक प्रमुख पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को पिछले महीने रंगपुर में हिंदू समुदाय के समर्थन में विरोध प्रदर्शन के बाद ढाका में गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। 26 नवंबर को ढाका की एक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद से ही देश में तनाव और ज्यादा बढ़ा हुआ है।

बांग्लादेश में हिंदू संगठन सनातनी जागरण जोत ने आरोप लगाया है कि सरकार ने 70 हिंदू वकीलों को गलत तरीके से इस मामले में फंसाया है, ताकि वे चिन्मय प्रभु की तरफ से केस में पेश ना हो सकें। कोलकाता इस्कॉन के वाइस-प्रेसिडेंट राधारमण दास ने भी चटगांव अदालत के इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा-

कौन हैं चिन्मय प्रभु?

चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी का असली नाम चंदन कुमार धर है। वे चटगांव इस्कॉन के प्रमुख हैं। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच 5 अगस्त 2024 को PM शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था। इसके बाद बड़े पैमाने पर हिंदुओं के साथ हिंसक घटनाएं हुईं।

इसके बाद बांग्लादेशी हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए सनातन जागरण मंच का गठन हुआ। चिन्मय प्रभु इसके प्रवक्ता बने। सनातन जागरण मंच के जरिए चिन्मय ने चटगांव और रंगपुर में कई रैलियों को संबोधित किया। इसमें हजारों लोग शामिल हुए।

सर्दियों में भी दिखेंगी फैशनेबल, बस वार्डरोब में शामिल कर लें ये चीजें

सर्दियों के मौसम में लड़कियां अक्सर कन्फ्यूजन में रहती हैं कि फैशनेबल कैसे दिखा जाए, लेकिन यह इतना ज्यादा भी मुश्किल नहीं होता है. विंटर सीजन में अगर कुछ आउटफिट्स और एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब में शामिल कर लिया जाए तो स्टाइलिश लुक पाया जा सकता है.टर्टल नेक स्वेटर के सर्दियों के सीजन में अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करें, इसमें कुछ शॉर्ट तो कुछ लॉन्ग स्वेटर ले सकती हैं. इससे फायदा ये होता है कि लेयर बॉटम आउटफिट में आपको प्रॉब्लम नहीं होती. वहीं लॉन्ग स्वेटर को आप पेंसिल पैंट के साथ आराम से कैरी कर सकती हैं.ओवर साइज हुडी सर्दियों के दिनों में कैजुअल और कूल लुक देती है. इसे कॉलेज से लेकर ऑफिस तक में पहना जा सकता है. बस ध्यान रखें कि ऑफिस के लिए फंकी प्रिंट्स की बजाय सिंपल हुडी चुनें, साथ ही ज्यादा ब्राइट कलर की बजाय ऑलिव, ब्लैक, बेज जैसे रंग चुनें.लॉन्ग कोट से क्लासी लुक मिलता है. यह आपको कड़कती ठंड में पूरी तरह से बचाए रखने में हेल्पफुल होता है, साथ ही इसे किसी भी स्वेटर के साथ पेयर करके नया लुक क्रिएट किया जा सकता है. इसलिए अपनी वार्डरोब में कम से कम दो सिंपल लॉन्ग कोट शामिल कर सकती हैं. सर्दियों में स्टाइलिश दिखने के लिए स्पोर्ट्स शूज के साथ ही अपनी वार्डरोब में लॉन्ग बूट्स को भी जगह दें. इस वक्त लेदर के साथ ही वेलवेट वूट्स काफी ट्रेंड में हैं.शॉर्ट डेनिम जैकेट का फैशन कभी पुराना नहीं होता, सर्दियों के दिनों में इसे अपने ड्रेसिंग कलेक्शन में शामिल करना एक अच्छा आइडिया रहता है. हुडी वाली जैकेट भी ट्राई की जा सकती है.

सर्दियों के सीजन में अपनी वार्डरोब में शॉर्ट और लॉन्ग दो पफर जैकेट्स को जगह दें, वहीं फर की हुडी वाली जैकेट्स काफी कूल लुक देती हैं. इसमें आप कुछ डार्क कलर्स को चुन सकती सर्दियों का सीजन हो और वार्डरोब में मफलर को जगह न दी जाए तो कुछ अधूरा सा लगता है. चेक वाले मफलर तो हमेशा ट्रेंड में रहते ही हैं, इसके साथ ही ब्लैक, ब्राउन, मैरून और एक लाइट पिंक कलर के सिंपल मफलर को भी अपने कलेक्शन का हिस्सा बनाएं. फिर देखें कि कैसे हर आउटफिट में आपको स्टनिंग लुक मिलता है.

पश्मीना से लेकर ढाबला तक, भारत में बहुत मशहूर हैं ये सात तरह की शॉल

सर्दियों में स्वेटर और शॉल का उपयोग किया जाता है. ये शरीर को ठंडी हवा से बचाने और गर्माहट देने का काम करते हैं. लेकिन शॉल कई तरह की होती हैं. हर क्षेत्र की अपनी विशेष बुनाई, डिजाइन और सामग्री के अनुसार शॉल होते हैं. आज हम आपको कुछ विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं शॉल के बारे में बताने जा रहे हैं.शॉल कई तरह की होती हैं, जिनमें से कुछ विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं. इस समय विभिन्न प्रकार के रंगों और डिजाइन वाले शॉल बाजार में मिलते हैं. हर क्षेत्र की अपनी विशेष बुनाई, डिजाइन और सामग्री के अनुसार शॉल होते हैं. आज हम आपको कुछ फेमस शॉल के बारे में बताने जा रहे हैं.

प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व बना रातापानी

मध्य प्रदेश में टाइगर रिज़र्व को लेकर बड़ी खुशखबरी मिली है. टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश को दो दिन में दो टाइगर रिजर्व की सौगात मिली हैं. प्रदेश में अब 07की जगह 09टाइगर रिजर्व होंगे. रातापानी प्रदेश का 09वां टाइगर रिजर्व होगा. राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है. रातापानी टाइगर रिज़र्व बनने से अब इसको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी. रातपानी के आसपास फिलहाल 90से ज़्यादा बाघ है.मध्य प्रदेश को दो दिन में दो टाइगर रिज़र्व की सौगात मिली हैं. प्रदेश में अब 07की जगह 09टाइगर रिजर्व होंगे. रातापानी प्रदेश का 09वां टाइगर रिजर्व होगा. राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है. रातापानी टाइगर रिज़र्व बनने से अब इसको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी. दो दिन पहले ही शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क को केंद्र सरकार ने टाइगर रिजर्व बनाया था. अब रातापानी और माधव नेशनल पार्क के टाइगर रिजर्व बनने से संख्या बढ़कर 9 हो गई है. मध्य प्रदेश में अब वन्य जीवों के आशियाने और सरंक्षन के लिए टाइगर रिजर्व मील का पत्थर साबित होंगे.

पर्यटकों की बढ़ेगी संख्या

अधिसूचना जारी कर राज्य सरकार ने टाइगर रिज़र्व कोर एरिया का रकबा 763.812 वर्ग किलोमीटर और बफर एरिया का रकबा 507.653 वर्ग किलोमीटर निर्धारित किया है. टाइगर रिजर्व का कुल रकबा 1271.465 वर्ग किलोमीटर हो गया है. रातापानी टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में 9 गांव शामिल किए गए हैं, जिसमें झिरी बहेड़ा, जावरा मलखार, देलावाड़ी, सुरई ढाबा, पांझिर, कैरी चौका, दांतखो, साजौली और जैतपुर के गांवों है.इन गावों का रकबा 26.947 वर्ग किलोमीटर है. अभी तक इन गांवों को कोर क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है. रातापानी के अभयारण्य बनने के बाद अब स्थानीय लोगो को रोजगार के अवसर मिलेंगे. भोपाल से लगे होने के

चलते अब पर्यटकों की संख्या भी बढ़ेगी

टाइगर स्टेट एमपी में अब रातापानी के जंगलों में इतने टाइगर

2022 के टाइगर सेंसस के मुताबिक रातापानी में 56 बाघ थे, जबकि पगमार्क और अन्य चिन्हों के आधार पर रातापानी के जंगल में 70 से ज्यादा बाघों का अनुमान है. रातापानी अपने आप में अनोखा टाइगर रिजर्व होगा. यह पहला टाइगर रिजर्व होगा, जो किसी राज्य की राजधानी से बेहद सटा हुआ है. यह टाइगर रिजर्व इंटरनेशनल एयरपोर्ट के भी सबसे पास है. एयरपोर्ट से एक घंटे की ड्राइविंग कर यहां पहुंचा जा सकता है. यह देश का पहला टाइगर रिजर्व होगा, जिसके अंदर एक वर्ल्ड हेरिटेज साइट भीम बेटका भी मौजूद है. इसके वन परिक्षेत्र में नर्मदा नदी का आंवला घाट और सलकनपुर मंदिर भी आता है.राजधानी भोपाल से रातापानी की सीमा करीबन 100 किलोमीटर लंबी है. रातापानी से भोपाल के कलियासोत, नीलबढ़ इलाकों में बाघों का काफी भी मूवमेंट रहा है.

ऐसे में राजधानी भोपाल को सुरक्षित बनाने के लिए रातापानी की सीमा पर 10 फीट ऊंची फेंसिंग लगाई जाएगी. कई हिस्सों में इसे पहले लगाया जा चुका है. इसके साथ ही टाइगर्स की पेट्रोलिंग के लिए 10 फीट चौड़ा मार्ग भी बनाया जाएगा.

पुष्पा 2 की खुशी में रश्मिका मंदाना ने खुली जुल्फों में लहराया पल्लू, स्मोकी आईज में चुरा ले गईं दिल

फैंस के साथ-साथ पुष्पा 2 का क्रेज रश्मिका मंदाना को भी इतना है कि वो फिल्म के प्रमोशन के दौरान साड़ी पर ही 'पुष्पा श्रीवल्ली' लिखवाया था। इसी के साथ अगर हम एक्ट्रेस के मेकअप की बात करें तो ये वाकई काफी खूबसूरत और डीसेंट सा था, जिसने बाला की खूबसूरत लुक में चार-चांद लगा दिए। आइए एक झलक रश्मिका के इस ब्लू साड़ी लुक पर डालें। पुष्पा 1 इतना ज्यादा पॉपुलर रही थी कि लोगों ने उसे देखते ही दूसरे पार्ट का इंतजार करना शुरू कर दिया था। अब ये इंतेजार खत्म हो गया है और इसकी खुशी एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को इतनी है कि उन्होंने अपनी साड़ी में ही फिल्म में निभाए अपने कैरेक्टर का नाम लिखवा दिया।जितनी खूबसूरत रश्मिका की साड़ी थी, उससे गई गुना ज्यादा एक्ट्रेस का सिंपल का मेकअप था, जो लुक को और भी ज्यादा एन्हांस कर रहा था। अगर आप भी रश्मिका की जुल्फे लहराते और कजरारी आंखों वाली ये तस्वीरें देख लेंगे तो अपने दिल की धड़कनों को काबू नहीं कर पाएंगे। यकीन नहीं होता है तो खुद दी देख लीजिए। 5 दिसंबर को पुष्पा 2 रिलीज हो चुकी है लेकिन उनका ये लुक प्रमोशन के टाइम का सबसे बेहतरीन लुक रहा, क्योंकि इसमें उन्होंने अपनी साड़ी में पुष्पा और श्रीवल्ली यानी कि फिल्म में अपने कैरेक्टर का नाम लिखवाया था। फाल्गुनी शेन पीकॉक की डिजाइन की गई इस ब्राइट कलर की साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने अपने मेकअप को इस तरह रखा था कि उनका ओवरऑल लुक बैलेंस हो गया। आइए जानते हैं रश्मिका के मेकअप की डीटेलिंग।

मेकअप को दिया मैट लुक

रश्मिका ने अपने मेकअप को मैट लुक देते हुए स्किन टोन का भी ध्यान रखा और फाउंडेशन से लेकर आईशैडो तक मेकअप को ब्राउनिंश टच दिया था। आप खुद भी देख सकते हैं इस बाला ने अपने चेहरे पर ज्यादा हाइलाइटर का इस्तेमाल न करते हुए भी परफेक्टली टचअप किया। सिंपल और सोबर मेकअप के लिए रश्मिका का ये लुक वाकई मेकअप इंस्पिरेशन लेने वाला है। रश्मिका के आई मेकअप में एक चीज हमेशा कॉमन रहती है और वो है उनका आईलाइनर। कभी मोटे तो कभी पतले आईलाइनर के साथ रश्मिका अपनी आंखों का जादू चलाती हैं। अपने ब्लू साड़ी लुक के साथ भी इस बाला ने कुछ ऐसा ही किया और आंखों को ऐसा स्मोकी लुक दिया कि देखना वाला आंखों में ही डूब जाए। आप भी इस तरह का आई मेकअप अपने सिंपल लुक के लिए कैरी कर सकती हैं।

हर दिन कूटे 200 करोड़, 'पुष्पा-2' ने उठाया बॉक्स ऑफिस पर बवंडर, लेकिन तीसरे दिन बिगड़ने लगी चाल

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पाः द रूल' की तीसरे दिन भीबॉक्स ऑफिस पर धूम जारी है। पुष्पा 2 ने अपनी रिलीज के बाद से हर दिन 200 करोड़ का कलेक्शन किया है और दुनिया भर में कुल कलेक्शन 400 करोड़ को पार कर लिया है। पुष्पा 2 ने अपने पहले रिलीज वाले दिन भारत में 164 करोड़ की कमाई की। बाद में, फिल्म का क्रेज बॉक्स ऑफिस पर बढ़ता गया और दूसरे दिन 93 करोड़ का कलेक्शन किया। हालांकि पुष्पा 2 ने फिल्म रिलीज के तीसरे दिन अपने निर्माताओं को बुरी खबर दी और यह बॉक्स ऑफिस पर भारी कलेक्शन बनाए रखने में विफल रही। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म पुष्पा 2 2021 में रिलीज हुई पहले पार्ट में अपनी लोकप्रियता को लेकर काफी चर्चा में थी। पुष्पा 2 ने सिर्फ 3 दिनों में भारत में 265 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 400 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। ट्रेडिंग वेबसाइट के मुताबिक, सैकनिलक पुष्पा 2 का तीसरे दिन का कलेक्शन महज 39 करोड़ की कमाई से इसके मेकर्स निराश हो सकते हैं।

सुपरहिट सीरीज का सीक्वल

पुष्पा 2, 2021 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'पुष्पाः द राइज' का सीक्वल है। इस फिल्म ने फैन्स को दीवाना बना दिया और इतिहास की सबसे लोकप्रिय साउथ फिल्म में से एक बन गई। फिल्म ने दुनिया भर में 300 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही।

'मेरी पत्नी को इससे अलग रखें...' शिल्पा का नाम आने से भड़के राज कुंद्रा

राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी के घर में ईडी (ED) का छापा पड़ने के बाद पहली बार इस मामले पर उन्होंने बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक लंबा चौड़ा नोट शेयर कर लोगों से कहा कि वो इस मामले में उनकी पत्नी शिल्पा शेट्टी को ना घसीटें। बीते 29 नवंबर को उनके घर और ऑफिस में एडल्ट फिल्म बनाने के मामले को लेकर छापा पड़ा था। अब इस मामले में भड़के हुए एक्टर ने एक स्टेटमेंट जारी किया है। अपनी पत्नी का सपोर्ट करते हुए राज कुंद्रा ने लिखा- ''मीडिया में नाटक करने का हुनर है, चलिए

सच्चाई सामने लाते हैं। मैं पिछले चार सालों से चल रही जांच में पूरा सहयोग कर रहा हूं। जहां तक सहयोगियों,पोर्नोग्राफी और मनी लॉन्ड्रिंग के दावों का सवाल है, तो हम बस इतना कहेंगे कि सनसनीखेज बातें सच्चाई को नहीं छिपा सकतीं। अंत में न्याय की जीत होगी।" छापे के दौरान पुलिस ने मुंबई और उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों में लगभग 15 लोकेशन्स की तलाशी ली। एजेंसी ने कथित तौर पर इनमें से एक परिसर में राज से भी पूछताछ की। इसके बाद, शिल्पा के वकील ने भी एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि शिल्पा का किसी भी अपराध से कोई लेना-देना नहीं है। वकील प्रशांत पाटिल ने रिपोर्टों को मिसलीडिंग बताया। प्रशांत ने कहा कि हम मीडिया से अनुरोध करते हैं कि इस मामले में शिल्पा शेट्टी का नाम, फोटो या वीडियो इस्तेमाल न किया जाए, क्योंकि उनका मामले से कोई लेना-देना नहीं है। राज कुंद्रा पर मोबाइल एप्लिकेशन और अन्य प्लेटफार्मों के माध्यम से कथित तौर पर अश्लील कंटेंट बांटने का आरोप लगाया गया है। मामले के सिलसिले में उन्हें जुलाई 2021 में गिरफ्तार भी किया गया था लेकिन बाद में जमानत दे दी गई थी।

इस रेसिपी से बनाएं स्वादिष्ट बथुए का रायता सर्दियों में बढ़ जाएगा आपके जायके का स्वाद

सर्दियों में कई सारी हरी पत्तेदार सब्जियां बाजार में मिलती हैं। स्वादिष्ट होने के साथ ही यह अलग-अलग तरह की साग सेहत के लिए भी काफी गुणकारी होती है। बथुआ इन्हीं हरी पत्तेदार सब्जियों में एक है जो कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। आमतौर पर इसके पराठे या पुड़ी बनाई जाती है लेकिन इसका रायता भी बेहद स्वादिष्ट होता है। जानिए इसकी रेसिपी।

सर्दियों का मौसम आ चुक है और इस मौसम में खानपान का अपना अलग ही मजा होता है। इन दिनों कई तरह की साग बाजार में देखने को मिलती हैं। हरी पत्तेदार यह सब्जियां स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती हैं। ऐसे में इन्हें डाइट में शामिल करने से सेहत को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। बथुआ इन्हीं पत्तेदार सब्जियों में से एक है, जो लोग कई तरीके से अपनी डाइट में शामिल करते हैं।आमतौर पर लोग इसका साग या इसकी पुड़ी और पराठे बनाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी बथुए का रायता ट्राई किया है। अगर नहीं इस विंटर सीजन इसके जरूर ट्राई करें। यह खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है। इसे बनाना भी काफी आसान होता है और यह सेहत के लिए भी गुणकारी होता है। आइए जानते हैं बथुए का रायता बनाने की आसान रेसिपी-

रायता बनाने से पहले सबसे पहले किसी भी प्रकार की गंदगी या कण हटाने के लिए बथुआ के पत्तों को अच्छी तरह धो लें।फिर इन पत्तों को थोड़े से पानी में नरम होने तक उबालें। इसके बाद छान लें और उन्हें ठंडा होने दें।अब उबले हुए बथुए के पत्तों को ब्लेंडर या मैशर की मदद से मैश कर लें।इसके बाद एक कटोरे में दही को स्मूद और मलाईदार होने तक फेंटें।फिर इसमें भुना हुआ जीरा पाउडर, काला नमक, सादा नमक डालें और अच्छी तरह मिलाएं।दही के मिश्रण में बथुए की पत्तियां मसलकर मिलाएं। समान रूप से मिलाने के लिए अच्छे से चलाएं।अगर रायता बहुत गाढ़ा है तो थोड़े से पानी के साथ इसके टेक्सचर को अपने मुताबिक करें।अब थोड़े तीखेपन के लिए इसमें बारीक कटी हरी मिर्च मिला लें। स्वाद बढ़ाने के लिए लाल मिर्च पाउडर भी छिड़क सकते हैं।अंत में ताजा हरा धनिया और भुना हुआ जीरा पाउडर डालकर इसे गार्निश करें।अब इसे ठंडा करके परांठे, चावल या किसी भी व्यंजम के साथ साइड डिश के रूप में परोसें।

सामग्री

बथुआ के पत्ते - 1 कप (उबले और मसले हुए),दही (दही) - 2 कप (फैटा हुआ) भुना जीरा पाउडर - 1 छोटा चम्मच,काला नमक – स्वादानुसार, सादा नमक- स्वादानुसार,हरी मिर्च - 1 (बारीक कटी, वैकल्पिक),लाल मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच (वैकल्पिक),ताजा हरा धनिया - 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ, गार्निश के लिए)

ठंड की शुरुआत में ही खा लिए ये 5 फूड, तो पूरे सीजन नहीं लगेगी ठंड

सर्दियों का मौसम आते ही संदूक में रखें गर्म कपड़े बाहर आ जाते हैं. इस मौसम में हम अपने शरीर को गर्म रखने के लिए स्वेटर, शॉल और हीटर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इन सब से हमारा शरीर सिर्फ बाहर से ही गर्म रहता है, जो स्वस्थ (Health) रहने के लिए पर्याप्त नहीं है. अगर आप अपने शरीर को अंदर से गर्म (Shareer ko garm rakhe) रखना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपनी डाइट (Winter Diet) में कुछ ऐसी चीजें शामिल करना होगा जो ना सिर्फ आपको एनर्जी दें बल्कि बीमारियों से भी आपको दूर रखें. इनके सेवन से आपको सर्दी, जुकाम, थकान और कई तरह की समस्याओं से निजात मिल सकती है. यहां तक कि इनके सेवन से आप फ्लू इंफेक्शन से भी बच सकते हैं.

1. शहद – स्वाद में मीठा और पोषक तत्वों से भरपूर शहद का सेवन सर्दियों के दिन में बहुत फायदेमंद माना जाता है. ये न सिर्फ हमारे शरीर को ऊर्जा देता है बल्कि हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने के साथ-साथ मजबूती भी प्रदान करता है. इसके सेवन से गले में हुई खराश को भी दूर किया जा सकता है.

2. घी –देसी घी में फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है. जो हमारे शरीर के तापमान और गर्मी को संतुलित बनाए रखता है. सर्दियों के मौसम में घी का नियमित रूप से सेवन करना बहुत फायदेमंद सिद्ध हो सकता है. इसे भी पढ़ें :How to Lose Weight Fast: हफ्ते में 5 दिन करें ये 5 काम, बाकी के दो दिन में खुद-ब-खुद पिघल जाएगी चर्बी, जानें मोटापा कैसे घटाएं

3. गुड़– गुड़ की तासीर गर्म होने के कारण इसे भी आप सर्दियों के मौसम में अपने भोजन में शामिल कर सकते हैं. गुड़ में भरपूर मात्रा में कैलोरी पाई जाती है. इसका इस्तेमाल आप मीठे पकवान बनाने में कर सकते हैं या ऐसे भी खा सकते हैं. गुड़ के सेवन से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है. इसे भी पढ़ें: Right Way to Take a Bath: क्या आप जानते हैं नहाने का सही तरीका, Sadhguru से जानें

4. दालचीनी - सर्दियों में दालचीनी का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है. इसके सेवन से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिसके कारण शरीर में गर्माहट पैदा होती है. अगर आपको खांसी की समस्या है तो आप दालचीनी का पानी पी सकते हैं.

5. सरसों– सरसों में एलिल आइसोथियोसाइनेट नाम का कंपाउंड मौजूद होता है, जो मनुष्य के शरीर के तापमान को बेहतर रखने की प्रक्रिया को बढ़ा सकता है. शरीर को गर्म रखने के लिए आप सरसों और सरसों के तेल का सेवन कर सकते हैं.

UGC: ग्रेजुएशन में अब नहीं लगेंगे 3 साल, ढाई वर्ष में ही ले सकेंगे डिग्री, UGC अध्यक्ष ने दी जानकारी

ग्रेजुएशन पूरा करने के लिए छात्र-छात्राओं को अब पूरे तीन साल का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। स्टूडेंट्स चाहें तो इसे ढाई साल में भी पूरा कर सकते हैं।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदेश कुमार ने चेन्नई के एक कॉलेज में इस संबंध में हाल ही में आयोजित हुए एक दिवसीय सम्मलेन में यह जानकारी दी है। यूजीसी अध्यक्ष ने कहा कि, शिक्षा निकाय स्टूडेंट्स के लिए तेजी से डिग्री को पूरा करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इसी क्रम में स्टूडेंट्स को तीन साल का पाठ्यक्रम ढाई में और चार साल का पाठ्यक्रम तीन में पूरा करने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही इसे अगले शैक्षणिक सत्र से लागू करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि, 'आने वाले वर्षों में, जो छात्र सक्षम हैं, वे कम अवधि में डिग्री कार्यक्रम पूरा कर सकते हैं। हमारा अनुमान है कि ऐसे स्टूडेंट्स को छह महीने से एक साल तक का फायदा हो सकता है। हालांकि, यूजीसी अध्यक्ष ने यह भी बताया कि, जो छात्र- छात्राएं अपनी पढ़ाई पूरी करने में अधिक समय लेना चाहते हैं तो उन्हें वह भी दिया जाएगा। साथ ही उन्हें अपने पाठ्यक्रमों के दौरान ब्रेक लेने की अनुमति दी जाएगी।

यह योजना आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी द्वारा की गई सिफारिश पर आधारित है। यूजीसी अध्यक्ष ने कहा कि इस संबंध में जल्द डिटेल में दिशानिर्देश जल्द ही जारी किये जाएंगे। बता दें कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने के लिए आईआईटी मद्रास में एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में यूजीसी अध्यक्ष समेत कई संस्थानों के शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। न्यू एजुकेशन पॉलिसी के बारे में बात करते हुए यूजीसी अध्यक्ष जगदीश कुमार ने कहा कि, इससे शिक्षा प्रणाली में बदलाव आएगा जिससे छात्रों को लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा को अफोर्डेबल बनाने की जिम्मेदारी उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs) पर है।

इससे इतर बात करें तो यूजीसी नेट दिसंबर परीक्षा के लिए जल्द ही नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी कुछ दिनों के भीतर ही एग्जाम की अधिसूचना जारी करके आवेदन प्रक्रिया शुरू हो सकती है। हालांकि, सटीक अपडेट तो अभ्यर्थी ऑफिशियल वेबसाइट पर सूचना जारी होने के बाद ही मालूम कर पाएंगे।

छत्तीसगढ़ में 8971 पदों पर हो रही सरकारी भर्ती

19 विभागों में 8,971 पदों की भर्ती के लिए वित्त विभाग अब तक दे चुका है मंजूरी। छत्तीसगढ़ की भर्तियों में युवाओं को 5 साल की आयु सीमा में छूट का लाभ मिलेगा। एनआरडीए, एफएसएल और विद्युत निरीक्षक कार्यालय में 151 पदों पर भर्ती होगी।

रायपुर। अगर आप भी सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो आपके लिए एक खुशखबरी है! छत्तीसगढ़ सरकार ने विभिन्न विभागों में युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर अब तक करीब 19 विभागों में 8,971 पदों के लिए वित्त विभाग ने मंजूरी दे दी है।

इसमें खास बात यह है कि एनआरडीए, एफएसएल और विद्युत निरीक्षक कार्यालय में भी भर्ती की राह अब साफ हो चुकी है। प्रदेश के इन तीन विभागों में 151 विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए जल्द प्रक्रिया शुरू होगी।

एनआरडीए में 96 पदों पर होगी भर्ती

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण में कुल 96 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) और प्रबंधक (जनसंपर्क) के 1-1 पद, सहायक अभियंता (सिविल/लो.स्वा.या) के 8, सहायक अभियंता (विद्युत), सहायक अभियंता (यांत्रिकी), और सहायक अभियंता (आईटी/कम्प्यूटर साइंस) के 1-1 पद, सहायक योजनाकार/वास्तुकार के 4, सहायक प्रोग्रामर के 3, सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के 2, उप अभियंता (सिविल/लो.स्वा.या) के 21, उप अभियंता (यांत्रिकी) और उप अभियंता (आईटी/कम्प्यूटर साइंस) के 1-1, शीघ्रलेखक (हिन्दी/अंग्रेजी) के 13, लेखापाल के 3, सहायक मानचित्रकार के 4, अनुरेखक के 4 और सहायक ग्रेड-03 के 26 पद शामिल हैं।

मुख्य विद्युत निरीक्षक कार्यालय में 27 पदों पर भर्ती की स्वीकृति दी गई है, जिनमें उपअभियंता के 13, सहायक ग्रेड-3 के 6, विद्युतकार के 5 और जांच अनुचर के 3 पद शामिल हैं। इसके अलावा, राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में वैज्ञानिक अधिकारी के 28 रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी।

छत्तीसगढ़ में एक साथ 8,971 सरकारी नौकरी की भर्ती को मिली मंजूरी

वित्त विभाग अब तक 19 विभागों में 8,971 पदों की भर्ती के लिए मंजूरी दे चुका है। स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, गृह विभाग, विधि विभाग, आदिम जाति कल्याण, वन व पर्यावरण विभाग, उच्च शिक्षा, खेल व युवा कल्याण, एनआरडीए आदि विभाग भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने में जुट गए हैं।

बताते चलें कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर पुलिस विभाग समेत अन्य शासकीय भर्तियों में निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट का लाभ भी युवाओं को मिल रहा है।

राजस्थान पुलिस में निकली सब इंस्पेक्टर की भर्ती, जानें कब तक कर सकते हैं अप्लाई

राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर की वैकेंसी निकली हैं. इस भर्ती का नोटिफिकेशन जारी हो गया है. पात्र कैंडिडेट्स अप्लाई कर सकते हैं.

पुलिस में भर्ती होने का सपना देख रहे युवाओं के लिए राजस्थान में भर्ती निकली है. राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर SI Telecom के पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है. जिसके लिए 28 नवंबर 2024 यानी आज से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो रही है. इस भर्ती के लिए आवेदन करने के इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आखिरी तारीख 27 दिसंबर 2024 तक फॉर्म भर सकते हैं. आवेदन के साथ परीक्षा शुल्क भुगतान करने की भी आखिरी तारीख 27 दिसंबर 2024 निर्धारित की गई है.आवेदन करने के पात्र उम्मीदवारों को आरपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर या फिर SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी. फॉर्म भरने से पहले अभ्यर्थी निर्धारित पात्रता एवं मापदंड की जांच अवश्य कर लें. ये अभियान कुल 98 पदों पर भर्ती के लिए चलाया जा रहा है.

जरूरी योग्यता

राजस्थान पुलिस एसआई टेलीकॉम के पद पर फॉर्म भरने के लिए उम्मीदवारों के पास साइंस में बैचलर डिग्री B.Sc फिजिक्स और मैथिमेटिक्स के साथ होनी चाहिए वहीं टेलीकम्यूनिकेशन इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में BEBTech डिग्री धारक अभ्यर्थी भी इस पर आवेदन के योग्य हैं. इसके अलावा अभ्यर्थियों को राजस्थान संस्कृति का ज्ञान भी होना चाहिए योग्यता संबंधित अन्य डिटेल्स अभ्यर्थी विस्तार से आधिकारिक नोटिफिकेशन से चेक कर सकते हैं.

आयु सीमा

राजस्थान पुलिस एसआई टेलीकॉम की इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम उम्र 20 वर्ष और अधिकतम उम्र 25 वर्ष से कम होनी चाहिए. आयु सीमा 01 जनवरी 2025 के आधार पर निर्धारित की जाएगी. वहीं, आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी गई है.

आवेदन के लिए आपको इन स्टेप्स को करें फॉलो

कैंडिडेट्स को एप्लीकेशन फॉर्म भरने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाना होगा. इसके बाद आपको होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करना होगा.

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

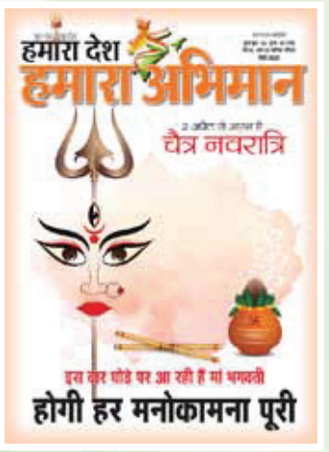

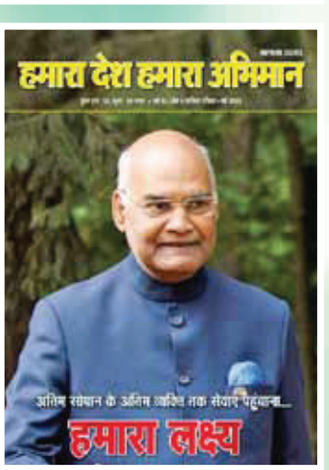

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें..

मनोज चतुर्वेदी : 98266 36922, 88392 59136